



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 615]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 11, 2001/अग्रहायण 20, 1923

No. 615]

NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 11, 2001/AGRAHAYANA 20, 1923

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 2001

सा.का.नि. 892(अ).—केन्द्रीय सरकार, अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन अधिनियम, 2000 (2000 का 37) की धारा 96 की उपधारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

अध्याय 1

प्रारंभिक

1. संक्षिप्त नाम, विस्तार और प्रारंभ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन नियम, 2001 है।
(2) इनका विस्तार संपूर्ण भारत पर है।
(3) ये इस अधिनियम के प्रारंभ की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषाएं.—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

- (क) "अधिनियम" से अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन अधिनियम, 2000 (2000 का 37) अभिप्रेत है;
- (ख) "प्ररूप" से अनुसूची 2 में दिया गया प्ररूप अभिप्रेत है;
- (ग) "जनरल" से अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइनों के रजिस्ट्रार द्वारा प्रकाशित अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन जनरल अभिप्रेत है;
- (घ) "अभिन्यास डिजाइन संख्या" से अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन की रजिस्ट्रीकरण संख्या अभिप्रेत है;
- (ङ) "रजिस्ट्री" से अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री अभिप्रेत है;
- (च) "अनुसूची" से इन नियमों की अनुसूची अभिप्रेत है;
- (छ) "धारा" से इस अधिनियम की कोई धारा अभिप्रेत है;

3. भारत में कारबार का मुख्य स्थान.—"भारत में कारबार का मुख्य स्थान" से निम्नलिखित अभिप्रेत है—

- (I) जहां कोई व्यक्ति अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन का कारबार करता है, वहां—

- (क) यदि कारबार भारत में केवल एक स्थान में किया जाता है तो, वह स्थान;
- (ख) यदि कारबार भारत में एक से अधिक स्थानों पर किया जाता है तो वह स्थान जिसका वह व्यक्ति भारत में कारबार के मुख्य स्थान के रूप में उल्लेख करे;

(ii) जहां कोई व्यक्ति अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन का कारबार नहीं कर रहा है, वहां—

(क) यदि वह भारत में कोई अन्य कारबार केवल एक स्थान में कर रहा है तो, वह स्थान ;

(ख) यदि वह भारत में कोई अन्य कारबार एक से अधिक स्थानों में कर रहा है तो वह स्थान जिसका वह भारत में कारबार के मुख्य स्थान के रूप में उल्लेख करे ; और

(iii) जहां कोई व्यक्ति भारत में कोई कारबार नहीं करता है, किंतु उसका भारत में निवास स्थान है, वहां भारत में ऐसा निवास स्थान ।

4. अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री का समुचित कार्यालय—
“अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री का समुचित कार्यालय” अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए धारा 8 में विनिर्दिष्ट रूप में रजिस्ट्री का कार्यालय होगा और धारा 11 के अधीन परिशोधन के लिए अथवा अधिनियम या नियमों के अधीन किन्हीं अन्य कार्यवाहियों के लिए कोई आवेदन फाइल करने के लिए -

(क) रजिस्टर में किसी अभिन्यास डिजाइन के संबंध में, रजिस्ट्री का वह कार्यालय होगा जिसकी राज्य क्षेत्रीय सीमाओं के भीतर,—

(i) ऐसी तारीख को रजिस्टर में यथाप्रविष्ट अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का भारत में कारबार का मुख्य स्थान स्थित है ;

(ii) जहां रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी के भारत में कारबार के मुख्य स्थान के बारे में रजिस्टर में कोई प्रविष्टि नहीं है, वहां ऐसी तारीख को रजिस्टर में यथाप्रविष्ट भारत में तामील के लिए पते में उल्लिखित स्थान स्थित है ;

(iii) संयुक्त रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारियों के मामले में, उस स्वत्वधारी का भारत में कारबार का मुख्य स्थान स्थित है जिसका नाम ऐसी तारीख को भारत में ऐसे कारबार का स्थान रखने वाले के रूप में रजिस्टर में सबसे पहले प्रविष्ट किया जाता है ;

(iv) जहां संयुक्त रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारियों में से किसी को भी भारत में मुख्य स्थान रखने वाले के रूप में रजिस्टर में नहीं दिखाया जाता है, वहां ऐसी तारीख को रजिस्टर में यथाप्रविष्ट संयुक्त स्वत्वधारियों के भारत में तामील के लिए पते में उल्लिखित स्थान स्थित है ;

(v) यदि अभिन्यास डिज़ाइन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का या संयुक्त रजिस्ट्रीकरण की दशा में, अभिन्यास डिज़ाइन के संयुक्त स्वत्वधारियों में से किसी का भारत में कारबार का कोई मुख्य स्थान रजिस्टर में प्रविष्ट नहीं है और रजिस्टर में भारत में तामील के लिए कोई पता नहीं दिया गया है, तो रजिस्ट्री के कार्यालय का वह स्थान जहां अभिन्यास डिज़ाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया गया था, स्थित है ; और

(ख) उस अभिन्यास डिज़ाइन के संबंध में, जिसके लिए रजिस्ट्रीकरण का आवेदन लम्बित है, रजिस्ट्री का वह कार्यालय जिसकी राज्यक्षेत्रीय सीमाओं के भीतर -

(i) आवेदक के आवेदन में प्रकट किए गए रूप में आवेदक का भारत में कारबार का मुख्य स्थान या संयुक्त आवेदकों की दशा में, उस आवेदक का भारत में कारबार का स्थान स्थित है, जिसका नाम ऐसे कारबार का स्थान रखने वाले के रूप में आवेदन में सबसे पहले उल्लिखित है ;

(ii) जहां यथास्थिति, न तो आवेदक का और न संयुक्त आवेदकों में से किसी का भारत में कारबार का मुख्य स्थान है, आवेदन में, यथास्थिति विनिर्दिष्ट भारत में तामील के लिए पते में उल्लिखित स्थान स्थित है;

5. कारबार के मुख्य स्थान में या तामील के लिए पते में परिवर्तन के कारण समुचित कार्यालय की अधिकारिता में परिवर्तन न होना --

(क) रजिस्टर में किसी अभिन्यास डिज़ाइन के संबंध में, किसी रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारियों के, या संयुक्त रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारियों में से किसी के, या

(ख) किसी अभिन्यास डिजाइन के संबंध में, जिसके रजिस्ट्रीकरण के लिए कोई आवेदन लम्बित है, रजिस्ट्रीकरण के लिए किसी आवेदक के या रजिस्ट्रीकरण के लिए संयुक्त आवेदकों में से किसी के,

यथास्थिति, भारत में कारबार के मुख्य स्थान में या भारत में तामील के लिए पते में, किसी परिवर्तन से रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय की अधिकारिता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

6. **रजिस्टर में समुचित कार्यालय की प्रविष्टि** - प्रत्येक अभिन्यास डिजाइन के संबंध में रजिस्ट्रार रजिस्टर में अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय की प्रविष्टि कराएगा और रजिस्ट्रार, इस प्रकार की गई प्रविष्टि में किसी भी समय कोई गलती ठीक कर सकेगा।

7. **दस्तावेजों का छोड़ना** - (1) जैसा उपनियम (2) में उपबन्धित है, उसके सिवाय, रजिस्टर में किसी अभिन्यास डिजाइन के संबंध में, जिसके रजिस्ट्रीकरण के लिए कोई आवेदन लम्बित है, अधिनियम या नियमों द्वारा प्राधिकृत या अपेक्षित सभी आवेदन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय में किए जाएंगे, सूचनाओं की तामील वहां की जाएगी, विवरण या अन्य दस्तावेज वहां दिए या भेजे जाएंगे, या फीस का संदाय वहां किया जाएगा।

(2) ऐसे दस्तावेज या फीस, जो भेजे जाने या संदत्त किए जाने के लिए अधिनियम या नियमों द्वारा प्राधिकृत या अपेक्षित है, या तो रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय या मुख्यालय को निम्नलिखित विषयों के संबंध में भेजे जा सकेंगे या संदत्त की जा सकेगी,

(क) किसी अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए फाइल किए गए किसी आवेदन के संबंध में संसूचना और अन्य दस्तावेज जिनके अन्तर्गत शपथ पत्र भी हैं,

(ख) प्ररूप अडि-8, अडि-9, अडि-10, अडि-11, अडि-13, अडि-14, अडि-15, अडि-16, अडि-17, अडि-18, अडि-19, अडि-20, अडि-21, अडि-22, अडि-25, 31 पर आवेदन या निवेदन।

8. **समुचित कार्यालय में फाइल न किए गए या न छोड़े गए दस्तावेज आदि** - नियम 7 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, जहां अधिनियम या नियमों द्वारा प्राधिकृत या अपेक्षित कोई आवेदन, सूचना, विवरण या अन्य दस्तावेज या कोई फीस किसी ऐसे कार्यालय में, जो रजिस्ट्री का समुचित कार्यालय नहीं है, किया गया है, उसकी तामिल की गई है वहां उसे छोड़ा या भेजा गया है या उसका संदाय किया गया है, वहां रजिस्ट्रार ऐसे आवेदन, सूचना, विवरण या दस्तावेज या फीस को संबंधित व्यक्ति को वापस कर देगा ।
9. **सूचनाओं आदि का जारी करना**- अधिनियम या नियमों के अधीन किसी आवेदन, विषय या कार्यवाही से संबंधित कोई सूचना या संसूचना सामान्यतः रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय से जारी की जाएगी किंतु ऐसा न होने पर भी वह रजिस्ट्री के किसी कार्यालय से जारी की जा सकेगी ।
10. **फीस-** (1) अधिनियम और नियमों के अधीन आवेदनों, विरोध की सूचनाओं, रजिस्ट्रीकरण और अन्य विषयों के संबंध में दी जाने वाली फीसों वे होंगी जो प्रथम अनुसूची में विनिर्दिष्ट है , जिन्हें इसमें इसके पश्चात् “विहित फीस ” कहा गया है ।
 (2) जहां किसी विषय के संबंध में नियमों के अधीन किसी फीस का दिया जाना अपेक्षित है वहां उसके लिए , प्ररूप या आवेदन या निवेदन या याचिका विहित फीस के साथ भेजी जाएगी ।
 (3) फीस का संदाय नकद या रजिस्ट्रार को संबोधित मनीआर्डर द्वारा या पोस्टल आर्डर द्वारा या भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (1934 का 2) में यथा परिभाषित किसी अनुसूचित बैंक द्वारा जारी किए गए बैंक ड्राफ्ट या ऐसे बैंक के नाम लिखे गए और उसके द्वारा प्रत्याभूत चैक द्वारा या रजिस्ट्रार के विवकोनुसार ऐसे बैंक के नाम लिखे गए चैक द्वारा, भले ही वह ऐसे प्रत्याभूत न हो, किया जा सकेगा और यदि उसे डाक द्वारा भेजा जाता है तो संदाय उस समय कर दिया गया समझा जाएगा जब मनीआर्डर या उचित रूप से संबोधित पत्र जिसके लिए डाक महसूल दिया गया है और जिसमें पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट या चैक है , डाक से साधारण अनुक्रम में परिदत्त कर दिया जाएगा ।
 (4) पोस्टल आर्डर क्रास होगा और वह रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय में रजिस्ट्रार को देय होगा और इसी प्रकार बैंक ड्राफ्ट और चैक क्रास होंगे और वे रजिस्ट्रार को देय होंगे किंतु वे ऐसे स्थान के अनुसूचित बैंक के नाम में होंगे जहां रजिस्ट्री का समुचित कार्यालय स्थित है ।

(5) जहां कोई दस्तावेज फाइल करने के संबंध में कोई फीस देय है वहां वह तारीख, जिसको समस्त फीस दी जाती है, दस्तावेज फाइल करने की तारीख समझी जाएगी।

(6) जहां किसी पक्षकार द्वारा दी गई फीस के वापस किए जाने के लिए अधिनियम या नियमों के उपबंधों के अधीन रजिस्ट्रार द्वारा आदेश दिया जाता है वहां फीस की रकम कमीशन में काट कर मनीआर्डर द्वारा वापस कर दी जाएगी।

11. प्ररूप - (1) द्वितीय और तृतीय अनुसूची में दिए गए प्ररूपों का उन सभी मामलों में उपयोग किया जाएगा जिनमें वे लागू होते हैं और अन्य मामलों की पूर्ति के लिए उनमें रजिस्ट्रार के निदेशानुसार उपान्तरण किए जा सकेंगे।

(2) जब कोई प्ररूप रजिस्ट्री में फाइल किया जाएगा तब उसके साथ विहित फीस होगी।

12. दस्तावेज का आकार आदि - (1) किन्हीं अन्य निदेशों के, जो रजिस्ट्रार द्वारा दिए जाएं, अधीन रहते हुए, वे सभी आवेदन, सूचनाएं, विवरण या अन्य दस्तावेज, जो रजिस्ट्री को रजिस्ट्रार के पास या अपील बोर्ड को किए जाने, तामील किए जाने, छोड़े जाने या भेजे जाने या संदत्त किए जाने के लिए अधिनियम या नियमों द्वारा प्राधिकृत या अपेक्षित हैं, 33 सेंटीमीटर लम्बाई और 20 सेंटीमीटर चौड़ाई के मज़बूत कागज़ पर, शपथपत्र के मामले को छोड़कर एक ओर गहरी अमिट स्याही में बड़े बड़े सुपाठ्य अक्षरों में अंग्रेजी या हिन्दी में लिखे जाएंगे, टाइप किए जाएंगे या मुद्रित किए जाएंगे और कागज़ में बाईं ओर कम से कम चार सेंटीमीटर का हाशिया होगा।

(2) यदि रजिस्ट्रार, किसी समय अपेक्षा करता है तो दस्तावेजों की दूसरी प्रतियां, जिनके अन्तर्गत अभिन्यास डजाइन भी हैं, रजिस्ट्री में फाइल की जाएंगी।

13. दस्तावेजों पर हस्ताक्षर -(1) किसी ऐसे दस्तावेज पर जो भागीदारी द्वारा हस्ताक्षरित किए जाने के लिए तात्पर्यित है, भागीदारों में से कम से कम एक भागीदार द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे और ऐसे दस्तावेज पर जो निगम निकाय द्वारा हस्ताक्षरित किए जाने के लिए तात्पर्यित है, किसी निगम निकाय के निदेशक द्वारा या सचिव द्वारा या अन्य मुख्य अधिकारी द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे। वह हैसियत जिसमें कोई व्यक्ति भागीदारी या निगमित निकाय की ओर से किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करता है, उसके हस्ताक्षर के नीचे उल्लिखित की जाएगी।

(2) यदि किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर रोमन से भिन्न लिपि में किए जाते हैं या वे सुपाठ्य नहीं हैं तो उन हस्ताक्षरों के साथ अंग्रेजी में स्पष्ट अक्षरों में उनका लिप्यान्तरण होगा।

14. दस्तावेजों की तामील - (1) रूपण चिपके हुए सभी आवेदन, सूचनाएं, विवरण, कागजपत्र या अन्य दस्तावेज, जो रजिस्ट्री को या रजिस्ट्रार को या अपील बोर्ड को किए जाने, तामील किए जाने, छोड़े जाने या भेजे जाने के लिए अधिनियम या नियमों द्वारा प्राधिकृत या अपेक्षित हैं, डाक से ऐसे पत्र द्वारा भेजे जा सकेंगे जिसके लिए डाक महसूल दे दिया गया है ;

(2) इस प्रकार भेजा गया कोई आवेदन या कोई दस्तावेज उस समय किया गया, तामील किया गया व छोड़ दिया गया या भेज दिया गया समझा जाएगा जब वह पत्र जिसमें वह आवेदन या दस्तावेज है, डाक से साधारण अनुक्रम में परिदत्त कर दिया जाएगा ।

(3) ऐसा भेजा जाना साबित करने में यह साबित करना पर्याप्त होगा कि पत्र पर उचित रूप से पता लिख कर उसे डाक में डाल दिया गया था ।

15. आवेदकों और अन्य व्यक्तियों के पते आदि की विशिष्टियां-- (1) आवेदकों और अन्य व्यक्तियों के पूरे नाम और पते दिए जाएंगे और उसके साथ उनकी राष्ट्रीयता, आजीविका और ऐसी अन्य विशिष्टियां होंगी जो उनकी पहचान के लिए आवश्यक हैं ।

(2) किसी फर्म की दशा में, उसके प्रत्येक भागीदार के पूरे नाम और राष्ट्रीयता का कथन किया जाएगा ।

(3) विदेशी आवेदकों और भारत में कारबार का कोई मुख्य स्थान न रखने वाले व्यक्तियों की दशा में, उनके अपने देश में उनके पते भारत में तामील के लिए उनके पते के अतिरिक्त दिए जाएंगे ।

(4) किसी निगम निकाय या फर्म की दशा में, यथास्थिति, निगमन देश या रजिस्ट्रीकरण की प्रकृति दी जाएगी ।

16. किसी आवेदन में भारत में कारबार के मुख्य स्थान का कथन-- (1) अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन में आवेदक के भारत में कारबार के मुख्य स्थान का, यदि कोई हो, या संयुक्त आवेदकों की दशा में, संयुक्त आवेदकों में से ऐसे आवेदकों के, जिनका भारत में कारबार का मुख्य स्थान है, ऐसे कारबार के मुख्य स्थान का उल्लेख किया जाएगा ।

(2) नियम 17, 18 और 20 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, किसी अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के संबंध में किसी आवेदक को, संयुक्त आवेदकों की दशा में किसी संयुक्त आवेदक को आवेदन में उसके द्वारा दिए गए उसके भारत में कारबार के मुख्य स्थान के

पते पर कोई लिखित संसूचना संबोधित की जाती है तो वह उचित रूप से संबोधित की गई समझी जाएगी ।

17. तामील के लिए पता-(1) भारत में तामील के लिए पता -

- (क) अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक ऐसे आवेदक द्वारा दिया जाएगा, जिसका भारत में कारबार का कोई मुख्य स्थान नहीं है ;
- (ख) किसी अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए संयुक्त आवेदकों की दशा में, यदि उनमें से किसी का भी भारत में कारबार का मुख्य स्थान नहीं है, दिया जाएगा ;
- (ग) अभिन्यास डिजाइन के ऐसे स्वत्वधारी द्वारा , जिसका रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने की तारीख को भारत में अपना कारबार का मुख्य स्थान था किन्तु पश्चात्वर्ती उसका ऐसा स्थान नहीं रहा है, दिया जाएगा, और
- (घ) प्रत्येक आवेदक द्वारा अधिनियम या नियमों के अधीन किसी कार्यवाही में और विरोध की सूचना फाइल करने वाले प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, जिसका भारत में कारबार का मुख्य स्थान नहीं है , दिया जाएगा ।

(2) यदि किसी व्यक्ति को भारत में तामील के लिए उसके द्वारा दिए गए पते पर पूर्वोक्त रूप से लिखित संसूचना संबोधित की जाती है तो वह उचित रूप से संबोधित की गई समझी जाएगी ।

(3) जब तक कि उपनियम (1) में अपेक्षित रूप में भारत में तामील के लिए कोई पता नहीं दिया जाता है तब तक रजिस्ट्रार अधिनियम या नियमों के द्वारा अपेक्षित रूप में कोई सूचना भेजने के लिए बाध्य नहीं होगा और कार्यवाहियों में कोई पश्चात्वर्ती आदेश या विनिश्चय इस आधार पर प्रश्नगत नहीं किया जाएगा कि सूचना की तामील में कोई कमी थी या उसकी तामील नहीं की गई थी ।

18. आवेदन और विरोध संबंधी कार्यवाहियों में तामील के लिए पता - अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए कोई आवेदक या विरोध की सूचना फाइल करने वाला कोई विरोधकर्ता इस बात के होते हुए भी कि उसका भारत में कारबार का मुख्य स्थान है, रजिस्ट्रार को यदि वह ऐसा चाहे तो, भारत में ऐसा पता दे सकेगा जिस पर ही आवेदन या विरोध संबंधी कार्यवाहियों के संबंध में संसूचनाएं भेजी जा सकेंगी । आवेदक या विरोधकर्ता का ऐसा पता,

जब तक कि बाव में रद्द नहीं कर दिया जाता है, तब तक वह, यथास्थिति, आवेदक या विरोधी का वास्तविक पता होगा और आवेदन अथवा विरोध की सूचना से संबंधित सभी संसूचनाओं और दस्तावेजों की तामील, यथास्थिति, आवेदक या विरोधी के ऐसे पते पर उन्हें परिदत्त करके या डाक द्वारा भेजकर की जा सकेगी ।

19. तामील के लिए पते का अनुपलभ्यता - जब को रजिस्टर में प्रविष्ट भारत में तामील के लिए किसी पते की लगातार निरंतर उपलभ्यता के संबंध में कोई संदेह उत्पन्न होता है, तो वह किसी भी समय उस व्यक्ति को जिसकी बाबत वह पता प्रविष्ट है, रजिस्टर में प्रविष्ट किसी अन्य पते पर अथवा यदि रजिस्टर में कोई ऐसा पता प्रविष्ट नहीं है तो ऐसे पते पर, जिसे रजिस्ट्रार यह समझता है कि उस पते पर पत्र उसके पास पहुंच जाएगा, पत्र डालकर उससे भारत में तामील के लिए पते की पुष्टि करने का अनुरोध कर सकेगा और यदि अनुरोध करने के तीन मास के भीतर रजिस्ट्रार को ऐसी कोई पुष्टि प्राप्त नहीं होती है, तो वह भारत में तामील के लिए पते को रजिस्टर से काट सकेगा और ऐसे व्यक्ति से भारत में तामील के लिए नया पता, या यदि उस समय उसका भारत में कारबार के मुख्य स्थान का कोई पता है तो वह पता, देने की अपेक्षा कर सकेगा ।

20. अभिकरण-(1) धारा 84 के प्रयोजनों के लिए किसी अभिकर्ता का प्राधिकार प्ररूप अ०डि०-32 में या ऐसे अन्य लिखित रूप में, जिसे रजिस्ट्रार पर्याप्त और उचित समझे, निष्पादित किया जाएगा ।

(2) ऐसे प्राधिकार की दशा में कार्यवाही या मामले से संबंधित किसी दस्तावेज की अभिकर्ता पर तामील, उस इस प्रकार प्राधिकृत करने वाले व्यक्ति पर तामील समझी जाएगी, ; कार्यवाही या मामले की बाबत ऐसे व्यक्ति को की जाने के लिए निर्दिष्ट सभी संसूचनाएं, ऐसे अभिकर्ता को संबोधित की जाएंगी, और रजिस्ट्रार के समक्ष उनसे संबंधित सब उपसंजाति ऐसे अभिकर्ता द्वारा या उसकी मार्फत की जा सकेंगी ।

(3) किसी विशिष्ट मामले में रजिस्ट्रार किसी आवेदक, विरोधकर्ता, स्वत्वधारी, रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता या अन्य व्यक्ति के व्यक्तिगत हस्ताक्षर या उसकी उपस्थिति की अपेक्षा कर सकता है ।

21. अभिन्यास डिजाइन के बारे में रजिस्ट्रार द्वारा प्रारंभिक सलाह :- धारा 78 की उपधारा

(1) के अधीन रजिस्ट्रार द्वारा प्रारंभिक सलाह का आवेदन विहित फीस के साथ प्ररूप अ.डि.21 में किया जाएगा ।

अध्याय 2

अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रक्रिया

अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन

22. आवेदन का प्ररूप और हस्ताक्षर करना—(1) धारा 8 की उपधारा (1) के अधीन अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए रजिस्ट्रार को आवेदन विहित फीस के साथ प्ररूप अ.डि.-1 में किया जाएगा और आवेदन पर आवेदक या उसके अभिकर्ता द्वारा हस्ताक्षर किए जाएंगे।

(2) निम्नलिखित मदों में से प्रत्येक के तीन सेट, जो अभिन्यास डिजाइन का स्पष्ट रूप से वर्णन करते हैं, संलग्न किए जाएंगे। रेखाचित्र या फोटो का आकार ऐसे अभिन्यास डिजाइन के उपयोग करने के लिए गढ़े गए अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ के आकार से 20 गुने से कम नहीं होगा, अर्थात् :-

(क) तैयार किए गए रेखाचित्रों के साथ एक आलेख जो रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदित अभिन्यास डिजाइन का वर्णन करता है के तीन सेट ; या

(ख) रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदित अभिन्यास डिजाइन का उपयोग करके अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ के गढ़ने के लिए प्रयुक्त मुखोटों या रेखाचित्र जो ऐसे मुखोटों का पैटर्न का वर्णन करते हैं, के तीन सेट।

(3) यदि अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदक अभिन्यास डिजाइन की गोपनीयता बनाए रखने के लिए लिखित में अनुरोध करता है तो वह उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट रेखाचित्रों या फोटो के स्थान पर रजिस्ट्रार के समाधान के लिए ऐसे अभिन्यास डिजाइन के आंशिक रूप से विभाजित रेखाचित्रों या फोटो के तीन सेट संलग्न करेगा। रजिस्ट्रार ऐसे अभिन्यास डिजाइन के संपूर्ण रेखाचित्र या फोटो का निरीक्षण कर सकेगा। ऐसे रेखाचित्र या फोटो का विभाजन रजिस्ट्रार के ऐसे समाधान के लिए होगा जिससे कि वह आवेदित अभिन्यास डिजाइन की पहचान को नुकसान नहीं पहुंचाता हो। ऐसे रेखाचित्र या फोटो का विभाजित क्षेत्र अभिन्यास डिजाइन के शेष भाग के क्षेत्र से बड़ा नहीं होगा।

23. पारस्परिक तहशव के अधीन आवेदन - उस अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए जिसके लिए किसी कंवेशन देश में आवेदन किया गया है के कारण से धारा 93 के अधीन

पूर्विकता का दावा करने वाले प्रत्येक आवेदन में इस धारा के अधीन इस प्रकार घोषित देश का नाम होगा उस आवेदन की तारीख का कथन करेगा और आवेदक उस देश के रजिस्ट्रार या अन्य रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी द्वारा दिया गया प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा या रजिस्ट्रार के समाधान के लिए वहां किए गए आवेदन को अन्यथा सत्यापित करेगा ।

रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन की प्राप्ति के पश्चात् प्रक्रिया

24. आवेदन की अभिस्वीकृति या रसीद- किसी अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन की प्राप्ति पर रजिस्ट्रार द्वारा अभिस्वीकृति की जाएगी । अभिस्वीकृति प्ररूप अ.डि. -1 में आवेदन की एक प्रति को लौटा कर की जाएगी उस आवेदन के शासकीय संख्यांक की सम्यक रूप से प्रविष्टी होगी ।

25. प्रतिग्रहण के प्रति आक्षेप और सुनवाई- (1) आवेदन पर विचार करने के पश्चात् यदि उपयोग की या मौलिकता की या किसी अन्य विषय की कोई साक्ष्य, जिसकी आवेदक से प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जा सकेगी आवेदन के प्रतिग्रहण के प्रति रजिस्ट्रार कोई आक्षेप करता है या कोई ऐसे संशोधनों या उपांतरणों के अधीन स्वीकार करने की प्रस्थापना करता है जो वह अधिरोपित करना ठीक समझे, रजिस्ट्रार ऐसे आक्षेप या प्रस्ताव को आवेदक को लिखित में संसूचित करेगा ।

(2) यदि उपनियम (1) में वर्णित संसूचना की तारीख से तीन मास के भीतर आवेदक पूर्वोक्त प्रस्ताव के अनुसार आवेदन को संशोधित नहीं करता है या रजिस्ट्रार को उसके विचार प्रस्तुत नहीं करता है या सुनवाई के लिए आवेदन नहीं करता है तो आवेदन का परित्याग किया जाना समझा जाएगा ।

26. रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन के वापस लेने की सूचना- आवेदन के फाइल करने के संबंध में संदत्त किसी फीस का प्रतिसंदाय अभिप्राप्त करने के प्रयोजन के लिए धारा 78 की उपधारा (2) के अधीन किसी अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन को वापस लेने की सूचना नियम 25 के उपनियम (1) में वर्णित संसूचना की तारीख से तीन मास के भीतर लिखित में दी जाएगी ।

27. रजिस्ट्रार का विनिश्चय-(1) रजिस्ट्रार ने जो विनिश्चय नियम 25 के अधीन या नियम 29 के अधीन सुनवाई करने के पश्चात् या उस दशा में सुनवाई बिना जिसमें कि आवेदक ने

अपनी बात लिखकर सम्यक्तः संसूचित कर दी है और यह कथन कर दिया है कि मैं अपनी सुनवाई नहीं चाहता हूँ, किया है, उसकी लिखित संसूचना आवेदक को दी जाएगी और यदि आवेदक ऐसे विनिश्चय की अपील करने का आशय रखता है, तो वह ऐसी संसूचना की तारीख से एक मास दिन के भीतर प्ररूप अ.डि. -5 पर रजिस्ट्रार से यह अपेक्षा करने वाला आवेदन विहित फीस के साथ कर सकेगा कि रजिस्ट्रार अपने विनिश्चय के आधारों का और उन सामग्रियों का जिनका उपयोग उसने अपना विनिश्चय करने के लिए किया है, लिखित रूप में कथन करें।

(2) उस दशा में जिसमें कि रजिस्ट्रार ऐसी कोई अपेक्षाएं करता है आवेदक को जिनकी बाबत कोई आपत्ति नहीं है, आवेदक उन अपेक्षाओं की पालना रजिस्ट्रार द्वारा उपनियम (1) के अधीन लिखित कथन दिए जाने के पूर्व करेगा।

(3) जिस तारीख को लिखित कथन उपधारा (1) के अधीन आवेदक द्वारा प्राप्त किया जाता है, वह तारीख अपील के प्रयोजन के लिए वह तारीख समझी जाएगी जिसको रजिस्ट्रार ने अपना विनिश्चय किया है।

28. आवेदन में शुद्धि और संशोधन- अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदक, अपने आवेदन में या तत्संबंधी किसी गलती को शुद्ध करने के लिए या अपने आवेदन में कोई संशोधन करने के लिए आवेदन उसके साथ विहित फीस देकर अपने आवेदन के प्रतिग्रहण के या तो पूर्व या पश्चात् किंतु अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण से पूर्व प्ररूप अ.डि.-6 में सकेगा।

29. रजिस्ट्रार द्वारा स्वीकृति का वापस लिया जाना-(1) यदि रजिस्ट्रार को आवेदन के स्वीकार करने के संबंध में कोई आपत्ति आवेदन के स्वीकार करने के पश्चात् किंतु अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण से पूर्व इस आधार पर कि वह गलती से स्वीकार कर ली गई है, या वह अभिन्यास डिजाइन मामले की उन अवस्थाओं में स्वीकार नहीं की जानी चाहिए थी, या रजिस्ट्रार यह प्रस्थापना करता है कि वह अभिन्यास डिजाइन केवल उन संशोधनों या उपांतरणों के अधीन भी, जिन पर कि आवेदन स्वीकार किया गया है के अतिरिक्त या उनसे भिन्न शर्तों पर रजिस्ट्रीकृत की जानी चाहिए, तो रजिस्ट्रार ऐसी आपत्ति की लिखित संसूचना आवेदक को देगा।

(2) आवेदक जब तक कि रजिस्ट्रार की अपेक्षाओं का अनुपालन करने की दृष्टि से अपने आवेदन का संशोधन उपनियम (1) में वर्णित संसूचना की तारीख से दो मास के भीतर या सुनवाई के लिए आवेदन नहीं कर देता है, आवेदन के स्वीकार करने की बाबत यह समझा जायेगा कि रजिस्ट्रार ने उसे वापस ले लिया है और आवेदन की बाबत ऐसी कार्यवाही की जायेगी मानों कि उसे स्वीकार नहीं किया गया हो ।

(3) जहां कि रजिस्ट्रार को आवेदक उपनियम (2) में वर्णित कालावधि के भीतर यह बात प्रज्ञापित करता है कि मेरी यह इच्छा है कि मेरी सुनवाई हो तो आवेदक को रजिस्ट्रार उस तारीख की सूचना देगा जिसको रजिस्ट्रार उसकी सुनवाई करेगा । जब तक कि आवेदक इससे अल्पकाल वाली सूचना के लिए सम्मत न हो जाये, ऐसी सुनवाई की तारीख सूचना की तारीख से कम से कम पन्द्रह दिन बाद की रखी जाएगी । आवेदक यह कथन कर सकेगा कि वह अपनी वैयक्तिक सुनवाई कराना नहीं चाहता, और वह वे बातें पेश कर सकेगा जिन्हें कि वह वांछनीय समझता है ।

(4) रजिस्ट्रार आवेदक की सुनवाई के पश्चात् या यदि आवेदक ने कोई बातें उसके समक्ष लिखित रूप में पेश की है तो उन पर विचार करने के पश्चात् ऐसे आदेश दे सकेगा जैसे कि वह ठीक समझता है ।

आवेदन का विज्ञापन

30. विज्ञापन की रीति-अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए किसी आवेदन की बाबत यह अपेक्षा धारा 10 की उपधारा (1) के अधीन यह विज्ञापित की जाए या उस धारा की उपधारा (2) के अधीन पुनः विज्ञापित की जाए वह जर्नल में विज्ञापित की जाएगी । विज्ञापन में निम्नलिखित ब्यौरे दिए जाएंगे, अर्थात् :-

- (i) आवेदन संख्यांक ;
- (ii) अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन के अभिग्रहण की तारीख ;
- (iii) उस स्वत्वधारी का नाम और पता जो आवेदन में दिया गया है ;
- (iv) अभिन्यास डिजाइन का संक्षिप्त अभिवर्णन ;

(v) क्या उस अभिन्यास डिजाइन का वाणिज्यिक रूप से समुपयोजन किया गया है, यदि ऐसा है तो ऐसे समुपयोजन की अवधि ;

(vi) रजिस्ट्रार के कार्यालय का पता जहां आवेदन फाइल किया गया है ।

31. आवेदन में शुद्धि का संशोधन करने की अधिसूचना-ऐसे किसी आवेदन की दशा में, जिसे धारा 10 की उपधारा (2) का खंड (ख) लागू होता है, रजिस्ट्रार, यदि वह ऐसा विनिश्चय करता है तो आवेदन को पुनः विज्ञापित कराने के बदले आवेदन की संख्या, आवेदक का नाम और उसके कारबार का भारत में मुख्य स्थान का पता, यदि कोई हो, या जहां आवेदक का कोई कारबार का भारत में मुख्य स्थान नहीं है वहां भारत में तामील के लिए उसका पता और आवेदन में की गई शुद्धि या संशोधन उपवर्णित करने वाली एक अधिसूचना जरनल अन्तःस्थापित कर सकेगा ।

32. अभिन्यास डिजाइन के विज्ञापन की विशिष्टियां देने के लिए रजिस्ट्रार से निवेदन- प्ररूप अ.डि.-31 में कोई व्यक्ति रजिस्ट्रार से यह निवेदन कर सकेगा कि रजिस्ट्रार जरनल की उस संख्या, तारीख और पृष्ठ की जानकारी दे जिसमें प्ररूप में विनिर्दिष्ट उस अभिन्यास डिजाइन का विज्ञापन हुआ था और रजिस्ट्रार निवेदन करने वाले व्यक्ति को ऐसी विशिष्टियां देगा ।

रजिस्ट्रीकरण का विरोध

33. विरोध की सूचना-(1) धारा 11 की उपधारा (1) के अधीन अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के विरोध की सूचना जरनल में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन के यथास्थिति विज्ञापन या पुनर्विज्ञापन की तारीख से तीन मास के भीतर विहित फीस के साथ प्ररूप अ.डि.-2 में तीन प्रतियों में दी जाएगी । इस सूचना के अंतर्गत उन आधारों का कथन होगा जिनपर विरोधी रजिस्ट्रीकरण पर आपत्ति करता है ।

(2) जिस कालाविधि के भीतर अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के विरोध की सूचना दी जा सकेगी उसे बढ़ाने के लिए आवेदन विहित फीस के साथ प्ररूप अ.डि.-30 में किया जाएगा । विस्तार की ऐसी कालाविधि कुल मिलाकर एक मास से अधिक नहीं होगी ।

34. प्रतिकथन- धारा 11 की उपधारा (2) की अपेक्षानुसार प्रतिकथन विरोध की सूचना की प्रति के आवेदक द्वारा प्राप्त होने से दो मास के भीतर विहित फीस के साथ प्ररूप अ.डि.-3 में

तीन प्रतियों में भेजा जाएगा और उसमें यह भी वर्णित होगा कि विरोध की सूचना में अभिकथित वे तथ्य यदि कोई हो, कौन से हैं जिन्हें आवेदक ने स्वीकारोत्क कर लिया है। रजिस्ट्रार प्रतिकथन की एक प्रति की तामील विरोध की सूचना देने वाले व्यक्ति पर कराएगा।

35. विरोध के समर्थन में साक्ष्य - (1) रजिस्ट्रार द्वारा प्रतिकथन की प्रति की तामील विरोधी पर जिस दिन करा दी हो उससे दो महीने के भीतर विरोधी या तो रजिस्ट्रार के पास ऐसा साक्ष्य साक्ष्य पत्र द्वारा देगा जैसा कि वह अपने विरोध के समर्थन में देना चाहता है या रजिस्ट्रार को और आवेदक को यह लिखित प्रज्ञापन देगा कि मैं अपने विरोध के समर्थन में साक्ष्य नहीं देना चाहता हूँ, किंतु मेरा यह आशय है कि विरोध की सूचना में कथित तथ्यों का मैं सहारा लूंगा। वह आवेदक को ऐसे किसी साक्ष्य की/प्रतियाँ देगा जिन्हें उसने रजिस्ट्रार के पास इस उपनियम के अधीन दिया है।

(2) यदि विरोधी उपनियम (1) के अधीन उसमें विहित समय के भीतर कोई कार्रवाई नहीं करता है, तो जब तक कि रजिस्ट्रार अन्यथा निदेश न दे यह समझा जाएगा कि विरोधी ने अपने विरोध का परित्याग कर दिया है।

36. आवेदन के समर्थन में साक्ष्य- आवेदक रजिस्ट्रार के पास शपथ पत्र के रूप में ऐसा साक्ष्य विरोध के समर्थन में शपथ पत्रों की प्रतियाँ अपने को मिलने से या अपने को यह प्रज्ञापना मिलने से, कि विरोधी अपने विरोध के समर्थन में कोई साक्ष्य नहीं देना चाहता, दो मास के भीतर देगा जैसा कि वह अपने आवेदन के समर्थन में देना चाहता है और उसकी प्रतियाँ वह विरोधी को देगा या रजिस्ट्रार को और विरोधी को वह यह प्रज्ञापना देगा कि मैं कोई साक्ष्य नहीं देना चाहता, किंतु मेरा यह आशय है कि प्रतिकथन में कथित तथ्यों का और या प्रश्नास्पद आवेदन के संबंध में अपने द्वारा पेश कर दिए गए साक्ष्य का सहारा लूँगा। उस अवस्था में, जिसमें आवेदक आवेदन के संबंध में अपने द्वारा पेश किये जा चुके किसी साक्ष्य का सहारा लेता है, वह उसकी प्रतियाँ विरोधी को देगा।

37. विरोधी द्वारा उत्तर में साक्ष्य- विरोधी, उत्तर में रजिस्ट्रार के पास शपथ पत्र द्वारा साक्ष्य, तब से एक मास के भीतर जब उसे आवेदक के शपथ पत्रों की प्रतियाँ मिली हों, दे सकेगा और उसकी प्रतियाँ आवेदक को देगा। वह साक्ष्य केवल उत्तरापेक्षी बातों तक ही सीमित रहेगा।

38. अपर साक्ष्य- कोई अपर साक्ष्य देने का अधिकार किसी पक्षकार को प्राप्त न होगा, किंतु रजिस्ट्रार अपने समक्ष वाली किन्हीं कार्यवाहियों में किसी समय उस दशा में, जिसमें कि वह ठीक समझे, कोई साक्ष्य देने की इजाजत आवेदक को या विरोधी को ऐसे खर्च संबंधी निर्बंधनों या अन्य निबन्धनों पर दे सकेगा जैसे कि वह ठीक समझता है।

39. प्रदर्श - जहां कि विरोध में फाइल किये गये शपथ पत्रों के साथ प्रदर्श हैं, वहां प्रत्येक प्रदर्श की एक प्रति या छाप अन्य पक्षकार को उसके निवेदन पर और उसके व्यय पर भेजी जाएंगी, या उस अवस्था में, जिसमें कि ऐसी प्रतियां सुविधापूर्वक नहीं दी जा सकती, मूल प्रतियाँ रजिस्ट्रार के पास निरीक्षणार्थ छोड़ी जा सकेंगी। जब तक कि रजिस्ट्रार अन्यथा निदेश न दे, मूल प्रदर्श सुनवाई के अवसर पर पेश किए जाएंगे।

40. दस्तावेजों का अनुवाद- जहां कि हिंदी या अंग्रेजी से भिन्न भाषा वाली किसी दस्तावेज के प्रति निर्देश विरोध की सूचना में, प्रतिकथन में या विरोध कार्यवाहियों में फाइल किए गए शपथ पत्र में किया गया है वहां हिंदी या अंग्रेजी में उसके अभिप्रमाणित अनुवाद की दो प्रतियां दी जाएंगी।

41. सुनवाई और विनिश्चय: (1) रजिस्ट्रार, साक्ष्य, यदि कोई हो, पूरा होने पर पक्षकारों को उस तारीख की सूचना देगा जब वह मामले में बहस सुनेगा। इस प्रकार की तारीख सूचना की तारीख के बाद कम से कम एक मास की होगी जब तक कि पक्षकार किसी कम समय की सूचना पर सहमत न हो जाए। सूचना की प्राप्ति से चौदह दिन के भीतर ऐसा पक्षकार जो हाजिर होना चाहता है, रजिस्ट्रार को विहित फीस के साथ प्ररूप अ. डि. 4 में इस प्रकार अधिसूचित करेगा। ऐसा कोई पक्षकार जो पूर्वोक्त अंतिम समय के भीतर रजिस्ट्रार को इस प्रकार अधिसूचित नहीं करता है तो उसके बारे में यह समझा जाएगा कि वह सुनवाई नहीं चाहता और रजिस्ट्रार तदनुसार कार्रवाई कर सकेगा।

(2) रजिस्ट्रार का विनिश्चय पक्षकारों को लिखित में अधिसूचित किया जाएगा।

42. खर्चों के लिए प्रतिभूति - खर्चों के लिए प्रतिभूति जिसकी रजिस्ट्रार धारा 11 की उपधारा (6) के अधीन अपेक्षा करे, ऐसी किसी रकम पर नियत की जा सकेगी जो वह उचित समझे और ऐसी किसी रकम को उसके द्वारा विरोध की कार्यवाही में किसी प्रक्रम पर और बढ़ाया जा सकेगा।

रजिस्ट्रीकरण पूरा न होने की सूचना

43. सूचना देने की प्रक्रिया - वह सूचना, जिसकी रजिस्ट्रार से धारा 13 की उपधारा (3) द्वारा किसी आवेदक को दिए जाने की अपेक्षा की जाती है, वह आवेदक को भारत में कारबार के उसके मुख्य स्थान के पते पर प्ररूप पु अ. डि. 1 में भेजी जाएगी या यदि भारत में उसके कारबार का कोई मुख्य स्थान नहीं है तो आवेदन में दिए गए भारत में तामील के लिए पते पर भेजी जाएगी किन्तु यदि आवेदक ने आवेदन के प्रयोजन के लिए किसी अभिकर्ता को प्राधिकृत कर दिया हो तो सूचना अभिकर्ता को भेजी जाएगी और उसकी दूसरी प्रति आवेदक को भेजी जाएगी। सूचना में रजिस्ट्रीकरण पूरा करने के लिए सूचना की तारीख से इक्कीस दिन का समय या ऐसा और समय जो रजिस्ट्रार अनुज्ञात करें, विनिर्दिष्ट किया जाएगा।

रजिस्ट्रीकरण

44. रजिस्टर में प्रविष्टि (1) रजिस्ट्रार, अभिन्यास-डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए किसी आवेदन के जर्नल में, यथास्थिति, विज्ञापन या पुनर्विज्ञापन की तारीख से तीन मास की समाप्ति के पश्चात् यथाशीघ्र, धारा 13 की उपधारा (1) के उपबंधों के अधीन रहते हुए, रजिस्टर में अभिन्यास-डिजाइन की प्रविष्टि करेगा।

(2) रजिस्टर में अभिन्यास-डिजाइन की प्रविष्टि में ऐसे अभिन्यास-डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण की तारीख और धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा अपेक्षित सभी विशिष्टियां विनिर्दिष्ट की जाएंगी जिनके अंतर्गत निम्नलिखित है -

(क) धारा 10 की उपधारा (1) के अधीन अभिन्यास-डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन की स्वीकृति की तारीख ;

(ख) रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नाम, पता और राष्ट्रियता ;

(ग) उस दशा में जिसमें अभिन्यास-डिजाइन का धारा 13 के अधीन रजिस्ट्रीकरण का तारीख से पूर्व वाणिज्यिक रूप से समुपयोजन किया गया है, ऐसे समुपयोजन की अवधि और उस समुपयोजन का स्थान ;

(घ) वह रजिस्ट्री कार्यालय जहां रजिस्ट्रीकरण के लिए अनुरोध फाइल किया गया था;

(ङ) अभिन्यास-डिजाइन के स्वत्वधारी के भारत में कारबार के मुख्य स्थान का पता, यदि कोई हो या संयुक्त रूप से स्वामित्वाधीन अभिन्यास-डिजाइन की दशा में, अभिन्यास-डिजाइन के संयुक्त स्वत्वधारियों में से किसी ऐसे स्वत्वधारी का पता जिसका भारत में कारबार का मुख्य स्थान है ;

(च) जहां अभिन्यास-डिजाइन के स्वत्वधारी का भारत में कारबार का कोई मुख्य स्थान नहीं है वहां रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन में प्रविष्ट किए गए भारत में तामील के लिए उसका पता तथा उसके देश में उसका पता

(छ) उस दशा में जिसमें अभिन्यास-डिजाइन संयुक्त स्वामित्व के अधीन है, और जहां संयुक्त स्वामित्वाधारियों में से किसी का भारत में कारबार का मुख्य स्थान नहीं है वहां संयुक्त स्वामित्वाधारियों में से प्रत्येक के अपने स्वदेश में पते के साथ आवेदन में दिया गया भारत में तामील के लिए पता ;

45. रजिस्ट्रीकरण से पूर्व आवेदक की मृत्यु - किसी अभिन्यास-डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए किसी आवेदक की उसके आवेदन की तारीख के पश्चात् और अभिन्यास-डिजाइन के रजिस्टर में प्रविष्ट किए जाने से पूर्व मृत्यु की दशा में, रजिस्ट्रार आवेदक की मृत्यु के सबूत पर और मृत व्यक्ति के हित के पारेषण के सबूत पर आवेदन में ऐसे मृत आवेदक के नाम के स्थान पर उसके हितउत्तराधिकारी को प्रतिस्थापित कर सकेगा और इस प्रकार संशोधन किए जाने के बाद आवेदन पर आगे कार्यवाही की जा सकेगी ।

46. रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र - (1) रजिस्ट्रार द्वारा धारा 13 की उपधारा (2) के अधीन जारी किए जाने वाले अभिन्यास-डिजाइन का रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र, ऐसे उपांतरणों सहित जो किसी मामले की परिस्थितियों में अपेक्षित हो, प्ररूप पु. अ. डि. -2 में होगा ।

(2) रजिस्ट्रार रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा विहित फीस के साथ प्ररूप अ. डि. 25 में किए गए अनुरोध पर रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति या और प्रतियां जारी कर सकेगा जो रजिस्टर में प्रविष्टि की प्रति होंगी ।

अध्याय 3

समनुदेशन और हस्तांतरण

47. समनुदेशन या पारेषण की प्रविष्टि के लिए आवेदन: - जो व्यक्ति रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास -डिजाइन का हकदार समनुदेशन या पारेषण द्वारा बन जाता है, उस व्यक्ति के हक रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन विहित फीस के साथ प्ररूप अ. डि. - 10 या प्ररूप अ. डि. - 11 में इस बात के अनुसार किया जाएगा कि वह ऐसे व्यक्ति के द्वारा अकेले किया जाता है या रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी के साथ मिलकर किया जाता है ।

48. वे विशिष्टियां, जिनका आवेदन में कथन किया जाएगा - नियम 47 के अधीन आवेदन में उस लिखत की, यदि कोई हो, पूरी विशिष्टियां होंगी जिसके अधीन आवेदन या संयुक्त आवेदन की दशा में, रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी से भिन्न व्यक्ति अभिन्यास - डिजाइन का हकदार होने का दावा करता है, और ऐसी लिखत या उसकी सम्यक रूपेण प्रमाणित प्रति आवेदन करने के समय रजिस्ट्री कार्यालय में निरीक्षण के लिए पेश की जाएगी। रजिस्ट्रार हक के सबूत में निरीक्षण के लिए पेश की गई किसी लिखत की प्रमाणित प्रति की अपेक्षा कर सकेगा और उसे प्रतिधारित कर सकेगा, किन्तु ऐसी प्रति सार्वजनिक निरीक्षण के लिए खुली नहीं रखी जाएगी।

49. आवेदन के साथ मामले का कथन भेजा जाना - जहां नियम 47 के अधीन अपने हक के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने वाला कोई व्यक्ति ऐसी किसी दस्तावेज या लिखत के अधीन जो स्वयं उसके हक का सबूत देने के लिए सक्षम है अपना दावा सिद्ध नहीं कर पाता है वहां, जब तक कि रजिस्ट्रार अन्यथा निदेश नहीं दे, वह या तो स्वयं आवेदन में या उसके साथ मामले का ऐसा कथन देगा जिसमें उन तथ्यों की पूर्ण विशिष्टियां दी जाएंगी जिन पर अभिन्यास - डिजाइन का स्वत्वधारी होने का उसका दावा आधारित है और जिससे यह दर्शित होता है कि अभिन्यास - डिजाइन समनुदेशित या पारिषित की गई है। यदि रजिस्ट्रार ऐसी अपेक्षा करता है तो उक्त कथन को प्ररूप अ. डि. - 7 में शपथ पत्र द्वारा सत्यापित किया जाएगा।

50. हक का सबूत - रजिस्ट्रार ऐसे किसी व्यक्ति से जो रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन के स्वत्वधारी के रूप में रजिस्ट्रीकृत किए जाने के लिए आवेदन करता है हक का ऐसा सबूत या अतिरिक्त सबूत पेश करने के लिए जैसा वह अपने समाधान के लिए अपेक्षा करें, कह सकेगा।

51. लिखतों का परिवद्ध किया जाना - यदि रजिस्ट्रार की राय में, किसी व्यक्ति के हक के सबूत में पेश की गई कोई लिखत उचित रूप से या पर्याप्त रूप से स्टाम्पित नहीं है तो रजिस्ट्रार उसे परिवद्ध कर देगा और उस पर भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899, के अध्याय 4 द्वारा उपबंध रीति से कार्रवाई करेगा

52. भारत से बाहर धन को पारेषण करने वाला समनुदेशन - यदि भारत से बाहर धन के पारेषण को विनियमित करने वाली कोई विधि प्रवर्तन में है तो रजिस्ट्रार उस व्यक्ति के हक को रजिस्ट्रीकृत नहीं करेगा जो ऐसे समनुदेशन द्वारा अभिन्यास-डिजाइन के

ऐसे पारेषण के लिए ऐसी विधि में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी की अनुज्ञा प्रस्तुत करने पर ही हकदार बनता है जिसमें ऐसा पारेषण अंतर्वलित है ।

53. अभिन्यास - डिजाइन के कारबार के गुडविल के बिना समनुदेशन के विज्ञापन के लिए रजिस्ट्रार के निदेश के लिए आवेदन - (1) धारा 22 के अधीन निदेशों के लिए आवेदन विहित फीस के साथ प्ररूप अ. डि. 8 में किया जाएगा और उसमें वह तारीख दी जाएगी जिसको समनुदेशन किया गया था। आवेदन में रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास - डिजाइन के उपयोगकर्ता सहित रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास - डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण की विशिष्टियां दी जाएंगी । रजिस्ट्रार किसी साक्षय या और सूचना की मांग कर सकेगा और यदि विभिन्न विषयों की बाबत उसका समाधान हो जाता है तो वह समनुदेशन के विज्ञापन की बाबत लिखत में निदेश जारी करेगा ।

(2) उस अवधि के विस्तार के लिए जिसके भीतर उपनियम (1) में वर्णित आवेदन किया जा सकेगा , अनुरोध विहित फीस के साथ प्ररूप अ. डि. - 9 में होगा ।

54. गुडविल के बिना समनुदेशन की प्रविष्टि के लिए आवेदन - अभिन्यास डिजाइन के समनुदेशन की बाबत नियम 47 के अधीन आवेदन में यह कथन होगा कि --

(क) उक्त अभिन्यास डिजाइन का उपयोग कारबार में किया जा चुका था या किया गया था अथवा नहीं, और

(ख) क्या उक्त समनुदेशन उस कारबार के गुडविल के संबंध में से अन्यथा किसी बारे में किया गया था,

और यदि वे दोनों परिस्थितियां विद्यमान हैं तब आवेदक उस समनुदेशन का विज्ञापन करने के लिए उन निदेशों की प्रति जो नियम 53 के अधीन आवेदन पर अभिप्राप्त किए गए थे, उनकी एक प्रति और विज्ञापन की प्रतियों सहित ऐसा सबूत या अन्यथा जैसा रजिस्ट्रार अपेक्षा करें, रजिस्ट्री कार्यालय में यह दर्शित करने के लिए छोड़ देगा कि रजिस्ट्रार के निदेशों का पालन किया गया है और यदि रजिस्ट्रार का समाधान नहीं होता है कि उन निदेशों का पालन किया गया है तो वह आवेदन पर आगे कार्यवाही नहीं करेगा ।

अध्याय 4

रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता

55. रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन - (1) किसी रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास- डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रूप में किसी व्यक्ति

के धारा 25 के अधीन रजिस्ट्रीकरण के लिए रजिस्ट्रार को आवेदन उस व्यक्ति द्वारा और अभिन्यास-डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा संयुक्त रूप से विहित फीस के साथ प्ररूप अ. डि. -13 में किया जाएगा और उस आवेदन के साथ निम्नलिखित दस्तावेजें भी होंगी ।

(क) अभिन्यास-डिजाइन के अनुज्ञात उपयोग की बाबत रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रस्थापित रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के बीच किया गया लिखित करार या उसकी सम्यक रूप से अधिप्रमाणित प्रति ;

(ख) खंड (क) में निर्दिष्ट करार में वर्णित दस्तावेजें और पत्राचार, यदि कोई हो, या उनकी सम्यक रूप से अधिप्रमाणित प्रतियां ;

(ग) उस कीमत के संबंध में जिस पर रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन को सम्मिलित करने वाला अर्द्धचालक एकीकृत सर्किट या ऐसे अर्द्धचालक एकीकृत सर्किट को सम्मिलित करने वाली कोई वस्तु बेची जानी चाहिए अथवा ऐसे अर्द्धचालक एकीकृत सर्किटों या वस्तुओं के लिए विशिष्ट कीमत को बनाए रखने की बाबत, प्रस्थापित रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता और रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी के बीच किया गया करार, यदि कोई हो या उसकी सम्यक रूप से अधिप्रमाणित प्रतियां ।

(2) आवेदन के साथ रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा या उसकी ओर से कार्य करने के लिए प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा रजिस्ट्रार के समाधान के लिए दिया गया शपथ पत्र फाइल किया जाएगा जिसमें निम्नलिखित तथ्य दिए जाएंगे -

(क) धारा 25 की उपधारा (1) के खंड (ख) के उपखंड (i) से (iii) द्वारा अपेक्षित विशिष्टियां और कथन ;

(ख) इस बारे में कथन कि क्या उसके द्वारा उस अभिन्यास डिजाइन का जो आवेदन की विषय वस्तु है, उपयोग आवेदन की तारीख से पूर्व व्यापार के अनुक्रम में किया गया है और यदि ऐसा है तो ऐसे उपयोग का परिमाण और अवधि,

(ग) इस बारे में कथन कि रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी ने उक्त अभिन्यास-डिजाइन के बारे में हक समनुदेशन द्वारा अर्जित किया है ।

(घ) इस बारे में कथन कि क्या रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी ने, रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने की तारीख से पूर्व, किसी व्यक्ति द्वारा

अभिन्यास डिजाइन के उपयोग को अनुज्ञात किया था और यदि किया था तो किस के द्वारा ।

(इ) इस बारे में कथन कि क्या प्रस्थापित अनुज्ञात उपयोग का आशय एक मात्र रूप से भारत से निर्यात के लिए ही था

(3) रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रस्थापित उपयोगकर्ता ऐसी अन्य दस्तावेजों भी पेश और फाइल करेगा तथा ऐसा साक्ष्य और जानकारी देगा जिसकी रजिस्ट्रार द्वारा इस निमित्त अपेक्षा की जाए ।

(4) उपनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी, जहां रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए एक से अधिक आवेदन एक ही करार के अंतर्गत आने वाले अभिन्यास डिजाइन की बाबत रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रस्थापित रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता द्वारा किए जाते हैं वहां उपनियम (1) में वर्णित दस्तावेजों उन आवेदनों में से किसी एक के साथ फाइल की जा सकेंगी और अन्य आवेदन या आवेदनों में दी गई ऐसे दस्तावेजों का प्रतिनिर्देश किया जाएगा ।

56. रजिस्टर में प्रविष्टि - (1) जहां नियम 55 की अपेक्षाओं को पूरा कर दिया गया है वहां रजिस्ट्रार प्रस्थापित रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता को रजिस्टर करेगा ।

(2) रजिस्टर में रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता की प्रविष्टि में उस तारीख का जिसको रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया गया था और रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण की तारीख का कथन होगा । प्रविष्टि में धारा 25 की उपधारा (1) के खंड (ख) में वर्णित विशिष्टियों और कथनों के अतिरिक्त रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के नाम, विवरण और उसके भारत में कारबार के मुख्य स्थान का तथा यदि वह भारत में कारबार नहीं करता है तो भारत में तामील के लिए उसके पते का कथन होगा ।

57. रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण की सूचना — रजिस्ट्रार द्वारा किसी अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण की लिखित सूचना अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी को, रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता को, और ऐसे प्रत्येक अन्य रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता को भेजी जाएगी जिसका नाम प्ररूप

शा. अ. डि. -5 में उसी अभिन्यास डिजाइन के संबंध में प्रविष्ट किया जाता है । इस प्ररूप को जरनल में भी अंतःस्थापित किया जाएगा ।

58. रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण का रद्दकरण - धारा 26 की उपधारा (1) के खंड (क) या खंड (ख), या खंड (ग) के अधीन रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के रद्दकरण लिए आवेदन विहित फीस के साथ, यथास्थिति, प्ररूप अ. डि.-14 या प्ररूप अ. डि. -15 में किया जाएगा और उसके साथ उन आधारों का कथन होगा जिन पर वह किया जाता है ।

59. रजिस्ट्रार द्वारा अभिन्यास डिजाइन की स्थलाकृतीय विमा (आयाम) को प्रवृत्त करने के लिए सूचना की अपेक्षा किया जाना - (1) रजिस्ट्रार, किसी समय या समय समय पर, किसी अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता से उसे ऐसी जानकारी देने की अपेक्षा कर सकेगा जिसकी वह इस बारे में स्वयं का समाधान करने के लिए अपेक्षा करे कि अभिन्यास डिजाइन के स्थलाकृतीय विमा (आयाम) के संबंध में रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के बीच करार में अनुबंधों को प्रवृत्त किया जा रहा है या उनका पालन किया जा रहा है ।

(2) जहां उपनियम (1) में यथाविनिर्दिष्ट ऐसी कोई सूचना रजिस्ट्रार द्वारा अनुज्ञात किए गए अनुबंधित समय के भीतर नहीं दी जाती है, वहां रजिस्ट्रार यह उपधारणा कर सकेगा कि अभिन्यास-डिजाइन की स्थलाकृतीय विमा से संबंधित करार में अनुबंध प्रवृत्त नहीं किया जा रहा है या उसका पालन नहीं किया जाता है ।

60. रजिस्ट्रीकरण के रद्दकरण की अधिसूचना - धारा 26 की उपधारा (2) के अधीन प्रत्येक आवेदन की बाबत अपेक्षित सूचना प्ररूप पु. अ. डि.-6 में दी जाएगी और वह उक्त अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता को (जो आवेदक नहीं है) भेजी जाएगी ।

61. रजिस्ट्रीकरण को रद्द करने के लिए आवेदन पर प्रक्रिया - (1) रजिस्ट्रार अभिन्यास-डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता को (जो किसी भी दशा में आवेदक नहीं है) धारा 26 के अधीन आवेदनों को लिखत में अधिसूचित करेगा ।

(2) उपनियम (1) के अधीन अधिसूचित ऐसा कोई व्यक्ति जिसका आशय कार्यवाहियों में हस्तक्षेप करने का है, ऐसी अधिसूचना की प्राप्ति से एक माह के भीतर इस आशय की सूचना रजिस्ट्रार को विहित फीस के साथ प्ररूप अ. डि.-16 में देगा और उसके साथ उसके हस्तक्षेप के आधारों का कथन भी भेजेगा। उस पर रजिस्ट्रार अन्य पक्षकारों पर अर्थात् आवेदक, रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी, रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता पर जिसका रजिस्ट्रीकरण प्रश्नगत कार्यवाही की विषय वस्तु है और किसी ऐसे अन्य रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता पर जो हस्तक्षेप करता है, ऐसी सूचना और कथन की प्रतियां तामील करेगा या तामील कराएगा।

(3) आवेदक और उपधारा (1) के अधीन अधिसूचित कोई व्यक्ति, ऐसे समय या समयों के भीतर जो रजिस्ट्रार नियत करे, अपने मामले के समर्थन में साक्ष्य दे सकेगा और रजिस्ट्रार, पक्षकारों को सुने जाने का अवसर दिए जाने के पश्चात्, आवेदन स्वीकार कर सकेगा या इंकार कर सकेगा।

62. धारा 31 की उपधारा (2) के अधीन रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता का आवेदन-- धारा 31 की उपधारा (2) के अधीन आवेदन ऐसी विहित फीस के साथ, जो किसी अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता द्वारा समुचित हो, प्ररूप अ.डि.-6 या प्ररूप अ.डि. -17 या प्ररूप अ.डि. - 18 या प्ररूप अ.डि. - 19 में किया जाएगा और रजिस्ट्रार, शपथपत्र द्वारा या अन्यथा ऐसे साक्ष्य की अपेक्षा कर सकेगा जो वह उन परिस्थितियों में, जिनमें आवेदन किया जाता है, ठीक समझे।

अध्याय 6

रजिस्टर का परिशोधन और संशोधन

रजिस्टर का परिशोधन

63. रजिस्टर को परिशोधित करने के लिए आवेदन- रजिस्टर में किसी अभिन्यास डिजाइन से संबंधित कोई प्रविष्टि करने, उसे समाप्त करने या उसमें फेरफार करने के लिए धारा 30 या धारा 48 की उपधारा (1) के अधीन अपील बोर्ड या रजिस्ट्रार को कोई आवेदन, विहित फीस के साथ प्ररूप अ.डि.- 12 में दो प्रतियों में किया जाएगा और उसके साथ आवेदक के हित की प्रकृति और उन तथ्यों को जिन पर वह अपना मामला प्रस्तुत करता है, अधिकथित करते हुए दो प्रतियों में एक विवरण भेजा जाएगा। जहां आवेदन किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा किया जाता है जो

प्रश्नगत अभिन्यास डिजाइन का रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी नहीं है, आवेदन और पूर्वोक्त विवरण रजिस्ट्री में तीन प्रतियों में भेजा जाएगा। ऐसे मामले में जहां रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता है, ऐसे आवेदन और विवरण के साथ उनकी उतनी प्रतियां भी होंगी जितने रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता हैं। आवेदन और विवरण की एक-एक प्रति रजिस्ट्रार द्वारा तत्काल रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी को और प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता को और किसी अन्य ऐसे व्यक्ति को जो रजिस्टर से अभिन्यास डिजाइन में कोई हित रखता प्रतीत हो, संप्रेषित की जाएगी।

64. आगे की प्रक्रिया- रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा नियम 63 में उल्लिखित आवेदन की प्रति प्राप्त किए जाने से दो मास के भीतर वह रजिस्ट्रार को प्ररूप अ.डि.-3 में उन आधारों का जिन पर आवेदन का विरोध किया जाता है, तीन प्रतियों में प्रतिकथन भेजेगा और यदि वह ऐसा करता है तो रजिस्ट्रार आवेदन करने वाले व्यक्ति को प्रतिकथन की एक प्रति की तामील करेगा। उसके पश्चात् आवेदन को आगे कार्यवाहियों के लिए नियम 35 से नियम 41 तक के उपबंध, यथावश्यक, परिवर्तन सहित लागू होंगे। तथापि, अपील बोर्ड या रजिस्ट्रार केवल इस कारण रजिस्टर का परिशोधन नहीं करेगा कि रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी ने प्रतिकथन फाइल नहीं किया है। किसी शंका की दशा में, कोई भी पक्षकार, यथास्थिति, अपील बोर्ड या रजिस्ट्रार को निदेशों के लिए आवेदन कर सकेगा।

65. अपील बोर्ड या रजिस्ट्रार द्वारा स्वप्रेरणा से रजिस्टर का परिशोधन- (1) वह सूचना जो धारा 30 की उपधारा (3) के अधीन अपील बोर्ड या रजिस्ट्रार द्वारा अपेक्षित है, लिखित रूप में रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता को, यदि कोई हो, किसी ऐसे अन्य व्यक्ति को जो रजिस्टर से अभिन्यास डिजाइन में कोई हित रखने वाला प्रतीत होता हो, भेजी जाएगी और उन आधारों पर कथन किया जाएगा जिन पर अपील बोर्ड या रजिस्ट्रार रजिस्टर परिशोधन करने का प्रस्ताव करता है और वह समय भी विनिर्दिष्ट किया जाएगा जो ऐसी सूचना की तारीख से एक मास से कम नहीं होगा जिसके भीतर सुनवाई के लिए आवेदन किया जाएगा।

(2) जब तक कि पूर्वोक्त सूचना में विनिर्दिष्ट समय के भीतर, इस प्रकार अधिसूचित कोई व्यक्ति, अपील बोर्ड या रजिस्ट्रार को उन तथ्यों का जिन पर वह सूचना में कथित आधारों को प्राप्त करने का विश्वास करता है, लिखित रूप में अधिकथित करते हुए एक कथन नहीं भेजता है या सुनवाई के लिए आवेदन नहीं करता है तो उसके बारे में यह माना जा सकेगा कि वह

सुनवाई में भाग लेने के इच्छुक नहीं हैं और अपील बोर्ड या रजिस्ट्रार तदनुसार कृत्य कर सकेगा ।

(3) यदि अपील बोर्ड या रजिस्ट्रार, रजिस्टर को परिशोधित करने का विनिश्चय करता है तो वह लिखित रूप में विनिश्चय की संसूचना रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता को, यदि कोई हो, देगा ।

66. अपील बोर्ड द्वारा रजिस्ट्रार को आदेश--रजिस्टर को परिशोधित करने के लिए अपील बोर्ड का रजिस्ट्रार को कोई आदेश, रजिस्टर में कोई सुधार करने, उसे समाप्त करने या उसमें फेरफार करने के ब्यौर उपदर्शित करेगा । रजिस्ट्रार, अपील बोर्ड से प्ररूप पु.अ.डि.- 7 में सूचना की प्राप्ति पर तदनुसार रजिस्टर को परिशोधित करेगा ।

पते में परिवर्तन

67. रजिस्टर में पते में परिवर्तन-- (1) किसी अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता का पता या जिसका कारबार का प्रधान कार्यालय भारत में है या जिसका उसके गृह देश में पता है, जैसी भी स्थिति हो, इस प्रकार परिवर्तित हुआ है कि रजिस्टर में की गई प्रविष्टि अशुद्ध हो जाती है तो वह तत्काल प्ररूप अ.डि.- 18 पर रजिस्ट्रार से रजिस्टर में पते में समुचित परिवर्तन करने का अनुरोध करेगा और यदि उसका इस मामले में समाधान हो जाता है तो रजिस्ट्रार तदनुसार रजिस्टर में फेरफार करेगा ।

(2) यदि किसी अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता का, जिसका भारत में तामील के लिए पता रजिस्टर में प्रविष्टि किया गया है, पते की अनिरन्तरता के कारण या अन्यथा इस प्रकार बदल जाता है कि रजिस्टर की प्रविष्टि अशुद्ध हो जाती है तो वह तत्काल प्ररूप अ.डि. -19 पर रजिस्ट्रार से रजिस्टर में पते में समुचित परिवर्तन करने के लिए अनुरोध करेगा और रजिस्ट्रार, यदि उसका मामले में समाधान हो जाता है तो तदनुसार रजिस्टर में परिवर्तन करेगा ।

(3) अभिन्यास डिजाइन का ऐसा रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता, भारत में जिसके कारबार के प्रधान स्थान का पता या भारत में तामील के लिए, जिसका पता किसी लोक प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार परिवर्तित कर दिया जाता है, बदला गया पता उन्हीं परिसरों का अभिहित करता है जो रजिस्टर में प्रविष्टि है तो वह, यथास्थिति, प्ररूप अ.डि. - 18 या प्ररूप अ.डि. - 19 में रजिस्ट्रार को पूर्वोक्त अनुरोध कर सकेगा और यदि वह ऐसा करता है तो उक्त प्राधिकारी द्वारा दिए गए परिवर्तन के प्रमाणपत्र को भी वही देगा । यदि रजिस्ट्रार का मामले के

तथ्यों के संबंध में समाधान हो जाता है तो वह रजिस्टर में तदनुसार परिवर्तन करेगा किन्तु नियम 10 के उपनियम (2) या नियम 11 के उपनियम (2) के उपबंधों के होते हुए भी प्ररूप पर संदत्त किए जाने के लिए किसी फीस की अपेक्षा नहीं करेगा ।

(4) (i) जहां कोई रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी उपनियम (1), (2) या (3) के अधीन अनुरोध करता है वहां वह अनुरोध की एक प्रति रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता या उपयोगकर्ताओं पर, यदि कोई हो, तामील करेगा और रजिस्ट्रार को तदनुसार सूचित करेगा ।

(ii) जब पूर्वोक्त अनुरोध किसी रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता द्वारा किया जाता है वहां वह उसकी एक प्रति रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और अन्य रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता को यदि कोई हो, तामील करेगा और रजिस्ट्रार को सूचित करेगा कि उसने ऐसा कर दिया था ।

(5) रजिस्टर में प्रविष्ट किए गए किसी व्यक्ति के ऐसे पते के परिवर्तन की दशा में, जो अभिन्यास डिजाइन के एक से अधिक रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के भारत में तामील के लिए है, रजिस्ट्रार, यह सबूत मिलने पर कि उक्त पता आवेदक का पता है और यदि उसका समाधान हो जाता है कि ऐसा करना उचित है तो उस व्यक्ति से इस प्रकार संशोधित, जो मामले के लिए उपयुक्त हो, प्ररूप अ.डि. - 19 पर उसके पते की प्रविष्टियों में की इस प्रकार समुचित परिवर्तन करने के लिए कि वह अनेक रजिस्ट्रीकरण में तामील के लिए पता है, जिनकी विशिष्टियां ऐसी प्ररूप में दी जाएंगी, आवेदन स्वीकार कर सकेगा और तदनुसार प्रविष्टियों में परिवर्तन कर सकेगा ।

(6) इस नियम के अधीन प्ररूप अ.डि. - 19 के सभी आवेदनों की, यथास्थिति, रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता द्वारा या ऐसे आवेदन के प्रयोजन के लिए उसके द्वारा अभिव्यक्त रूप से प्राधिकृत किसी उपयोगकर्ता द्वारा जब तक कि आपवादिक परिस्थितियों में रजिस्ट्रार अन्यथा अनुज्ञात नहीं करे, हस्ताक्षर किया जाएगा ।

रजिस्टर का संशोधन

68. धारा 31 की उपधारा (1) के अधीन आवेदन- जहां किसी अभिन्यास डिजाइन से संबंधित किसी प्रविष्टि में संशोधन द्वारा रजिस्टर में परिवर्तन द्वारा या रजिस्टर में अभिन्यास डिजाइन की प्रविष्टि के रद्दकरण के लिए धारा 31 की उपधारा (1) के अधीन रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा आवेदन किया गया है वहां रजिस्ट्रार आवेदक द्वारा शपथपत्र द्वारा या अन्यथा ऐसा साक्ष्य प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकेगा जो रजिस्ट्रार, उन परिस्थितियों में, जिनमें आवेदन किया गया है,

ठीक समझे । ऐसा आवेदन ऐसी विहित फीस के साथ जो समुचित समझी जाए प्ररूप अ.डि. - 6, अ.डि. 17-18, अ.डि. - 19 या अ.डि. -20 में किया जाएगा और उसकी एक प्रति की आवेदक द्वारा प्रश्नगत अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के अधीन रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता या उपयोगकर्ताओं पर, यदि कोई हो, और किसी अन्य व्यक्ति की जो रजिस्टर से अभिन्यास डिजाइन में हितबद्ध प्रतीत हुआ हो, तामील की जाएगी ।

अध्याय 7

अपील बोर्ड

69. अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण या समनुदेशन या पारेषण का रद्द किया जाना --

(1) कोई व्यक्ति प्ररूप अ.डि.- 33 में विहित फीस के साथ अपील बोर्ड को अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण को या समनुदेशन या पारेषण को रद्द करने के लिए धारा 41 की उपधारा (1) के अधीन आवेदन कर सकेगा । बोर्ड प्ररूप पु.अ.डि. - 8 में विरोधी पक्षकारों को सूचना देगा ।

(2) अपील बोर्ड उपधारा (1) में निर्दिष्ट आवेदन के विरोध में, सूचना में विनिर्दिष्ट समय के भीतर उत्तर प्राप्त होने पर या जहां ऐसा उत्तर इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पश्चात् फाइल नहीं किया जाता है आवेदक को सुने जाने का और विरोधी पक्षकारों को सुने जाने का अवसर देने के पश्चात् आवेदन का निपटान करेगा ।

70. बोर्ड द्वारा रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन के कतिपय उपयोगों की अनुज्ञा देना --

अधिनियम की धारा 51 के उपबंधों के अधीन रहते हुए अपील बोर्ड सरकार को या सरकार द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति को रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन का उपयोग करने की अनुज्ञा दे सकेगा । ऐसी अनुज्ञा के लिए आवेदन, विहित फीस के साथ प्ररूप अ.डि. - 34 पर किया जाएगा ।

71. धारा 51 की उपधारा (1) के प्रथम परन्तुक के अधीन प्रयासों के लिए समयावधि-- धारा 51 की उपधारा (1) के अधीन किसी प्राधिकृत व्यक्ति को उस उपधारा के अधीन किसी रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन के उपयोग की तब तक अनुज्ञा नहीं दी जाएगी जब तक अपील बोर्ड का यह समाधान नहीं हो जाता है कि ऐसे व्यक्ति ने ऐसे अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी के साथ ऐसे अभिन्यास डिजाइन के उपयोग के लिए युक्तियुक्त वाणिज्यिक निबंधनों और शर्तों पर करार करने के प्रयास कर लिए हैं और छह मास की अवधि के भीतर ऐसे प्रयास सफल नहीं हुए थे ।

72. रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन के उपयोग की अनुज्ञा देने की अपील बोर्ड के विनिश्चय का पुनर्विलोकन --(1) किसी अभिन्यास डिजाइन का रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी अपील बोर्ड से, धारा 51 की उपधारा (1) के अधीन अनुदत्त अनुज्ञा का पुनर्विलोकन करने के लिए, ऐसे पुनर्विलोकन हेतु ब्यौरे देते हुए अनुरोध कर सकेगा। अनुरोध, विहित फीस के साथ प्ररूप अ.डि. - 29 में फाइल किया जाएगा।

(2) अपील बोर्ड, अपने विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए उपनियम (1) के अधीन आवेदन प्राप्त करने पर, प्ररूप पु.अ.डि. - 9 पर धारा 51 की उपधारा (1) के अधीन रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन का उपयोग करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति को सूचना जारी करेगा। सूचना में तर्कों की सुनवाई की तारीख भी उपदर्शित होगी।

(3) उपधारा (2) के अधीन किसी मामले में तर्कों की सुनवाई के लिए नियत तारीख, सूचना की तारीख के पश्चात् तब तक कम से कम एक मास के पश्चात् की तारीख होगी जब तक कि पक्षकारों ने कम अवधि की सूचना के लिए सहमति न दी हो। सूचना की प्राप्ति से 14 दिन के भीतर कोई पक्षकार जो उपसंजात होने का आशय रखता है, अपील बोर्ड को अधिसूचित करेगा। कोई पक्षकार जो इस प्रकार इसके पूर्व बताए गए समय के भीतर अपील बोर्ड को इस प्रकार अधिसूचित नहीं करता है तो यह समझा जाएगा कि वह सुने जाने के लिए इच्छुक नहीं है और अपील बोर्ड तदनुसार कृत्य कर सकेगा।

(4) अपील बोर्ड का विनिश्चय लिखित रूप में पक्षकारों को अधिसूचित किया जाएगा।

73. स्वामिस्व के अवधारण के लिए अपील बोर्ड को आवेदन--(1) धारा 40 की उपधारा (1) के अधीन स्वामिस्व के अवधारण के लिए आवेदन प्ररूप अ.डि. - 27 पर अपील बोर्ड को किया जाएगा। ऐसे आवेदन के साथ, आवेदन में कथित तथ्यों और आधारों का समर्थन करते हुए एक शपथ पत्र भी होगा और यथास्थिति, उस अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ या किसी वस्तु की बाबत धारा 18 की उपधारा (1) के खंड (ख) में विनिर्दिष्ट किन्हीं कृत्यों का अनुपालन करने या अनुपालन का निदेश देने से उद्भूत फायदों के समर्थन में दस्तावेज या अन्य साक्ष्यों की प्रति भी होगी जिनकी बाबत स्वामिस्व का दावा किया गया है और फाइल करने की बाबत तथा प्रक्रियाओं की तामील या निष्पादन के लिए दावा किए गए स्वामित्व के दो प्रतिशत के तुल्य फीस होगी।

(2) उपनियम (1) के अधीन आवेदन की प्राप्ति होने पर, अपील बोर्ड विरोधी पक्षकार को प्ररूप पु.अ.डि.-3 में सूचना देगा । विरोधी पक्षकार उस तारीख से जिसको उसे ऐसी सूचना प्ररूप अ.डि. - 28 में तामील की जाती है, तीस दिन के भीतर विरोध फाइल कर सकेगा ।

(3) अपील बोर्ड, उपनियम (2) के अधीन विरोध की प्राप्ति होने पर या जहां उपनियम (2) में निर्दिष्ट तीस दिन की अवधि के पर्यवसान के पश्चात् ऐसा विरोध फाइल नहीं किया जाता है वहां आवेदक और विरोधी पक्षकार को सुने जाने का अवसर देने के पश्चात् आवेदन का निपटान करेगा ।

74. अपील बोर्ड को अपील -- धारा 42 की उपधारा (1) के अधीन अपील बोर्ड को कोई अपील विहित फीस के साथ प्ररूप अ.डि. - 26 में की जाएगी और वह ऐसे प्ररूप में विनिर्दिष्ट रीति से अपील करने वाले व्यक्ति द्वारा सत्यापित की जाएगी । उस आदेश या विनिश्चय की, जिसके विरुद्ध ऐसी अपील की जाती है, एक प्रति ऐसे प्ररूप के साथ लगाई जाएगी ।

अध्याय 8

प्रकीर्ण

75. समय का विस्तारण --(1) धारा 76 के अधीन ऐसे समय के विस्तार के लिए आवेदन जो अधिनियम के अधीन अभिव्यक्त रूप से उपबंधित समय या ऐसे विस्तार के लिए समय नहीं है, जिसका उपबंध इन नियमों में किया गया है, विहित फीस के साथ प्ररूप अ.डि. - 23 पर किया जाएगा ।

(2) उपनियम (1) के अधीन किए गए आवेदन पर, रजिस्ट्रार, यदि उसका समाधान हो जाता है कि ऐसी परिस्थितियां हैं जो आवेदित समय के विस्तार को उचित ठहराती हैं तो इन नियमों को उपबंधों के अधीन रहते हुए, जहां अधिकतम समय-सीमा विहित है और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जिन्हें अधिरोपित करना वह ठीक समझे, समय का विस्तार कर सकेगा और तदनुसार पक्षकारों को अधिसूचित करेगा और विस्तार अभिलेखीय कृत्य करने या वह कार्यवाही करने के लिए, जिसके लिए आवेदन किया गया है पहले ही समाप्त हो गया हो या नहीं, मंजूर किया जा सकेगा ।

76. रजिस्ट्रार की वैवेकिक शक्ति का प्रयोग -- वह समय जिसके भीतर धारा 72 के अधीन कोई व्यक्ति सुने जाने के अवसर का हकदार है, सुने जाने की अपेक्षा करने वाला अपने विकल्प का प्रयोग करेगा जो अधिनियम या इन नियमों में अभिव्यक्त रूप से जैसा अपेक्षित है, उसके

सिवाय उस सूचना की तारीख से एक मास का होगा जो रजिस्ट्रार ऐसे व्यक्ति को उस मामले के अवधारण के पूर्व देगा जिसके प्रतिनिर्देश से ऐसा व्यक्ति सुने जाने का हकदार है। यदि उस मास के भीतर ऐसे व्यक्ति के सुने जाने की अपेक्षा है तो रजिस्ट्रार सुनवाई के लिए एक तारीख नियत करेगा और उसके लिए दस दिन की सूचना देगा।

77. विनिश्चय की अधिसूचना- अधिनियम या इन नियमों द्वारा रजिस्ट्रार को दी गई किसी वैवेकिक शक्ति के प्रयोग में उसका विनिश्चय, प्रभावित व्यक्ति को अधिसूचित किया जाएगा।

78. प्रक्रिया में अनियमितता का संशोधन और परिशुद्धि --(1) अभिन्यास डिजाइन के किसी दस्तावेज या रेखाचित्र या अन्य अभ्यावेदन को संशोधित किया जा सकेगा और प्रक्रिया में की ऐसी किसी अनियमितता को, किसी व्यक्ति के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना रजिस्ट्रार की राय में हटाई जा सकती है, यदि रजिस्ट्रार ऐसे निबंधनों पर जो वह निदेश देना ठीक समझता है, शुद्ध किया जा सकेगा।

(2) रजिस्ट्रार अधिनियम की औपचारिक अपेक्षाओं के अनुसार लाने के लिए किसी आवेदन या अभिन्यास डिजाइन के निरूपण या किसी अन्य दस्तावेज या उनमें किसी मामले के परिवर्धन के लिए संशोधन की अपेक्षा कर सकेगा।

79. निदेश, जो अन्यथा विहित नहीं है -- जहां अपील बोर्ड या रजिस्ट्रार की राय में, अधिनियम या इन नियमों के अधीन किसी कार्यवाही के उचित अभियोजन या उसे पूरा करने के लिए किसी व्यक्ति के लिए कोई ऐसा कृत्य करना आवश्यक हैं, दस्तावेज फाइल करने या साक्ष्य पेश करने की अपेक्षा कर सकेगा जो अधिनियम या नियमों द्वारा उपबंधित नहीं है अपील बोर्ड या रजिस्ट्रार लिखित में सूचना द्वारा सूचना में विनिर्दिष्ट व्यक्ति को कार्य करने, दस्तावेज फाइल करने या साक्ष्य प्रस्तुत करने की अपेक्षा कर सकेगा।

सुनवाई

80. सुनवाई--(1) किसी ऐसे अभिन्यास डिजाइन के संबंध में जिसके लिए रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया गया है। आवेदन और साथ ही इस अधिनियम और नियमों के अधीन अपील कार्यवाही, सुनवाई आवश्यक सूचना की दशा में, रजिस्ट्री के उस कार्यालय में जिसमें ऐसा आवेदन धारा 8 की उपधारा (2) के अधीन किया गया था या उस कार्यालय की राज्य क्षेत्रीय अधिकारिता के भीतर ऐसे स्थान पर जिसके लिए रजिस्ट्रार उचित समझे सुनवाई की जाएगी।

(2) जहां उस रजिस्ट्रार की शक्तियों का प्रयोग करने वाला अधिकारी जिसने अधिनियम या इन नियमों के अधीन किसी मामले की सुनवाई की है, उस पर आदेश आरक्षित रखा है और वह रजिस्ट्री के एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में अंतरित हो जाता है या उस आदेश पारित करने या विनिश्चय देने के पूर्व अन्य नियुक्त पर प्रत्यावर्तित हो जाता है वहां वह यदि रजिस्ट्रार ऐसा निदेश दे तो इस प्रकार आदेश फाइल कर सकेगा या विनिश्चय कर सकेगा, वहां वह उस रजिस्ट्री के कार्यालय में जहां मामले की सुनवाई की गई थी, अधिकारी बना रहा हो।

खर्च का अधिनिर्णय

81. बिना लड़े किए गए मामलों में खर्च-- जहां इन नियमों के अधीन सम्यक् रूप से संस्थित किसी विरोध के प्रति आवेदक द्वारा आगे नहीं लड़ा जाता है वहां रजिस्ट्रार यह विनिश्चय करने में कि प्रत्यर्थी को खर्च का अधिनिर्णय किया जाना चाहिए या नहीं, इस बात पर विचार करेगा कि क्या विरोध की सूचना फाइल किए जाने के पूर्व प्रत्यर्थी द्वारा आवेदक को युक्तियुक्त सूचना दी गई होती तो कार्यवाहियों से बचा जा सकता था या नहीं।

82. नियम 81 का अपवाद-- नियम 81 के उपबंधों के होते हुए भी, प्ररूप अ.डि. -2, अ.डि.- 2 और अ.डि.- 4 के अधीन विनिर्दिष्ट फीस और कार्यवाहियों में प्रयोग किए गए शपथ पत्र में उपयोग की गई और लगाई गयी सभी स्टाम्पों की बाबत खर्च दिए जाएंगे।

83. खर्चों का मापमान -- नियम 81 और नियम 82 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, रजिस्ट्रार उसके समक्ष सभी कार्यवाहियों में, अधिनियम द्वारा जैसा अन्यथा अभिव्यक्त रूप से उपबंध है, उसके सिवाय ऐसे खर्चों का जो अनुसूची 1 के अधीन उसके लिए अनुज्ञेय रकम से अधिक नहीं है जैसा कि वह मामले की सभी परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए उचित समझे अधिनिर्णय कर सकेगा।

रजिस्ट्रार द्वारा विनिश्चय का पुनर्विलोकन

84. रजिस्ट्रार के विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए आवेदन-- धारा 72 के खंड (ग) के अधीन रजिस्ट्रार के विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए उसको आवेदन, विहित फीस के साथ, प्ररूप अ.डि. -24 पर ऐसे विनिश्चय की तारीख से एक मास के भीतर या उसके पश्चात् ऐसी और अवधि के जो एक मास से अधिक नहीं होगी, भीतर जैसा कि रजिस्ट्रार अनुरोध पर अनुज्ञात करे, किया जाएगा और उसके साथ उन आधारों को अधिकथित करते हुए, जिनका पुनर्विलोकन चाहा गया था, एक कथन भी होगा। जहां प्रश्नगत विनिश्चय आवेदक के अतिरिक्त किसी अन्य व्यक्ति से भी संबद्ध है वहां ऐसा आवेदन और कथन तीन प्रतियों में दिया जाएगा और रजिस्ट्रार

ऐसे आवेदन और कथन की प्रत्येक एक प्रति तत्काल संबद्ध अन्य व्यक्ति को प्रेषित करेगा । रजिस्ट्रार, पक्षकारों को सुने जाने का अवसर देने के पश्चात् तो बिना किसी शर्त के या ऐसी शर्त या परिसीमाओं के जिन्हें वह ठीक समझे अधीन रहते हुए आवेदन को रद्द कर सकेगा या मजूर कर सकेगा ।

शपथ पत्र

85. शपथ पत्र का प्ररूप, आदि--(1) अधिनियम और इन नियमों द्वारा रजिस्ट्री में फाइल किए जाने के लिए या अपील बोर्ड अथवा रजिस्ट्रार को दिए जाने के लिए अपेक्षित शपथपत्र के शीर्ष पर ऐसे मामले या मामले होंगे जिससे वह शपथपत्र संबंधित है जब तक कि अनुसूची 2 में अन्यथा उपबंधित न हो वे प्रथमपुरुष में लिखे जाएंगे और क्रमिक रूप से संख्यांकित पैराओं में विभाजित होंगे और प्रत्येक पैरा, जहां व्यवहार्य हो, एक विषय तक सीमित होगा । प्रत्येक शपथपत्र में वर्णन और शपथपत्र देने वाले व्यक्ति, निवास के सही स्थान का कथन होगा, उसे फाइल करने वाले व्यक्ति का नाम और पता होगा और यह कथन होगा कि वह किसकी ओर से फाइल किया गया है ।

(2) जहां दो या अधिक व्यक्ति एक शपथ पत्र में संयुक्त रूप से होते हैं वहां उनमें से प्रत्येक व्यक्ति ऐसे तथ्यों के रूप में पृथक रूप से प्रतिज्ञान करेगा जो उसकी निजी जानकारी में है और उन तथ्यों का पृथक पैरों में कथन किया जाएगा ।

(3) शपथपत्र,—

(क) भारत में किसी अन्य न्यायालय या व्यक्ति द्वारा जिसे साक्ष्य ग्रहण करने का विधि द्वारा प्राधिकार है या यथा पूर्वोक्त ऐसे न्यायालय द्वारा शपथ दिलाने या शपथ लेने के लिए सशक्त किसी आफिसर के समक्ष लिया जाएगा ;

(ख) भारत के बाहर किसी देश या स्थान में, राजनयिक और कौन्सलीय आफिसर (शपथपत्र और फीस) अधिनियम, 1948 के अर्थान्तर्गत ऐसे देश या स्थान के किसी राजनयिक कौन्सलीय आफिसर के समक्ष या उस देश या स्थान के पब्लिक नोटरी के समक्ष या न्यायाधीश या मजिस्ट्रेट के समक्ष लिए जाएंगे ।

(4) यह व्यक्ति जिसके समक्ष शपथपत्र लिया जाता है उस तारीख को जिसको और उस स्थान का जहां उसे लिया गया है, कथन करेगा और उस पर अपनी मुद्रा, यदि कोई हो, या उस

न्यायालय की सील जिससे वह सहबद्ध है, लगाएगा और उसके अंत में अपने नाम और वर्णन सहित हस्ताक्षर करेगा ।

(5) शपथपत्र लेने के लिए उपनियम (3) द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति की मुद्रा या हस्ताक्षर जो उसके समक्ष शपथ पत्र लिए जाने के साक्ष्य स्वरूप किसी शपथपत्र पर लगाए गए अंकित किए गए या लिखे गए तात्पर्यित हैं, रजिस्ट्रार द्वारा मुद्रा या हस्ताक्षर की असलियत उस व्यक्ति के विषय स्वरूप सबूत के बिना स्वीकार किया जा सकेगा ।

(6) परिवर्तन और अंतरण लेख, शपथपत्र पर शपथ लिए जाने या प्रतिज्ञान किए जाने के पूर्व उस व्यक्ति के आद्यक्षरित से अधिप्रमाणित किया जाएगा जिसका शपथपत्र लिया जाता है ।

(7) जहां अभिसाक्षी उस भाषा से परिचित नहीं है, जिसमें शपथ पत्र लिखित है, वहां शपथपत्र लेने वाले व्यक्ति द्वारा यह प्रमाणपत्र कि अभिसाक्षी के समक्ष शपथपत्र अनुदित हुआ है और अभिसाक्षी उसे पूर्णतः समझ सकता है, प्रतीत होता है और अभिसाक्षी ने उसकी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए हैं, जूरट में लिखा जाएगा ।

(8) अधिनियम या इन नियमों के अधीन किसी कार्यवाही के संबंध में रजिस्ट्रार के समक्ष फाइल किए गए प्रत्येक शपथपत्र, तत्समय प्रवृत्त अवधि की विधि के अधीन सम्यक् रूप से स्टांपित होगा ।

86. जन साधारण द्वारा दस्तावेजों का निरीक्षण- धारा 87 की उपधारा (1) में उल्लिखित दस्तावेज रजिस्ट्री के मुख्यालय पर निरीक्षण के लिए उपलब्ध रहेंगे । रजिस्टर की एक प्रति और धारा 87 में उल्लिखित ऐसे अन्य दस्तावेज, जिन्हें केन्द्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा विनिर्दिष्ट कर सकेगी, रजिस्ट्री के प्रत्येक शाखा कार्यालय पर निरीक्षण के लिए उपलब्ध होंगे । निरीक्षण ऐसे सभी दिनों में, जिनमें रजिस्ट्री के कार्यालय जन साधारण के लिए बंद नहीं है, ऐसे समय तक किया जाएगा जो रजिस्टर नियत करे ।

87. जरनल और अन्य दस्तावेजों की प्रतियों का वितरण- केन्द्रीय सरकार, रजिस्ट्रार को जरनल और कोई अन्य ऐसा दस्तावेज जिसे वह आवश्यक समझे, ऐसे स्थानों पर जो केन्द्रीय सरकार द्वारा राज्य सरकारों के परामर्श से नियत किए जाएं और केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किए जाएं, वितरण करने का निर्देश दे सकेगी ।

प्रमाण पत्र

88. **दस्तावेजों की प्रमाणित प्रतियां--** रजिस्टर में किसी प्रविष्टि की प्रमाणित प्रतियां या धारा 87 की उपधारा (1) में निर्दिष्ट किसी दस्तावेज की या रजिस्ट्रार के किसी विनिश्चय या आदेश की प्रमाणित प्रतियां या धारा 13 की उपधारा (2) के अधीन वाले प्रमाणपत्र से भिन्न प्रमाणपत्र जो कि ऐसी किसी प्रविष्टि बात या चीज से संबद्ध हैं जिसे कि रजिस्ट्रार अधिनियम या इन नियमों द्वारा करने के लिए प्राधिकृत या अपेक्षित है, रजिस्ट्रार विहित फीस सहित उसके लिए प्ररूप अ0डि0 - 22 में किए गए किसी व्यक्ति द्वारा किए गए आवेदन की प्राप्ति पर दे सकेगा ।

89. **विदेश में रजिस्ट्रीकरण अभिप्राप्त करने के लिए उपयोग में आने वाला प्रमाणपत्र--** जहां किसी अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण से संबंधित प्रमाणपत्र भारत के बाहर किसी राज्य क्षेत्र में रजिस्ट्रीकरण अभिप्राप्त करने के उपयोग के लिए चाहा गया है वहां रजिस्ट्रार ऐसा प्रमाणपत्र दे सकेगा । रजिस्ट्रार अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण से संबंधित ऐसी विशिष्टियां प्रमाणपत्र में देगा जो उसे ठीक प्रतीत हों । वह प्रयोजन, जिसके लिए प्रमाणपत्र जारी किया जाता है, उसमें कथित किया जाएगा ।

90. **अभिलेख नष्ट किए जाएंगे -** जहां अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन प्रत्याहृत , परित्यक्त या खारिज कर दिया जाता है या अभिन्यास डिजाइन रजिस्टर से हटा दिया जाता है वहां रजिस्ट्रार यथास्थिति, आवेदन के प्रत्याहृत या परित्यक्त या खारिज किए जाने के पश्चात् या रजिस्टर से अभिन्यास डिजाइन हटाए जाने के पश्चात् पांच वर्ष की समाप्ति पर संबद्ध अभिन्यास डिजाइन के आवेदन से संबंधित सब अभिलेखों को या उनमें से किसी को नष्ट करा देगा ।

उच्च न्यायालय को अपील

91. **अपील के लिए समय--** अधिनियम के अधीन अपील बोर्ड के किसी विनिश्चय या आदेश के विरुद्ध उच्च न्यायालय को यथास्थिति, ऐसे विनिश्चय या आदेश की तारीख से तीन मास के भीतर या ऐसे और समय के भीतर जो उच्च न्यायालय अनुज्ञात करे , की जाएगी । अपील विहित फीस के साथ प्ररूप अ0डि0-35 में की जाएगी । अपील में उस विनिश्चय या आदेश की एक प्रति जिसके विरुद्ध अपील की जाती है और वे आधार, जिन पर अपील की जाती है, साक्ष्य सहित यदि कोई हैं, होंगे ।

उच्च न्यायालय को आवेदन

92. उच्च न्यायालय को किया गया आवेदन, अपील बोर्ड को तामील किया जाएगा- अधिनियम के अधीन उच्च न्यायालय को प्रत्येक अपील की प्रति अपील बोर्ड के तामील की जाएगी ।

अध्याय 10

अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता का रजिस्ट्रीकरण

93. अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता का रजिस्ट्रीकरण- अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता का रजिस्टर- रजिस्ट्रार, अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ताओं का एक रजिस्टर रखेगा जिसमें प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता का नाम, उसके निवास स्थान का पता, कारबार के मुख्य स्थान का पता, राष्ट्रीयता, अर्हताएं और रजिस्ट्रीकरण की तारीख की प्रविष्टि की जाएगी ।

94. रजिस्ट्रीकरण के लिए अर्हताएं- नियम 95 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, कोई व्यक्ति अभिन्यास डिजाइन के रूप में रजिस्ट्रीकृत किए जाने के लिए अर्हित समझा जाएगा यदि वह :-

- (i) भारत का नागरिक है ;
- (ii) 21 वर्ष से कम आयु का नहीं है ;
- (iii) उसने नियम 98 में विहित परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है या वह ;
- (iv) भारत में किसी विश्वविद्यालय का स्नातक है या तत्समान अर्हता रखता है ; और
- (v) केन्द्रीय सरकार द्वारा अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकृत किए जाने के लिए योग्य और उचित व्यक्ति समझा जाता है ।

95. वे व्यक्ति जिनका रजिस्ट्रीकरण विवर्जित है -- ऐसा कोई व्यक्ति अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए पात्र नहीं होगा यदि वह :-

- (i) सक्षम न्यायालय द्वारा विकृत चित्त न्यायनिर्णीत कर दिया गया है ;
- (ii) अननुमोचित दिवालिया है ;
- (iii) अननुमोचित दिवालिया होते हुए उसने न्यायालय से इस आशय का प्रमाणपत्र नहीं प्राप्त किया है कि उसकी ओर से कोई अवचार किए बिना वह दुर्भाग्यवश दिवालिया हो गया था ;
- (iv) भारत के अंदर या भारत से बाहर किसी सक्षम न्यायालय द्वारा ऐसे अपराध के लिए सिद्धदोष ठहराया गया है जो कारावास से दण्डनीय है, जब तक कि वह जिस अपराध के लिए सिद्धदोष हुआ है उसे क्षमा नहीं मिल गयी है या जब तक केन्द्रीय सरकार ने, इन निमित्त किए गए आवेदन पर, उसकी निरयोग्यता को हटा नहीं दिया है ;

- (v) विधि व्यवसायी होते हुए वृत्ति संबंधी अवचार का दोषी भारत में के किसी उच्च न्यायालय द्वारा या भारत की सीमाओं से बाहर वाले किसी न्यायालय द्वारा ठहराया गया है ; या
- (vi) चार्टर्ड अकाउंटेंट होते हुए किसी उच्च न्यायालय द्वारा उपेक्षा या अवचार का दोषी ठहराया गया है ।

96. आवेदन करने की रीति -- इस भाग के उपबंधों के अधीन सभी आवेदन तीन प्रतियों में किए जाएंगे और उस रजिस्ट्री को भेजे या उसमें उपस्थित किए जाएंगे जिसकी प्रादेशिक सीमाओं के भीतर आवेदन के कारबार का मुख्य स्थान स्थित है ।

97. अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन -- (1) अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रूप में अपना रजिस्ट्रीकरण चाहने वाला प्रत्येक व्यक्ति विहित फीस के साथ प्ररूप अ.डि. -1 में आवेदन करेगा ।

(2) आवेदक अपने आवेदन विषयक ऐसी अतिरिक्त जानकारी देगा जैसी देने की अपेक्षा उससे रजिस्ट्रार किसी समय करे ।

98. आवेदन पर प्रक्रिया और अर्हक अपेक्षाएं -- (1) रजिस्ट्रार, अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रूप में किसी व्यक्ति के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन की प्राप्ति पर यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि आवेदक विहित अर्हताओं को पूर्वगामी नियम के अधीन पूरा करता है, सम्यक समय पर एक तारीख नियत करेगा जिस पर अभ्यर्थी उसके समक्ष अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन विधि, पद्धति और प्रक्रिया में लिखित परीक्षा के लिए उपस्थित होगा और उसके पश्चात् साक्षात्कार होगा । अभ्यर्थी से अपेक्षा की जाएगी कि वह अधिनियम और नियमों के उपबंधों की विस्तृत जानकारी और अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन विधि के तत्वों की जानकारी रखता हो ।

(2) लिखित परीक्षा के लिए और साक्षात्कार के लिए अर्हक अंक क्रमशः 40 प्रतिशत और 60 प्रतिशत होंगे तथा अभ्यर्थी को परीक्षा में उत्तीर्ण तभी घोषित किया जाएगा जब उसने कुल अंकों के कुल मिलाकर 50 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों ;

99. रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र-- अभ्यर्थी का साक्षात्कार हो जाने और उसके आवेदन पर की कोई अन्य जानकारी जिसे रजिस्ट्रार आवश्यक समझे, अभिप्राप्त हो जाने के पश्चात् यदि रजिस्ट्रार आवेदक को अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए पात्र या

अर्हित समझता है तो वह आवेदक को इस आशय की एक सूचना भेजेगा और इस प्रकार सूचित कोई व्यक्ति लिखित रूप में विहित फीस का संदाय अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के अपने रजिस्ट्रीकरण के लिए कर सकेगा। ऐसी सूचना की प्राप्ति पर, रजिस्ट्रार आवेदक के नाम का अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में प्रविष्ट कराएगा और अभिकर्ता के रूप में उसके रजिस्ट्रीकरण का शा.आ. डी.-4 में उसे प्रमाणपत्र जारी करेगा।

100. अभिन्यास डिजाइन के अभिकर्ताओं के रजिस्टर में किसी नाम का बना रहना -- अभिन्यास डिजाइन के रजिस्टर में किसी व्यक्ति के नाम के बने रहने की यह शर्त होगी कि इस निमित्त विहित फीस देता रहे।

101. अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ताओं के रजिस्टर से अभिकर्ता का नाम हटाया जाना -- (1) रजिस्ट्रार, ऐसे किसी रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के नाम को अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ताओं के रजिस्टर से हटा सकेगा -

(क) जिससे इस आशय की प्रार्थना मिली है ; या

(ख) जिससे उस तारीख से, जिस पर वार्षिक फीस शोध्य होती है, तीन मास की समाप्ति की तारीख से वार्षिक फीस प्राप्त नहीं हुई है।

(2) रजिस्ट्रार, राष्ट्रीयकृत अभिन्यास डिजाइन के ऐसे किसी अभिकर्ता का नाम अभिन्यास डिजाइन के अभिकर्ता के रजिस्टर से हटा देगा-

(क) जिसकी बाबत यह पाया जाता है कि वह अपने रजिस्ट्रीकरण के समय, नियम 95 के खंड (i) से लेकर खंड (vi) तक में कथित नियोग्यताओं में से किसी के अधीन है या तत्पश्चात् हो गया है ; या

(ख) जिसकी बाबत रजिस्ट्रार ने इस कारण कि अपनी वृत्तिक हैसियत में उपेक्षापूर्ण अवचार या बेईमानी का कोई काम किया है, यह घोषित किया है कि वह व्यक्ति रजिस्टर में बने रहने के लिए अयोग्य और अनुचित व्यक्ति है ;

(ग) जिसका नाम रजिस्टर में भूल से या दुर्व्यपदेशन के कारण या किसी तात्त्विक तत्व को छुपाने के कारण प्रविष्ट किया गया है।

परंतु खंड (ख) के अधीन ऐसी घोषणा करने के पूर्व रजिस्ट्रार संबद्ध व्यक्ति को यह हेतु संदर्शित करने के लिए समासूत करेगा कि उसके रजिस्ट्रीकरण को रद्द 26 क्यों न कर दिया जाए और ऐसी अतिरिक्त जांच भी यदि कोई हो, करेगा, जैसी कि वह आवश्यक समझता है।

(3) रजिस्ट्रार, अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में से किसी व्यक्ति का नाम हटा देगा, जो मर चुका है ।

(4) अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में से किसी व्यक्ति का नाम हटा दिया गया है राजपत्र और जर्नल में अधिसूचित की जाएगी और जहां भी संभव हो उसकी संसूचना संबद्ध व्यक्ति को दी जाएगी ।

102. कतिपय अभिकर्ताओं के साथ व्यवहार करने से इंकार करने की रजिस्ट्रार की शक्ति--

(1) रजिस्ट्रार निम्नलिखित को मान्यता देने से इंकार कर सकेगा ।

(क) ऐसा कोई व्यक्ति जिसका नाम उस से हटा दिया गया है और अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में प्रत्यावर्तित नहीं किया गया है ;

(ख) ऐसा कोई व्यक्ति जो अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकृत नहीं है और जो रजिस्ट्रार की राय में भारत में या अन्यत्र उस व्यक्ति के नाम में या उसके लाभ के लिए जिसके द्वारा वह नियोजित किया जाता है , अभिन्यास डिजाइन को उपयोजित करने के लिए आवेदन करने में अभिकर्ता के रूप में पूर्णतः या प्रधानतः लगा है ।

(ग) कोई कंपनी या फर्म, यदि कोई व्यक्ति जिसे रजिस्ट्रार इन नियमों के अधीन किसी कारबार की बाबत अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रूप में मान्यता देने से भी इंकार कर सकता था, कंपनी के निदेशक या प्रबंधक के रूप में कार्य कर रहा है या उस फर्म में भागीदार है ।

(2) रजिस्ट्रार इस नियम के अधीन, किसी कारबार की बाबत ऐसे किसी व्यक्ति को अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रूप में मान्यता देने से भी इंकार करेगा जो न तो भारत में निवास करता है और न कारबार का उसका कोई स्थान है ।

103. हटाए गए नामों का प्रत्यावर्तन -- जिस व्यक्ति का नाम नियम 101 के उपनियम (1) के खंड (ख) के अधीन हटाया जा चुका है , अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में से उसका नाम हटाए जाने की तारीख से छः मास के भीतर उस व्यक्ति से पहली अनुसूची में विनिर्दिष्ट फीस सहित आवेदन एल.डी.ए.-4 में प्राप्त होने पर अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में प्रत्यावर्तित कर सकेगा और उस तारीख से, जिसको उसकी अंतिम वार्षिक फीस शोध्द हुई थी, उसका नाम उस रजिस्टर में रहने दे सकेगा ।

(2) अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रजिस्टर में नाम के प्रत्यावर्तन को राजपत्र और जर्नल में अधिसूचित किया जाएगा और संबद्ध व्यक्ति को संसूचित किया जाएगा ।

104. अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रजिस्टर में परिवर्तन -- (1) अभिन्यास डिजाइन का अभिकर्ता अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में प्रविष्ट अपने नाम, निवास स्थान के पते, कारबार के मुख्य स्थान के पते, या अर्हताओं में परिवर्तन के लिए आवेदन प्ररूप अ.डि.ए.-3 में कर सकेगा । ऐसे आवेदन की प्राप्ति पर, रजिस्ट्रार अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में आवश्यक परिवर्तन कराएगा ।

(2) अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ताओं के रजिस्टर में किया गया प्रत्येक परिवर्तन राजपत्र जर्नल में अधिसूचित किया जाएगा ।

105. अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ताओं के रजिस्टर का प्रकाशन-- अभिन्यास डिजाइन के अभिकर्ताओं का रजिस्टर और उसकी परिपूर्ण सूची समय-समय पर, और जैसा कि रजिस्ट्रार ठीक समझता है, प्रकाशित किया जाएगा, इसमें की प्रविष्टियां रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन के अभिकर्ता के उपनामों का वर्णानुक्रम के अनुसार क्रमबद्ध किया जाएगा, और उसकी प्रतियां विक्रयार्थ रखी जाएंगी ।

[सं. 12(31)/99-आई पी सी(पार्ट) चो. IV]

एस. लक्ष्मीनारायण, संयुक्त सचिव

पहली अनुसूची
(नियम 10 देखें)

प्रविष्टि संख्या	किस पर संदेय है	रकम रुपयों में	तत्स्थानी प्ररूप संख्या
1.	अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन पर	5000	अ.डि.-1
2.	धारा 11(1) के अधीन विरोध की सूचना पर	500	अ.डी-2
3.	धारा 11(2) के अधीन विरोध की सूचना के उत्तर या धारा 30 के अधीन आवेदन के उत्तर में प्रतिकथन पर	500	अ.डी-3
4.	धारा 11 तथा 30 के अधीन सुनवाई में उपस्थित होने के आशय की सूचना मिलने पर	500	अ.डी-4
5.	नियम 27(1) के अधीन विनिश्चय के आधारों का कथन करने के अनुरोध पर	500	अ.डी-5
6.	त्रुटि में शुद्धि के लिए अथवा संशोधन के लिए अनुरोध पर	500	अ.डी-6
7.	कारबार की गुडविल के संबंध से भिन्न अन्यथा अभिन्यास डिजाइन के विज्ञापन या समनुदेश के लिए धारा 22 के अधीन रजिस्ट्रार के निदेशों के लिए आवेदन पर	2000	अ.डी-8
8.	कारबार की गुडविल के संबंध से भिन्न अन्यथा अभिन्यास डिजाइन के विज्ञापन या समनुदेशन के लिए धारा 22 के अधीन निदेशों के लिए समय बढ़ाने के लिए आवेदन पर	500	अ.डी-9
9.	अभिन्यास डिजाइन के समनुदेशन या पारेषण के मामले में पश्चात्कर्ती स्वत्वधारी के रजिस्ट्रीकरण के लिए धारा 23 के अधीन आवेदन पर	1500	अ.डी-11 या अ.डी-10
10.	रजिस्टर के परिशोधन अथवा रजिस्टर से अभिन्यास डिजाइन हटाने के लिए धारा 30 के अधीन आवेदन पर	2000	अ.डी-12
11.	रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता को धारा 25 अधीन रजिस्टर करने के लिए आवेदन पर	3000	अ.डी-13
12.	रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता की प्रविष्टि को धारा 26 (क) के खण्ड (क) के अधीन रद्द करने के आवेदन पर	1000	अ.डी-14
13.	रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता की प्रविष्टि को धारा 26 (1) के खण्ड (ख) या (ग) के अधीन रद्द करने के आवेदन पर	1000	अ.डी-15

14.	रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता की प्रविष्टि के रद्दकरण की कार्यवाही में हस्तक्षेप करने के आशय के लिए नियम 61 (2) के अधीन सूचना पर	1000	अ.डि.-16
15.	अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी अथवा रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के नाम या विवरण में वहाँ परिवर्तन के लिए धारा 31 के अधीन आवेदन पर जहाँ रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के स्वामित्व या पहचान में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।	1000	अ.डि.-17
16.	अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी अथवा रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के पते की प्रविष्टि में परिवर्तन के लिए धारा 31 (2) के अधीन आवेदन पर, जब तक कि नियम 67(3) के अधीन फीस से छूट नहीं दी गई हो	1000	अ.डि.-18
17.	अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी अथवा रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के भारत में तामील के लिए पते की प्रविष्टि करने के आवेदन पर जब तक कि नियम 67(3) के अधीन फीस से छूट नहीं दी गई हो	1000	अ.डि.-19
18.	रजिस्टर से अभिन्यास डिजाइन की प्रविष्टि के रद्दकरण के लिए धारा 31(1) के खण्ड (ग) के अधीन आवेदन पर	1500	अ.डि.-20
19.	अभिन्यास डिजाइन के लिए धारा 78 के अधीन रजिस्ट्रार की प्राथमिक सलाह के लिए अनुरोध पर	500	अ.डि.-21
20.	धारा 80 अथवा 86 के अधीन रजिस्ट्रार के प्रमाण पत्र के अनुरोध पर [धारा 13(2) के अधीन प्रमाण पत्र से भिन्न]	1000	अ.डि.-22
21.	धारा 76 के अधीन एक मास अथवा उसके किसी भाग के लिए ऐसे समय के विस्तार के लिए आवेदन पर [जो अधिनियम में अभिव्यक्ततः उपबंधित समय नहीं है]	1000	अ.डि.-23
22.	धारा 72(ग) के अधीन रजिस्ट्रार के विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए आवेदन पर	1500	अ.डि.-24
23.	रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र की दूसरी या और प्रति के लिए अनुरोध पर	2000	अ.डि.-25
24.	धारा 42(1) के अधीन अपील के लिए आवेदन पर	1500	अ.डि.26
25.	अभिन्यास डिजाइन का प्रयोग सरकार द्वारा या सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा किए जाने	2000	अ.डि.-29

	की अनुज्ञा देने के उसके विनिश्चय का पुनर्विलोकन करने के लिए अपील बोर्ड को आवेदन पर		
26.	विरोध की सूचना देने के लिए समय के विस्तार के लिए आवेदन पर	500	अ.डि.-30
27.	अभिन्यास डिजाइन या उससे संबंधित समनुदेश या पारेषण के रजिस्ट्रीकरण को रद्द करने के आवेदन पर	2000	अ.डि.-33
28.	अभिन्यास डिजाइन का प्रयोग सरकार द्वारा या सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा किए जाने की अनुज्ञा के लिए अपील बोर्ड को आवेदन पर	2000	अ.डि.-34
29.	उच्च न्यायालय को अपील पर	2000	अ.डि.-35
30.	नियम 97 के अधीन अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन पर	2000	शा.अ.डि-1
31.	नियम 100 के अधीन अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रजिस्टर में किसी व्यक्ति का नाम बनाए रखने के लिए प्रत्येक वर्ष के लिए (प्रथम वर्ष को छोड़कर) प्रत्येक वर्ष पहली अप्रैल को संदत्त की जानी है पहले वर्ष के लिए रजिस्ट्रीकरण की फीस के साथ संदत्त की जानी है टिप्पण : इस प्रयोजन से वर्ष अप्रैल के पहले दिन को प्रारम्भ होगा और आगामी मार्च के 31वें दिन समाप्त होगा	1000 500 1500	
32.	नियम 130 के अधीन अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रजिस्टर में किसी व्यक्ति के नाम के प्रत्यावर्तन के लिए आवेदन पर	1000	शा.अ.डि-2
33.	नियम 104 के अधीन अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रजिस्टर में किसी प्रविष्टि में परिवर्तन के लिए आवेदन पर	500	शा.अ.डि-3

दूसरी अनुसूची

प्ररूप

(प्ररूपों की सूची)

प्ररूप संख्या	अधिनियम की धारा	नाम	
अ.डि.-1	8(1)	अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन	
अ.डि.-2	11(1)	अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन के प्रति विरोध की सूचना	
अ.डि.-3	11(2)	प्रतिकथन का प्ररूप	
अ.डि.-4	11,30	सुनवाई में हाजिर होने के आशय की सूचना	
अ.डि.-5		नियम 27(1) के अधीन विनिश्चय के आधार के विवरण के लिए अनुरोध	
अ.डि.-6	8(3), 12 एवं 13	लिपिकीय भूल या संशोधन के लिए अनुरोध	
अ.डि.-7		शपथ पत्र (नियम 49 के अधीन अनुरोध के समर्थन में रजिस्ट्रार द्वारा अपेक्षा किए जाने पर ही प्रस्तुत किया जाएगा)	
अ.डि.-8	22	कारबार की गुडविल के संबंध से भिन्न अन्यथा अभिन्यास डिजाइन के समनुदेशन के विज्ञापन के निदेश के लिए आवेदन	
अ.डि.-9	22	कारबार की गुडविल के संबंध से भिन्न अन्यथा अभिन्यास डिजाइन के समनुदेशन के विज्ञापन के लिए रजिस्ट्रार के निदेशों के लिए आवेदन करने की समय सीमा के विस्तार का आवेदन	
अ.डि.10	23	अभिन्यास डिजाइन के उसी नाम पर किसी पश्चातत्वेता स्वत्वधारी के रजिस्टर करने का अनुरोध	
अ.डि.-11	23	अभिन्यास डिजाइन के उसी नाम पर किसी पश्चातत्वेता स्वत्वधारी के रूप में अंतरण के रजिस्ट्रीकरण के लिए रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी तथा अंतरिती द्वारा संयुक्त अनुरोध	
अ.डि.-12	30 एवं 48(1)	रजिस्टर के परिशोधन के लिए आवेदन	
अ.डि.-13	25	रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन	
अ.डि.-14	26(1)(क)	अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी अथवा किसी रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता द्वारा उसके	

		रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रद्दकरण के लिए आवेदन	
अ.डि-15	26(1)(ख) या ग	अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता की प्रविष्टि के रद्दकरण के लिए आवेदन	
अ.डि-16		अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता की प्रविष्टि के रद्दकरण की कार्यवाही में हस्तक्षेप करने के आशय की सूचना (नियम 61(2))	
अ.डि-17	31	अभिन्यास डिजाइन के रजिस्टर में रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी (या रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता) के नाम या वर्णन में परिवर्तन की प्रविष्टि करने के लिए अनुरोध	
अ.डि-18	31	अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के पते की प्रविष्टि में परिवर्तन करने के लिए धारा 31(2) के अधीन आवेदन जब तक कि नियम 67(3) के अधीन फीस से छूट नहीं दी गई हो	
अ.डि-19		अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी अथवा रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता जिसका भारत में कारबार का कोई प्रधान स्थान नहीं है, द्वारा उसके रजिस्ट्रीकरण के भाग के रूप में भारत में तामील के लिए पते की प्रविष्टि करने, उसमें परिवर्तन करने या उसका प्रतिस्थापन करने के लिए अनुरोध का प्ररूप	
अ.डि-20	31(1)(ग)	अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा रजिस्टर में उसकी प्रविष्टि के रद्दकरण का आवेदन	
अ.डि-21	78	ऐसे व्यक्ति द्वारा जो अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने का प्रस्ताव करता है अभिन्यास डिजाइन की मौलिकता या सुभिन्ना के संबंध में रजिस्ट्रार की प्राथमिक सलाह के लिए अनुरोध	
अ.डि-22	80 और 87	रजिस्ट्रार के प्रमाण-पत्र के लिए अनुरोध	
अ.डि-23	76	ऐसे समय के विस्तार के लिए आवेदन [जो अधिनियम में अभिव्यक्ततः उपबंधित समय नहीं है या ऐसा समय है जिसके विस्तार के लिए नियम में उपबंध किया गया है]	
अ.डि-24	72 (ग)	रजिस्ट्रार के विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए आवेदन	
अ.डि-25		रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र की दूसरी या और प्रति के लिए अनुरोध (नियम 46(3))	
अ.डि-26	42	धारा 41 की उप धारा (1) के अधीन अपील बोर्ड को अपील	
अ.डि-27	40	स्वामित्व के अवधारण के लिए अपील बोर्ड को आवेदन	

		(नियम 73)	
अ.डि-28	40(3)	अपील बोर्ड के समक्ष धारा 40(3) के अधीन विरोध	
अ.डि-29	51(2)	रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन के प्रयोग की अनुज्ञा के प्रति अपील बोर्ड के विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए अनुरोध	
अ.डि-30	11(1)	विरोध की सूचना देने के लिए समय के विस्तार के लिए आवेदन	
अ.डि-31		अभिन्यास डिजाइन के विज्ञापन की विशिष्टियों के लिए रजिस्ट्रार को अनुरोध, नियम 32	
अ.डि-32	84	अधिनियम के अधीन किसी विषय या कार्यवाही में अभिकर्ता के प्राधिकरण का प्ररूप	
अ.डि-33	41	अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण या उससे संबंधित समनुदेश या पारेषण के रद्दकरण की सूचना	
अ.डि-34	51	स्वत्वधारी के प्राधिकरण के बिना रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन के प्रयोग की अनुज्ञा के लिए अनुरोध	
शा.अ.डि-1		अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन (नियम 97)	
शा.अ.डि-2		अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता रजिस्टर में किसी व्यक्ति के नाम प्रत्यावर्तन के लिए आवेदन (नियम 103)	
शा.अ.डि.-3		अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता रजिस्टर में किसी प्रविष्टि के परिवर्तन के लिए आवेदन (नियम 104)	

प्ररूप अ.डि-1

अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन

(धारा 8(1), नियम 22)

(तीन प्रतियों में भरा जाए)

अभिन्यास डिजाइन¹.....का रजिस्ट्रीकरण.....के नाम(नामों)².
जिसका (जिनका)पता (पते) ³.....है, जो उक्त अभिन्यास डिजाइन के स्वत्वधारी होने
का दावा करता है/करते हैं, करने के लिए आवेदन किया जाता है ।

अभिन्यास डिजाइन से संबंधित विशिष्टियों का सम्पूयक रूप से भरा हुआ विवरण इसके साथ संलग्न है ।

विशिष्टियों के संलग्न विवरण में अधिकथित विशिष्टियाँ मेरी/हमारी सर्वोत्तम जानकारी, सूचना तथा विश्वास के अनुसार सही है ।

आज तारीखमास.....20.....

4

सेवा में,

रजिस्ट्रार अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन,
अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री का कार्यालय
.....में⁵

1. अभिन्यास डिजाइन का नाम
2. आवेदक का पूरा नाम, वर्णन तथा राष्ट्रीयता सुपाठ्य रूप से लिखें । निगमित निकाय या फर्म होने की दशा में यथास्थिति निगमन के देश या फर्म गठित करने वाले भागीदारों के नाम तथा रजिस्ट्रीकरण की प्रकृति, यदि कोई हो तो कथित की जानी चाहिए । नियम 15 देखें ।
3. आवेदक द्वारा भारत में उसके कारबार के प्रधान स्थान का पता अवश्य लिखा जाए । नियम 3 तथा 16 देखें ।
4. आवेदक या उसके अभिकर्ता (विधि व्यवसायी या रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता या आवेदक के एकमात्र और नियमित नियोजन में व्यक्ति । धारा 84 देखें) के हस्ताक्षर
5. अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएं । नियम 4 देखें ।
6. अभिन्यास डिजाइन का आरेख अधिमानतः 33 सेंटीमीटर गुणित 20 सेंटीमीटर आकार वाले कागज पर होना चाहिए ।

विशिष्टियों का विवरण

(प्ररूप अ.डि-1 देखें)

1. आवेदन सं. (अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री द्वारा भरा जाएगा):
2. अभिन्यास डिजाइन का नाम
3. उस अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ का वर्गीकरण जिसका विनिर्माण अभिन्यास डिजाइन का प्रयोग करके किया जा सकता है।
 - i. ढाँचा¹
 - ii. तकनीक²
 - iii. कृत्य³
4. अभिन्यास डिजाइन का संक्षिप्त वर्णन
5. क्या अभिन्यास डिजाइन का वाणिज्यिक रूप से उपयोग किया गया है (हाँ/नहीं)
यदि हाँ, तो वह स्थान/देश.....

आज तारीखमास.....20.....

6. संलग्न दस्तावेज
 - i आरेख/फोटोग्राफ (तीन सेट)
 - ii अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ (4 नग)
(जहाँ रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदित अभिन्यास डिजाइन का प्रयोग करते हुए एकीकृत परिपथ का निर्माण किया गया है)
 - iii निक्षिप्त फीस के ब्यौरे
 - iv अन्य
7. अभिकर्ता का नाम तथा पता
8. अन्य, यदि कोई हो,

4

स्थान:

तारीख:

1. ढाँचे के अंतर्गत द्विघुवीय, एमओएस, वाई- अंतर्गत एमओएस प्रकाशिक आईसी, अन्य (विनिर्दिष्ट करें), जैसे ढाँचे के ब्यौरे देना है ।
2. तकनीक के अंतर्गत टीटीएल, डीटीएल, सीमॉस, एनमॉस, पीमॉस, अन्य (विनिर्दिष्ट करें) जैसे तकनीकी ब्यौरे देना है ।
3. कृत्य के कृत्या लॉजिक, मेमोरी, लीनियर, माइक्रो कम्प्यूटर, अन्य (विनिर्दिष्ट करें) जैसे कार्यात्मक ब्यौरे देना है ।
4. आवेदक या उसके अभिकर्ता (विधि व्यवसायी या रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता, या आवेदक के एकमात्र और नियमित नियोजन में व्यक्ति । धारा 84 देखें) के हस्ताक्षर

प्ररूप अ.डि.-2

अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन के प्रति विरोध की सूचना

(धारा 11(1), नियम 33)

(तीन प्रतियों में भरा जाए)

..... द्वारा आवेदन सं..... के मामले में मैं(हम) ¹..... अर्द्धचालक
एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन जर्नल
दिनांक..... मास..... 20..... सं..... पृष्ठ..... में उपर्युक्त संख्यांक. के
अधीन विज्ञापित अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण का विरोध करने
के अपने आशय की सूचना देता हूँ/देते हैं ।

विरोध के आधार निम्नलिखित हैं^{2,3}

.....

इन कार्यवाहियों के संबंध में सभी पत्र चार भारत में निम्नलिखित पते पर किया जाए⁴

आज तारीख मास..... 20.....

⁵
.....

सेवा में

रजिस्ट्रार अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन,
अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन का रजिस्ट्री कार्यालय
रजिस्ट्री..... में⁶

1. पूरा नाम तथा पता बताएँ । यदि विरोध का भारत में कारबार का निवास का कोई स्थान है तो भारत में तामील के लिए का कोई पता बताएँ ।
2. यदि विरोध इस आधार पर है कि रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदित अभिन्यास डिजाइन मौलिक नहीं है तो सबूत/ब्यौरे/विवरण प्रस्तुत करें ।
3. यदि विरोध इस आधार पर है कि वह अभिन्यास डिजाइन उसके रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने की तारीख से पहले दो वर्ष की अवधि के लिए वाणिज्यिक रूप से उपयोग किया गया है तो उसके सबूत प्रस्तुत करें ।
4. केवल ऐसे विरोधकर्ता द्वारा बताया जाए जिसने भारत में अपने कारबार का मुख्य स्थान का या निवास का पता दिया है किंतु विरोध की कार्यवाही के प्रयोजनों के लिए भारत में उस पते से भिन्न अन्य पता देना चाहता है ।
5. आवेदक या उसके अभिकर्ता (विधि व्यवसायी या रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता या आवेदक के एकमात्र और नियमित नियोजन में व्यक्ति । धारा 84 देखें) के हस्ताक्षर
6. अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएँ ।

प्ररूप अ.डि.-3

प्रतिकथन का प्ररूप

(धारा 11(2), नियम 34, 64)

(तीन प्रतियों में भरा जाए)

अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन सं..... के प्रति "विरोध/रद्दकरण सं..... के मामले में

मैं/हम⁴..... उपर्युक्त अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण/रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी के लिए इसके द्वारा सूचना देता हूँ/देते हैं कि निम्नलिखित आधार हैं जिनका मैं/हम मेरे/हमारे आवेदन के लिए आश्रय लेता हूँ/लेते हैं ।

.....

मैं/हम⁴ विरोध/रद्दकरण की सूचना में निम्नलिखित अभिकथनों को स्वीकार करता हूँ/करते हैं।

.....

इन कार्यवाहियों के संबंध में सभी पत्राचार भारत² में निम्नलिखित पते पर किया जाए ।

.....

आज तारीख..... मास..... 20.....

3

सेवा में,

1. पूरा नाम तथा पता बताएँ । यदि विरोधकर्ता का भारत में कारबार का या निवास का कोई स्थान नहीं है तो भारत में तामील के लिए कोई पता बताएँ ।
2. केवल ऐसे विरोधकर्ता द्वारा बताया जाए जिसने भारत में अपने कारबार का मुख्य स्थान का या निवास का पता दिया है किंतु विरोध की कार्यवाही के प्रयोजनों के लिए भारत में उस पते से भिन्न कोई अन्य पता देना चाहता है ।
3. आवेदक या उसके अभिकर्ता (विधि व्यवसायी या रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता या आवेदक के एकमात्र और नियमित नियोजन में व्यक्ति । धारा 84 देखें) के हस्ताक्षर
4. जो लागू न हो उसे काट दें ।
5. अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के रद्दकरण या समनुदेशन या पारेषण के मामले में प्रतिकथन अभिन्यास डिजाइन अपील बोर्ड को संबोधित किया जाएगा (नियम 69 देखें) और रजिस्ट्रीकरण का विरोध करने के मामले में अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रार को संबोधित किया जाएगा (नियम 33(2) देखें)

प्ररूप अ.डि.-4

सुनवाई में हाजिर होने के आशय की सूचना

(धारा 11,30 नियम 41(1),64)

(तीन प्रतियों में भरा जाए)

.....के मामले में¹ मैं/हम².....इसके द्वारा सूचना देता हूँ/देते हैं कि उक्त विषय के संदर्भ में सुनवाई के लिए जो तारीख.....मास.....20.....की शासकीय सूचना द्वारा मुझे/हमें तारीखमास.....20.....को³ स्थान पर.....बजे पूर्वाह्न या अपराह्न नियत की गई है उसमें मैं/हम उपस्थित रहूंगा/रहेंगे या मेरी/हमारी ओर से कोई अन्य व्यक्ति उपस्थित रहेगा ।

आज तारीख.....मास.....20.....

4.

⁶सेवा में,

.....

.....

1. यहाँ शासकीय सूचना में दी गई विशिष्टियाँ लिखें ।
2. यहाँ नाम और पता लिखें ।
3. अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री के कार्यालय या उस स्थान का नाम लिखें जहाँ शासकीय सूचना के अनुसार सुनवाई की जाएगी ।
4. आवेदक या उसके अभिकर्ता (विधि व्यवसायी या रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन एजेंट या आवेदक के एकमात्र और नियमित नियोजन में व्यक्ति । धारा 84 देखें) के हस्ताक्षर ।
5. अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएँ । नियम 4 देखें ।
6. सुनवाई में उपस्थित होने के आशय की सूचना या अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के रद्दकरण या समनुदेशन या पारिषण के मामले में अभिन्यास डिजाइन अपील बोर्ड को संबोधित की जाएगी (नियम 69 देखें) और रजिस्ट्रीकरण का विरोध करने के मामले में अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रार को संबोधित की जाएगी ।

प्ररूप अ.डि.-5

विनिश्चय के आधार के विवरण के लिए अनुरोध

(नियम 27(1))

.....के मामले में⁴ रजिस्ट्रार से तारीख मास 20..... को की गई सुनवाई के पश्चात पर उनके तारीख मास 20..... के विनिश्चय का आधार तथा विनिश्चय करने के लिए प्रयोग में लाई गई सामग्रियों के बारे में लिखित रूप में बताने का अनुरोध किया जाता है ।

आज तारीख..... मास 20.....

सेवा में

²

रजिस्ट्रार अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन,
अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री का कार्यालय
.....में³

.....

1. आवेदन की पहचान करते हुए विशिष्टियाँ लिखें ।
2. आवेदक या उसके अभिकर्ता (विधि व्यवसायी या रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता या आवेदक के एकमात्र और नियमित नियोजन में व्यक्ति । धारा 84 देखें) के हस्ताक्षर ।
3. अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएँ । नियम 4 देखें ।

प्ररूप अ.डि.-6

लिपिकीय भूल या संशोधन के लिए अनुरोध

(धारा 8(3), 12 और 31 नियम 28, 62, 68)

.....के मामले में¹ मैं/हम²..... जो उपर्युक्त
 मामले में² आवेदक हूँ/हैं, इसके द्वारा
 विरोध करने वाला (वाले)
 रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी
 रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता

अनुरोध करता हूँ/करते हैं कि

³अनुरोध की एक प्रति रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी (स्वत्वधारियों)/रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता
 (उपयोगकर्ताओं) पर तामील कर दी गई है ।

तारीख आज मास 20.....

⁴

सेवा में,

रजिस्ट्रार अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन,
 अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री का कार्यालय
में⁵

1. वे शब्द और संदर्भ संख्या लिखें जिनसे प्रविष्टि या आवेदन या विरोध की पहचान हो ।
2. जो शब्द लागू न हों उन्हें काट दें ।
3. यदि लागू न हो तो काट दें ।
4. हस्ताक्षर ।
5. अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएँ । नियम 4 देखें ।

प्ररूप अ.डि.-7

शपथपत्र (नियम 49 के अधीन अनुरोध के समर्थन में रजिस्ट्रार द्वारा अपेक्षा किए जाने पर ही प्रस्तुत किया जाएगा)

(नियम 49)

मैं¹, जो का हूँ, सत्यनिष्ठा से और शुद्ध हृदय से घोषणा करता हूँ कि मामले में परिवर्णित तथा की बाबत² अभिन्यास डिजाइन सं..... के संबंध में मेरे समक्ष निक्षिप्त विशिष्टियाँ मेरे सर्वोत्तम ज्ञान, जानकारी और विश्वास के अनुसार सही हैं और अभिन्यास डिजाइन की वर्तमान स्वत्वधारिता को प्रभावित करने वाले प्रत्येक तात्त्विक तथ्य तथा दस्तावेज को समाविष्ट करती है।

³

तारीख आज मास 20..... मेरे समक्ष⁴ में

.....

1. अभिसाक्षी का नाम, पता तथा राष्ट्रीयता लिखें।
2. संबंधित कार्यवाहियों की विशिष्टियाँ लिखें।
3. घोषणा करने वाले व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किया जाएगा।
4. उस प्राधिकारी के हस्ताक्षर और पदनाम जिसके समक्ष शपथ ली जाती है। भारत में किसी न्यायालय या ऐसे व्यक्ति के समक्ष जिसे विधि द्वारा साक्ष्य प्राप्त करने का प्राधिकार है या न्यायालय द्वारा शपथ दिलाने के लिए सशक्त किसी अधिकारी के समक्ष शपथ ली जा सकती है। भारत से बाहर राजनैयिक और कौंसलीय ऑफिसर (शपथ और फीस) अधिनियम 1948 (1948 का 41) के अर्थान्तर्गत ऐसे देश या स्थान के किसी राजनैयिक या कौंसलीय ऑफिसर के समक्ष या स्थान के नोटरी के समक्ष शपथ ली जा सकती है। यदि स्थान के नोटरियों द्वारा नोटरी के कार्य नोटरी अधिनियम 1952 की धारा 14 (1952 का 53) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है।

प्ररूप अ.डि.-8

कारबार की गुडविल के संबंध से भिन्न अन्यथा अभिन्यास डिजाइन के समनुदेशन के विज्ञापन के निदेश के लिए आवेदन

(धारा 22 नियम 53(1))

(दो प्रतियों में भरा जाए)

कारबार की गुडविल के संबंध से भिन्न अन्यथा निम्नलिखित अभिन्यास डिजाइन के समनुदेशन के विज्ञापन के संबंध में¹ द्वारा रजिस्ट्रार के निदेश के लिए इसके द्वारा आवेदन किया जाता है जिसमें इसका प्रयोग किया गया था/किया गया, अर्थात् -

अभिन्यास डिजाइन सं.....

कार्य की तारीख.....मास.....20.....थी ।

इस समनुदेशन को प्रभावित करने वाले लिखत, उसकी एक प्रतिलिपि सहित इसके साथ भेजी जा रही है ।

यह सुझाव दिया जाता है कि विज्ञापन अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन जर्नल.....में भेजा जाएगा ।

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्र (चार) भारत में निम्नलिखित पते पर किए जाएंगे

.....
.....

आज तारीख.....मास.....20.....

²

सेवा में,

रजिस्ट्रार अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन,
अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री का कार्यालय
.....में³

.....

1. समनुदेशनी (आवेदक) का नाम, राष्ट्रीयता और पता लिखें ।
2. आवेदक या उसके अभिकर्ता (विधि व्यवसायी या रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता या आवेदक के एकमात्र और नियमित नियोजन में व्यक्ति । (धारा 84 देखें)) के हस्ताक्षर ।
3. अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएँ । नियम 4 देखें ।
4. जो लागू न हो उसे काट दें ।

प्ररूप अ.डि. -9

कारबार की गुडविल के संबंध से भिन्न अन्यथा अभिन्यास डिज़ाइन के समनुदेशन के विज्ञापन के लिए
रजिस्ट्रार के निदेशों के लिए आवेदन करने की समय सीमा के विस्तार का आवेदन
(धारा 22 नियम 53(2))

कारबार की गुडविल के संबंध में जिसमें इसका1 उपयोग किया गया/जा रहा था, से भिन्न अन्यथा निम्नलिखित
अभिन्यास डिज़ाइन के समनुदेशन के विज्ञापन के लिए जिस समय में रजिस्ट्रार के निदेशों के लिए आवेदन
किया जाता है -----माह का समय2 विस्तारित के लिए ----- के
द्वारा 3 आवेदन किया जाता है अर्थात:

अभिन्यास डिज़ाइन संख्या -----

समनुदेशन की तारीख -----माह-----20----- थी

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्राचार भारत में निम्नलिखित पते पर किए जाएंगे

आज -----माह ----- तारीख ----- 200

4-----

सेवा में,

रजिस्ट्रार अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन

पर अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन रजिस्ट्री का

-----कार्यालय में

1. समनुदेशिती (आवेदक) का नाम और पता लिखें
2. 'एक' 'दो' 'तीन' लिखें
3. शब्द जो लागू न हो काट दें
4. आवेदक या उसके अभिकर्ता (विधि व्यवसायी या रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिज़ाइन अभिकर्ता या आवेदक के एकमात्र और नियमित नियोजन में व्यक्ति (धारा 84) देखें के हस्ताक्षर
5. अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएँ करें । नियम -4 देखें

प्ररूप अ. डि. संख्या - 10

अभिन्यास डिज़ाइन के उसी नाम पर किसी पश्चातवर्ती स्वाभित्व को रजिस्टर करने का अनुरोध
(धारा 23 नियम 47)

मैं/हम1 -----अनुरोध करते हैं कि -----से2 ---- अभिन्यास डिज़ाइन सं----- के स्वत्वधारी के रूप में अभिन्यास डिज़ाइन रजिस्टर में मेरे/हमारे नाम प्रविष्ट किए ।

----- के कारण3 मैं (या हम) अभिन्यास डिज़ाइन के लिए हकदार हूँ/ हैं, जिसकी मूल और अनुप्रमाणित प्रति इसके साथ संलग्न है ।

उस कारबार की गुडविल के संबंध से भिन्न अन्यथा अभिन्यास डिज़ाइन4 का समनुदेशन नहीं किया गया था जिसमें अभिन्यास डिज़ाइन4 का उपयोग किया जा रहा/गया था (और इसके साथ समनुदेशन को विशापित करने के लिए रजिस्ट्रार के निदेशों की एक प्रति उसके साथ अनुपालन करने वाले प्रत्येक विशापन की एक प्रति भेजी जा रही है ।

मैं/हम घोषणा करते हैं कि यहाँ अधिकथित तथ्य और मामले मेरे संपूर्ण ज्ञान, सूचना और विश्वास के अनुसार सही हैं ।

आज -----तारीख -----माह -----20

5-----

सेवा में,

रजिस्ट्रार अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन

पर अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन रजिस्टर का -----6

कार्यालय

1. आवेदक का पूरा नाम, भारत में कारबार के मुख्य स्थान का पता, यदि कोई हो राष्ट्रीयता और वर्णन लिखें, यदि भारत में कारबार का कोई स्थान नहीं है तो भारत में निवास स्थान यदि कोई हो, का पता बताएँ। यदि भारत में निवास का भी कोई स्थान है ही नहीं तो विदेश में अपने गृह देश का पता बताएँ और भारत में तामील के लिए पता बताएँ ।
2. स्वत्वधारिता के अधिग्रहण की तारीख बताएँ ।

3. समनुदेशन लिखत या पारेषण यदि कोई हो, या मामले के विवरण की संपूर्ण विशिष्टियाँ लिखें ।
 4. जो शब्द लागू न हो काट दें ।
 5. आवेदक के हस्ताक्षर
 6. अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम बताएँ।
- नियम -4 देखें

प्ररूप अ. डि. संख्या - 11

अभिन्यास डिज़ाइन के उसी नाम पर किसी परचातवर्ती स्वत्वधारी के रूप में अन्तरिति के रजिस्ट्रीकरण के लिए रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और अंतरिती द्वारा संयुक्त अनुरोध
(धारा 23 नियम 47)

नियम 47 के अधीन हम1 ----- और2 -----अनुरोध करते हैं कि-----स्थान5 पर जो ----- के रूप 4में कारबार चला रहे हैं, के नाम की3 -----से 6 -----के-----आकर पर7 अभिन्यास डिज़ाइन के रजिस्टर में अभिन्यास डिज़ाइन संख्या -----के स्वत्वधारी के रूप में प्रविष्टि की जाए -----जिसकी मूल और प्रमाणित प्रतियाँ इसके साथ संलग्न हैं ।

उस कारबार की गुडविल के संबंध से भिन्न अभिन्यास डिज़ाइन का समनुदेशन 8 नहीं किया गया था जिसमें अभिन्यास डिज़ाइन 8 का उपयोग किया जा रहा/गया था (और इसके साथ समनुदेशन को विज्ञापित करने के लिए रजिस्ट्रार के निदेशों एक प्रति, अनुपालन करने वाले प्रत्येक विज्ञापन की एक प्रति और उनसे युक्त किसी भी विज्ञापन के जारी होने की तारीख का विवरण) भेजा जा रहा है।

हम घोषणा करते हैं कि इसमें कथित तथ्य और विषय हमारे सर्वोत्तम ज्ञान, सूचना और विश्वास के अनुसार सही हैं ।

आज -----तारीख -----माह -----20

(आवेदक के हस्ताक्षर)

सेवा में,

रजिस्ट्रार अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन ।

पर अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन रजिस्ट्री का -----
कार्यालय ।

1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या अन्य समनुदेशक या पारेषक का पूरा नाम, पता, और राष्ट्रीयता ।
2. अंतरिती का पूरा नाम, पता और राष्ट्रीयता
3. अंतरिती का नाम ।
4. अंतरिती का वर्णन (आजीविका और व्यवसाय) ।
5. अंतरिती का भारत में कारबार के मुख्य स्थान, यदि कोई हो, का पता । यदि भारत में कारबार का कोई स्थान नहीं है तो भारत में निवास स्थान का पता बताएँ । यदि भारत में निवास कोई स्थान है ही नहीं तो विदेश में अपने गृह देश का पता और भारत में तामील का पता बताएँ ।
6. स्वामित्व के अधिग्रहण की तारीख
7. समनुदेशन की लिखत या पारेषण, यदि कोई हो, या मामले के विवरण की पूर्ण विशिष्टियों का उल्लेख करें ।
8. जो शब्द लागू न हो काट दें ।
9. अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन के समुचित रजिस्ट्री कार्यालय के स्थान के नाम का उल्लेख करें। नियम -4 देखें ।

प्ररूप अ. डि. -12

रजिस्टर के परिशोधन के लिए आवेदन

(धारा 30 तथा 48 (1) नियम 63)

(मामले के विवरण की दो प्रतियों के साथ दो प्रतियों में भरा जाए और इसके साथ उतनी प्रतियाँ की जाएं जितने रजिस्ट्रीकरण के अधीन रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता हैं ।)

-----के नाम में अभिन्यास डिज़ाइन सं. -----के मामले में ।

मैं/हम I ----- आवेदन करते हैं कि ऊपर उल्लिखित अभिन्यास डिज़ाइन की बाबत रजिस्टर में प्रविष्टि को निम्नलिखित रीति में (हटाया) /(परिशोधित)2 किया जाए।

मेरे/हमारे आवेदन के आधार निम्नलिखित हैं

-----3 अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन रजिस्ट्री
कार्यालय ने इस अभिन्यास डिज़ाइन के संबंध में समुचित कार्यालय के रूप में रजिस्टर में प्रविष्टि कर ली
गई है ।

प्रश्नगत अभिन्यास डिज़ाइन से संबंधित में न्यायालय में कोई कार्रवाई लम्बित नहीं है ।

इन कार्यवाहियों से संबंधित सभी ससूचनाएँ भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाएँ ।

आज माह-----तारीख-----20

हस्ताक्षर-----

सेवा में,
अभिन्यास डिज़ाइन अपील बोर्ड

या

सेवा में,
रजिस्ट्रार अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन ।

अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन का रजिस्ट्री -----6 पर
कार्यालय ।

1. पूरा नाम, पता तथा राष्ट्रीयता बताएँ । यदि आवेदक का भारत में कारबार या निवास के स्थान का कोई पता नहीं है तो भारत में तामील के लिए पता का उल्लेख करें । नियम 17 देखें ।
2. जो लागू न हो उसे काट दें ।
3. अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन के समुचित रजिस्ट्री कार्यालय के स्थान के नाम का उल्लेख करें । नियम -4 देखें
4. केवल उस आवेदक द्वारा बताया जाए जिसने भारत में कारबार या निवास के मुख्य स्थान का पता है. किन्तु इन कार्यवाहियों के प्रयोजन के लिए भारत इस में पते से भिन्न पते को देने की वांछा करता है ।
5. अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन के समुचित रजिस्ट्री कार्यालय के स्थान के नाम का उल्लेख करें । नियम -4 देखें

प्ररूप अ. डि. -13

रजिस्ट्रीकृत उपयोग कर्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन
(धारा 25 नियम 55)

(रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी और प्रस्तावित रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के बीच लिखित रूप में करार या उसकी सम्यक रूप से अधिप्रमाणित प्रति, धारा 55(1) में उल्लिखित अन्य दस्तावेज़, नियम 55(2) की अपेक्षानुसार विशिष्टियों को उपवर्णित करते हुए शपथ-पत्र और विवरण और पूर्वोक्त प्रत्येक दस्तावेज़ की दो प्रतियों सहित तीन प्रतियों में भरा जाए ।)

-----1 के द्वारा जो -----2की बाबत -----
अभिन्यास डिज़ाइन संख्या -----का /के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी है/हैं, द्वारा आवेदन किया जाता है और -----द्वारा3 -----कि उपर्युक्त कथित 4-----को ऊपर उल्लिखित रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिज़ाइन के रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रूप में निम्नलिखित शर्तों और निबंधनों 5के अध्वधीन रजिस्ट्रीकृत किया जाए ।

6(प्रस्तावित अनुज्ञता उपयोग तारीख ----- माह -----20 को समाप्त होगी ।)
(प्रस्तावित अनुज्ञता उपयोग अवधि की सीमा रहित है)

आज माह-----तारीख-----20

7-----
8-----

सेवा में,

अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन रजिस्ट्रार,

-----पर 9अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी के पूरा नाम, पता तथा राष्ट्रीयता बताएँ ।

2. रजिस्टर के अनुसार विनिर्देश लिखें ।

3. प्रस्तावित रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के भारत में कारबार के मुख्य स्थान का पूरा नाम तथा पता, यदि कोई हो राष्ट्रीयता, और वर्णन भरें। यदि भारत में कारबार का कोई स्थान नहीं है तो भारत में निवास स्थान, यदि कोई हो तो, का पता बताएँ। यदि भारत में कोई निवास स्थान ही न हो तो विदेश में अपने गृह देश का और भारत में तामील के लिए पता बताएँ।
4. प्रस्तावित रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता का नाम लिखें।
5. यदि कोई शर्त या निर्बंधन न हों तो कुछ भी नहीं लिखें।
6. जो शब्द लागू न हो उसे काट दें।
7. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर
8. प्रस्तावित रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर
9. अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम। नियम -4 देखें

प्ररूप अ. डि. -14

अभिन्यास डिज़ाइन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या अभिन्यास डिज़ाइन किसी रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता द्वारा
उसके रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रद्दकरण के लिए आवेदन

(धारा 26(1)(क) नियम 58)

(आवेदन के आधारों का तीन प्रतियों में विवरण सहित तीन प्रतियों में भरा जाए)

-----की बाबत अभिन्यास डिज़ाइन सं-----का जो
(रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी) 2 (रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता) -----2के द्वारा ऊपर
उल्लिखित रजिस्ट्रीकरण के अधीन 4 ----- अभिन्यास डिज़ाइन के रजिस्ट्रीकृत
उपयोगकर्ता के रूप में प्रविष्टि को रद्द करवाने के लिए आवेदन किया जाता है।
आवेदन के आधार साथ वाले अभिकथन में दिए गए हैं।

आज तारीख -----मास-----20

हस्ताक्षर -----

सेवा में

रजिस्ट्रार अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन

-----5पर अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन रजिस्ट्री

का कार्यालय

- 1 आवेदक या आवेदकों का पूरा नाम और पता लिखें।
2. जो शब्द लागू न हों, उन्हें काट दें।
3. रजिस्ट्रार में जैसी विशिष्टियाँ हैं, भरें।
4. उस रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता, जिसकी प्रविष्टि और रद्दकरण की माँग की गई है, का पूरा नाम और पता।
5. अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान के नाम उल्लेख करें। नियम -4 देखें।

अ. डि. प्ररूप - 15

अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता की प्रविष्टि के रद्दकरण के लिए आवेदन
(धारा 26(1) (ख) या (ग) नियम 58)
विवरण सहित

(आवेदन के आधारों का तीन प्रतियों में तीन प्रतियों में भरा जाए)

-----1 के नाम में रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन सं.-----के मामले में

-----2 के द्वारा अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रूप में ----- 3 की ऊपर उल्लिखित रजिस्ट्रीकरण के अधीन प्रविष्टि के रद्दकरण के लिए आवेदन किया जाता है ।

आवेदन के आधार, जिनकी विशिष्टियाँ मामले के साथ दिए गए विवरण में विस्तृत ----- रूप में दी गई हैं, निम्न हैं 4----- ।

इन कार्यवाहियों से संबंधित सभी पत्राचार भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं ।

आज तारीख -----मास -----20

हस्ताक्षर -----

सेवा में ,

रजिस्ट्रार अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन

-----6 पर अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन

रजिस्ट्री का कार्यालय

1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नाम भरें ।
2. रद्दकरण के लिए आवेदक का नाम, पता तथा राष्ट्रियता भरें ।
3. रजिस्टर में यथा प्रविष्ट रजिस्ट्री उपयोगकर्ता का नाम, पता और वर्णन भरें ।
4. धारा 26(1) के उप खंड (ख) की एक या एक से अधिक बातों को भरें ।
5. केवल उस आवेदक द्वारा उल्लेख किया जाए जिसने भारत में कारबार के मुख्य स्थान या निवास के पते का उल्लेख किया है किन्तु इन कार्यवाहियों के प्रयोजन के लिए उस पते से भिन्न पता को देना चाहता है ।
6. अर्द्ध देखेचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान की नाम का उल्लेख किया है । नियम -4 देखें

प्ररूप अ. डि. -16

अभिन्यास डिज़ाइन के रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता की प्रविष्टि के रद्दकरण की कार्यवाही में हस्तक्षेप करने के
आशय की सूचना
(नियम 61(2))

(हस्तक्षेप के आधारों का तीन प्रतियों में विवरण सहित तीन प्रतियों में भरा जाए।)

-----1 के नाम में रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिज़ाइन सं.-----के मामले में

और

-----2 के अधीन अभिन्यास डिज़ाइन के रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के मामले में मैं/हम -----उपर्युक्त मामले की कार्यवाहियों में अपने/हमारे हस्तक्षेप करने के आशय की सूचना देते हैं।

इन कार्यवाहियों से संबंधित सभी पत्राचार भारत में निम्नलिखित पते पर भेजे जाएं।

आज तारीख -----मास -----20

हस्ताक्षर -----

सेवा में,

रजिस्ट्रार अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन

-----5 पर अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नाम भरें।
2. रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता का नाम, और पता भरें।
3. सूचना देने वाले व्यक्ति का पूरा नाम, पता और राष्ट्रीयता भरें।
4. सूचना देने वाले व्यक्ति या उसके अभिकर्ता हस्ताक्षर।
5. अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान के नाम का उल्लेख करें। देखें नियम -4

अ. डि. प्ररूप . 17

अभिन्यास डिजाइन के रजिस्टर में रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी (या रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता) के नाम या वर्णन के परिवर्तन की प्रविष्टि करने के लिए अनुरोध
(धारा 31 नियम 62,68)

मैं/हम-----इसके द्वारा अनुरोध करता हूँ/ (करते हैं) कि मेरा/(हमारा) नाम और वर्णन अभिन्यास डिजाइन संख्यांक 3 ----- के स्वत्वधारी/रजिस्ट्रीकृत के रूप में प्रविष्टि किया जाए।

मैं/हम उक्त अभिन्यास डिजाइन का-----के रूप में प्रयोग करने के लिए हकदार हूँ/ हैं ।

उक्त अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ताओं के वास्तविक स्वामित्व 2/ पहचान में ----- कोई परिवर्तन नहीं हुआ है, किन्तु ³-----

रजिस्टर में जो प्रविष्टि इस समय है उसमें मेरा/हमारा नाम और वर्णन निम्नलिखित रूप में हैं :-

इस अनुरोध की एक प्रति की तामील प्राधिकृत उपयोगकर्ताओं/स्वत्वधारियों पर कर दी गई है ।

आज तारीख-----मास-----20

हस्ताक्षर ⁵

हस्ताक्षर करने वाले का नाम
स्पष्ट अक्षरों में

सेवा में,

रजिस्ट्रार अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन ,

-----6पर अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता का वर्तमान नाम और पता लिखें ।
2. जो शब्द लागू न हों उसे काट दें ।
3. वे परिस्थितियाँ बताएं जिनके अधीन नाम का परिवर्तन हुआ ।
4. जो लागू न हो उसे काट दें ।
5. आवेदक के या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर ।
6. अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान के नाम का उल्लेख करें। नियम 4 देखिए ।

प्ररूप अ. डि. . 18

(रजिस्टर में अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी (या रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता) के नाम या वर्णन के परिवर्तन की प्रविष्टि करने के लिए अनुरोध)

(धारा 31नियम 62, 67 68)

अभिन्यास डिजाइन सं. -----के मामले में

मे/हम -----के ----- यथोपरि संख्यांकित अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी /उपयोगकर्ता हूँ, हैं।

मेरा/हमारा भारत में कारबार का मुख्य स्थान/निवास स्थान का पता या गृह देश मेरा/हमारा पता अभिन्यास डिजाइन रजिस्टर में निम्नवत परिवर्तित किया जाए

पते में परिवर्तन का आदेश -----के द्वारा तारीख-----मास-----20को किया गया था । आदेश की शासकीय प्रमाणित प्रति इसके साथ संलग्न है ।

इस अनुरोध की प्रति रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी/उपयोगकर्ता पर तामील कर दी गई है ।

आज तारीख-----मास-----20

5.-----

सेवा में,

रजिस्ट्रार अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन

-----6पर अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन रजिस्ट्री का
कार्यालय

1. जो लागू न हो उसे काट दें ।
2. जो शब्द लागू न हो उसे काट दें ।
3. यदि लागू न हो तो काट दें ।
4. परिवर्तन का आदेश देने वाले लोक प्राधिकारी का नाम और आदेश की तारीख भरें ।
5. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी/उपयोगकर्ता या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर ।
6. अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन के रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान के नाम का उल्लेख करें । नियम- 4 देखें

अ. डि. प्ररूप -19

(अभिन्यास डिज़ाइन के ऐसे रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता द्वारा जिसका भारत में कारबार का मुख्य स्थान नहीं है, उसके रजिस्ट्रीकरण के भाग रूप में भारत में तामील के लिए पते की प्रविष्टि या परिवर्तन या प्रतिस्थापन करने के लिए अनुरोध का प्ररूप)
(नियम 62,67,68)

-----1 के द्वारा जो अभिन्यास डिज़ाइन संख्या -----का रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी /रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता है 2 भारत में तामील के लिए पते या उस की प्रविष्टि का इस प्रकार परिवर्णन, परिवर्तन या प्रतिस्थापन के लिए आवेदन किया गया है ताकि भारत में तामील के लिए पता----- पढ़ा जाए ।

आज तारीख -----मास -----20

हस्ताक्षर -----

सेवा में

रजिस्ट्रार अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन,

-----5.पर अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन रजिस्ट्री का कार्यालय

टिप्पण : रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता जिसका भारत में तामील के लिए पता किसी लोक प्राधिकारी द्वारा इस प्रकार परिवर्तित किया गया है परिवर्तित पता से वही परिसर अभिहित है जो पहले था, भी फीस के संदाय से बचने के लिए, एक विवरण दे सकेगा, जिसके लिए इस प्ररूप के पृष्ठ भाग पर उपबंध है ।

(इस प्ररूप के पृष्ठ भाग पर होगा)

(केवल उस दशा में प्रयोग किया जाए जब लोक प्राधिकारी ने परिसर में परिवर्तन के बिना ही भारत में तामील के लिए पता परिवर्तित कर दिया है)

भारत में तामील के लिए पता में परिवर्तन जिसकी प्रविष्टि के लिए इस प्ररूप के मुख पृष्ठ पर आवेदन किया गया है आदेश-----6 द्वारा -----तारीख -----मास -----20 को दिया गया था । आदेश की शासकीय प्रमाणित प्रति इसके साथ संलग्न है ।

आज तारीख -----मास ----- 20

हस्ताक्षर -----

टिप्पण : यदि उपर्युक्त विवरण दिया जाए है और नामित परिवर्तन को आवश्यकत बनाने वाले प्राधिकारी के आदेश है, की शासकीय प्रमाणित प्रति दी जाए, तो यदि रजिस्ट्रार का मामले के तथ्यों से समाधान हो जाता है तो वह अभिन्यास डिज़ाइन प्ररूप सं 19 पर संवत् की जाने वाली किसी फीस की अपेक्षा नहीं करेगा ।

1. यहाँ अनुरोध करने वाले व्यक्ति का पूरा नाम व पता लिखें ।
2. यथास्थिति 'स्वत्वधारी' या उपयोगकर्ता शब्दों में एक शब्द काट दें ।
3. जो शब्द लागू न हो काट दें ।
4. यहाँ पर संक्षिप्त प्रविष्टि या वांछित परिवर्तित प्रविष्टि लिखें ।
5. परिवर्तन का आदेश देने वाले लोक प्राधिकारी का नाम और आदेश भी लिखें ।
6. अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन रजिस्ट्री के के समुचित कार्यालय स्थान के नाम का उल्लेख करें । नियम 4देखें

प्ररूप अ. डि. संख्या 20

(अभिन्यास डिज़ाइन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा रजिस्टर में उसकी प्रविष्टि के रद्दकरण के लिए आवेदन)
(धारा 31(1)(ग) नियम 68)

अभिन्यास डिज़ाइन संख्या----- के मामले में -----रजिस्ट्रीकृत में स्वत्वधारी
का नाम ----- रजिस्टर में यथा प्रविष्टि -----पता-----

पूर्वोक्त रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी द्वारा आवेदन किया जाता है कि अभिन्यास डिज़ाइन सं----- के
रजिस्टर में की गई प्रविष्टि को रद्द किया जाए ।

रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ताओं पर आवेदन एक प्रति 1 तामील कर दी गई है ।

आज तारीख-----मास ----- 20

2-----

सेवा में

रजिस्ट्रार अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन

-----3 पर अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन रजिस्ट्री का कार्यालय ।

1. यदि लागू न हो तो काट दें ।
2. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर
3. अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के नाम और स्थान का उल्लेख करें । नियम -4देखें

प्ररूप अ.डि. -21

ऐसे व्यक्ति द्वारा जो अभिन्यास डिज़ाइन के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने का प्रस्ताव करता है अभिन्यास डिज़ाइन की मौलिकता या सुभिन्नता के बारे में रजिस्ट्रार की प्रारम्भिक सलाह के लिए अनुरोध (धारा 78 नियम 21)

मैं/हम -----रजिस्ट्रार से मुझे/हमें यह सलाह देने का अनुरोध करते हैं कि क्या संलग्न अभिन्यास डिज़ाइन उन्हें प्रथमदृष्टया मौलिक प्रतीत होता है ताकि अभिन्यास डिज़ाइन रजिस्टर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम की धारा 7 की उपधारा (1) के खंड (क) की अपेक्षाओं का अनुपालन किया सके ।

रजिस्ट्रार की सलाह भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाए 2-

आज तारीख -----मास -----20

3.-----

सेवा में

रजिस्ट्रार अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन

-----4पर अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन रजिस्ट्री का कार्यालय । नियम

-4 देखें

1. पूरा नाम और पता लिखें
2. यदि 1 पर दिए गए पते का स्थान भारत में नहीं है तो उल्लेख करें
3. हस्ताक्षर
4. अर्द्ध चालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिज़ाइन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के नाम और स्थान का उल्लेख करें । नियम -4 देखें

प्ररूप अ. डि.-22
रजिस्ट्रार के प्रमाण पत्र के लिए अनुरोध
(धारा 80 और 87 नियम 88,89)

अभिन्यास डिजाइन संख्या-----के मामले में 1
में / हम 2----- रजिस्ट्रार से अनुरोध करता हूँ (करते हैं) कि मुझे/ हमें उस आशय की उसके
जो-----6 में रजिस्ट्रीकरण अभिप्राप्त करने में उपयोग के लिए अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण
के प्रमाण पत्र -----5वीं एक प्रतिप्रदान की जाए ।

प्रमाण पत्र / प्रमाणित प्रति भारत में निम्नलिखित पते पर भेजी जाए -

आज तारीख-----मास-----20

हस्ताक्षर-----

सेवा में,
रजिस्ट्रार, अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन
8 पर अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री कार्यालय

1. इन शब्दों में अन्य मामलों के अनुरूप परिवर्तन किया जा सकता है ।
2. अनुरोध करने वाले व्यक्ति का नाम पता और राष्ट्रीयता लिखें
3. जो शब्द लागू न हों उसे काट दें
4. वे विशिष्टियाँ उपर्युक्त करें जिसको प्रमाणित करने के लिए रजिस्ट्रार से अपेक्षा की जाती है या उस दस्तावेज की विशिष्टियाँ बताएं जिसकी प्रमाणित प्रति अपेक्षित हैं।
5. जो शब्द लागू न हों उन्हें काट दें
6. देश का नाम लिखें
7. केवल वहाँ लिखा जाए जहाँ दिया हुआ पता भारत में नहीं है ।
8. रजिस्ट्रीकृत अर्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान के नाम का उल्लेख करें । नियम-4 देखें

अ. डि. प्ररूप-23

समय के विस्तार के लिए आवेदन

(एक ऐसा समय जो अधिनियम में अभिव्यक्त रूप से उपबंधित नहीं है या ऐसा समय है जिसका विस्तार करने के लिए नियम में उपबंध किया गया है)

(धारा 72 (ग) नियम 84)

_____ के मामले में 1
 में (हम) 2 _____ जो उपर्युक्त मामले में _____ हूँ (हैं) का निम्नलिखित आधार पर
 _____ 4 _____ के लिए रो _____ समय के लिए आवेदन करता हूँ (करते हैं) :-

आज तारीख _____ मास _____ 20 _____

5 _____

सेवा में

रजिस्ट्रार, अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन

8 पर अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री कार्यालय

1. यहाँ वे शब्द और संदर्भ संख्यांक लिखें जिससे उस मामले के जिसकी बाबत आवेदन किया गया है ।
2. पूरा नाम और पता लिखें ।
3. समय विस्तार की ।
4. वह प्रयोजन लिखें जिसके लिए समय विस्तार अपेक्षित है ।
5. हस्ताक्षर
6. रजिस्ट्रीकृत अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री के कार्यालय समुचित के स्थान के नाम का उल्लेख करें । नियम-4 देखें

प्ररूप अ. डि.-24

रजिस्ट्रार के विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए आवेदन
(तीन प्रतियों में विवरण सहित तीन प्रतियों में भरा जाए- नियम 84 के)
(धारा 72 (ग) नियम 84)

_____ के मामले में 1

मैं (हम) 2_____ जो उर्पयुक्त मामले में _____हूँ (हैं) 4_____ रजिस्ट्रार
को उनके तारीख _____ मास _____ 20 में उर्पयुक्त मामले में इस विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए
आवेदन करता हूँ / करते ।

यह आवेदन किए जाने के आधार संलग्न कथन में दिए गए हैं

आज तारीख _____ मास _____ 20 _____

3 _____

सेवा में,

रजिस्ट्रार अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन

4 पर रजिस्ट्रीकृत अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. यहाँ वे शब्द और संदर्भ संख्यांक लिखें जिससे उस मामले जिसकी बाबत आवेदन किया गया है ।
2. पूरा नाम और पता लिखें ।
3. हस्ताक्षर
4. रजिस्ट्रीकृत अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन समुचित के कार्यालय के स्थान के नाम का उल्लेख करें । नियम-4 देखें

प्ररूप अ. डि.-25

रजिस्ट्रीकरण के प्रमाणपत्र की दूसरी या और प्रति के लिए अनुरोध
(नियम 46 (2))

मैं / हमें-----रजिस्ट्रार से अनुरोध करता हूँ / करते हैं कि मुझे / हमें, अभिन्यास डिजाइन सं.-----
की बाबत धारा 13 की उप धारा (2) के अधीन मुझे / हमें जारी किए गए रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र की दूसरी /
और प्रति² दें।

प्रमाणपत्र की दूसरी / और प्रति, भारत में मेरे / हमारे निम्नलिखित पक्ष पर भेजी जाए :-

आज तारीख-----मास-----20-----

(आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर)

सेवा में,

रजिस्ट्रार अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री

-----परउ अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री का कार्यालय

-
1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी की नाम और पता लिखें।
 2. जो लागू न हो उसे काट दें।
 3. अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान के नाम का उल्लेख करें। नियम 4 देखें

प्रारूप अ. डि.-26

(धारा 42 के उपधारा (3) के अधीन अपीलीय बोर्ड के समक्ष अपील)

(धारा 42 (3) नियम 74)

अपीलार्थी का नाम और पता-----

प्रत्यर्थी का नाम और पता-----

उस आदेश और विनिश्चय की विशिष्टियाँ जिसके विरुद्ध अपील की जाने हैं-----

अपील के आधार-----

हस्ताक्षर

सत्यापन

मैं, ऊपर उल्लिखित अपीलार्थी सत्यापित करता हूँ कि-----

-----आधारों की अन्तर्वस्तु मेरे निजी ज्ञान तथा विश्वास के अनुसार सत्य

हैं तथा-----

---आधारों की अन्तर्वस्तु मुझे दी गई विधिक सलाह पर आधारित हैं। इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है।

आज-----तारीख-----मास-----20 को सत्यापित किया गया।

हस्ताक्षर

सेवा में

अभिन्यास डिजाइन अपील बोर्ड

प्ररूप अ. डि.-27
(स्वामिस्व के अवधारण के लिए आवेदन)
(धारा 40 (2) नियम 73 (1))

अभिन्यास डिजाइन की संख्या जिसकी बाबत आवेदन किया गया है —————

आवेदक का नाम और पता —————

विरोध पक्षकार का नाम और पता —————

स्वामिस्व के समर्थन में तथ्य और आधार संक्षेप में —————

—————

—————

—————

—————

—————

————— में उल्लिखित अभिन्यास डिजाइन के धारा 18 की बाबत उपधारा (1) के उपखंड (ख) में निर्दिष्ट कृत्यों निष्पादित करने या निष्पादित किए जाने का निदेश दिए जाने से उद्भूत फायदा ।

—————
आवेदक के हस्ताक्षर

सेवा में,
अभिन्यास डिजाइन अपील बोर्ड ।

प्ररूप अ. डि.-28

(अभिन्यास डिजाइन अपील बोर्ड के समक्ष अर्द्ध घालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन अधिनियम 2000 की
धारा 40(3) के अधीन विरोध)
(धारा 40 (3) नियम 73(2))

उस आवेदन की विशिष्टियां जिसके विरुद्ध आवेदन फाइल किया गया है —————

—————

—————

—————

आवेदक का नाम और पता —————

विरोधी पक्षकार का नाम और पता —————

—————

विरोध के आधार —————

—————

—————

—————
विरोधी पक्षकार के हस्ताक्षर

सेवा में,
अभिन्यास डिजाइन अपील बोर्ड

प्ररूप अ. डि.-29

(रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन के प्रयोग की अनुज्ञा के अपील बोर्ड के विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए अनुरोध)
(धारा 51(3) नियम 72)

अभिन्यास डिजाइन सं.-----

मैं / हम 1----- जो अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी हूँ / हैं, धारा 51 की उपधारा (1) के अधीन पूर्वोक्त अभिन्यास डिजाइन के प्रयोग की अनुज्ञा देने वाले अपील बोर्ड के तारीख-----मास----- 20 के विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए निम्नलिखित आधारों पर अनुरोध करता हूँ / करते हैं, अर्थात् :।

आज तारीख -----माह ----- 20

हस्ताक्षर

सेवा में,

अभिन्यास डिजाइन अपील बोर्ड

1. रजिस्टर में यथा उल्लिखित नाम और पता
2. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर

प्ररूप अ.डि. सं.-30

विरोध की सूचना देने के लिए समय के विस्तार के लिए आवेदन)
(धारा 11(1) नियम 33(2))

अभिन्यास डिजाइन सं.----- के मामले में

मैं / हम 1----- तारीख----- मास----- 20----- को अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन जनरल में उपर्युक्त संख्यांक के अधीन विज्ञापित अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण के विरोध की सूचना देने के लिए समय 2----- बढ़वाने के लिए आवेदन करता हूँ / करते हैं।

यह आवेदन देने के कारण निम्नयत् हैं

इस आवेदन से संबंधित सभी पत्राचार भारत में 3 निम्नलिखित पते किए जाएं

आज -----तारीख -----मास----- 20

हस्ताक्षर-----

सेवा में

रजिस्ट्रार, रजिस्ट्रीकृत अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन

----- 4 पर अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. पूरा नाम और पता लिखें
2. समय विस्तार की अपेक्षित अवधि लिखें जो अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन जनरल में आवेदन के, यथास्थिति ज्ञापन या पुनःविज्ञापन की तारीख 3 मास से 1 मास अधिक नहीं होगी।
3. यदि दिया गया पता भारत के भीतर का पता नहीं है तो उल्लेख किया जाए।
4. अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का उल्लेख करें नियम-4 देखें

प्ररूप अ.डि. सं.-31

(रजिस्ट्रार को अभिन्यास डिजाइन के विज्ञापन की विशिष्टियों के लिए अनुरोध)

(नियम 32)

मैं / हम 1----- अनुरोध करते हैं कि मुझे / हमें वह तारीख सूचित किया जाए जिसको ----- के नाम में आवेदन संख्या ----- के अधीन रजिस्टर किए जाने के लिए वांछित अभिन्यास डिजाइन अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन जर्नल में ----- में विज्ञापित किया जाता है।

यह सूचना भारत में निम्नलिखित पते पर 2 भेजी जाए :

आज -----तारीख -----मास----- 20

आवेदक या उसके अभिकर्ता के हस्ताक्षर

सेवा में

रजिस्ट्रार, अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री

----- 3 पर अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. पूरा नाम और पता लिखें
2. यदि दिया 1 में हुआ पता भारत में किसी स्नथान का ही है तभी उल्लेख किया जाए।
3. अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान के नाम उल्लेख करें नियम-4 देखें

प्ररूप अ.डि 32

अधिनियम के अधीन किसी मामले या कार्यवाही में अभिकर्ता के प्राधिकरण का प्ररूप

(धारा 84, नियम 20)

(तत्त्वमय प्रवृत्त विधि के अधीन स्टाप लगाया जाए)

मैं / हम 1----- के लिए मेरे / हमारे अभिकर्ता के रूप कार्य करने के लिए मैं ----- के प्राधिकृत करता हूँ /करते हैं और अनुरोध करता हूँ /करते हैं कि उससे संबंधित सभी सूचनाएँ,अध्यपेक्षाएँ और संसूचनाएँ ऐसे अभिकर्ता उपर्युक्त पते पर भेजें ।

मैं / हम कार्यवाही की बाबत सभी पूर्ववर्ती प्राधिकरण यदि को है, इसके द्वारा प्रतिसंहत करता हूँ / करते हैं ।

4 -----

सेवा में

रजिस्ट्रार , अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री

----- 3 पर अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. पूरा नाम ,पता और राष्ट्रीयता लिखें ।
2. अभिकर्ता (विधि व्यवसायी, रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता या अभिकर्ता को नियुक्त करने वाले व्यक्ति के एक मात्र और नियमित नियोजन में व्यक्ति) का पूरा नाम व पता भरें ।
3. उस विशिष्ट मामले या कार्यवाही का उल्लेख करे जिसके लिए अभिकर्ता नियुक्त किया गया है, यदि ज्ञात हो तो संदर्भ संख्या भी दें ।
4. अभिकर्ता नियुक्त करने वाले व्यक्ति द्वारा हस्ताक्षर किया जाना है ।
5. अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान के नाम का उल्लेख करें । नियम -4 देखें

प्ररूप अ.डि.33

अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण या उसके समनुदेशन या संबंधित उससे पारेषण के रद्दकरण के लिए आवेदन
(धारा 41 नियम 69)

_____ रजिस्टर में यथाप्रविष्ट _____ पते _____ के नाम रजिस्ट्रीकृत
अभिन्यास डिजाइन संख्या _____ के मामले में

में / हम 1 _____ उपर्युक्त अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत 2 / समनुदेशन / पारेषण के रद्दकरण
की सूचना देता हूँ / देते हैं ।
रद्दकरण के आधार निम्नवत् हैं 3,4 _____

आज _____ तारीख _____ मास _____ 20

हस्ताक्षर _____

सेवा में
अभिन्यास डिजाइन अपील बोर्ड

1. पूरा नाम, पता और राष्ट्रीयता बताएँ
2. जो लागू न हो उसे काट दें
3. रजिस्ट्रीकरण के रद्दकरण का आधार यह है कि अभिन्यास डिजाइन मौलिक नहीं है या उसके रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन फाइल करने की तारीख से 2 वर्ष से अधिक अवधि के लिए उसका वाणिज्यिक रूप से उपयोग किया गया है तो उसका सबूत / व्यौरा दें (धारा 7 देखें)
4. यदि समनुदेशन / पारेषण विधि के किसी उपबंध (धारा 41 की उपधारा (1) का खण्ड (ख) देखें) के प्रतिकूल है तो उसका सबूत / व्यौरा दें ।
5. समय बढ़ाने की अपेक्षित अवधि भारें जो अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन के आवेदन के विज्ञापन या पुनःविज्ञापन की तिथि , जैसा भी मामला हो 3 महीने से 1 माह अधिक नहीं होगी ।
6. अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत समुचित कार्यालय के स्थान का उल्लेख करें देखें नियम-4

प्रारूप अ.डि -34

रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन के उपयोग की अनुज्ञा के लिए धारा 51 के अधीन आवेदन
(धारा 51 नियम 70)

आवेदक का नाम और पता _____

उस अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नाम और पता जिसकी बाबत आवेदन किया गया है

अभिन्यास डिजाइन सं. (ऊपर निर्दिष्ट है) _____

क्या केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या ऐसी सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभिन्यास डिजाइन के उपयोग के लिए अनुज्ञा मांगी गई है _____

यदि सरकार द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा अभिन्यास डिजाइन के उपयोग के लिए अनुज्ञा मांगी गई है, तो ऐसे व्यक्ति का नाम और पता

आवेदक के हस्ताक्षर

सत्यापन

मैं, ऊपर निर्दिष्ट आवेदक, सत्यापित करता हूँ कि मेरी व्यक्तिगत जानकारी और विश्वास/सरकारी अभिलेख के आधार पर,
_____ आधारों की अंतर्वस्तु सही है। तथा _____ आधारों की अंतर्वस्तु
मुझे दी गई विधिक सलाह पर आधारित है। इसमें कुछ भी छिपाया नहीं गया है। _____ आज तारीख
_____ मास 20 _____ 20 को सत्यापित।

आवेदक के हस्ताक्षर

1. जो भी लागू न हो, उसे काट दें।

अभिन्यास डिजाइन सं. _____ के मामले में, रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नाम _____
रजिस्टर में यथाप्रविष्ट पता _____

मैं/हमें 1 _____ जो 2 सरकार द्वारा प्राधिकृत हूँ/हैं, निम्नलिखित आधार (आधारों) या 3,4 से
उपर्युक्त अभिन्यास डिजाइन के उपयोग के लिए सूचना दे रहा हूँ/रहे हैं;

- (क) वाणिज्यकेतर सार्वजनिक प्रयोजनों के लिए
- (ख) राष्ट्रीय आपात या अत्यंत सार्वजनिक अत्यावश्यकता से संबंधित प्रयोजनों के लिए

मैं/हम 1 _____ निम्नलिखित आधार (आधारों) पर 3 उपर्युक्त अभिन्यास डिजाइन के उपयोग
के लिए सूचना दे रहा हूँ/रहे हैं।

प्रतियोगिता विरोधी व्यवस्था के उपचार के लिए

मैंने/हमने युक्तियुक्त निबंधनों और शर्तों पर अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी के साथ करार करने का प्रयास किया है और ऐसे प्रयासों में सफल 5 नहीं हुए हैं ।

आज तारीख _____ मास 20 _____ ।

हस्ताक्षर _____

सेवा में,

अभिन्यास डिजाइन अपील बोर्ड,

1. पूरा नाम, पता और राष्ट्रीयता लिखें ।
2. सरकारी प्राधिकरण के ब्यौरे और सबूत दें ।
3. जो लागू न हो, उसे काट दें ।
4. आधारों के ब्यौरे दें ।
5. किए गए प्रयासों का जिनके अंतर्गत पत्राचार की प्रतियाँ शामिल हैं ब्यौरा दें ।
6. जो लागू न हो, उसे काट दें ।

प्ररूप अ.डि.-35

अपील बोर्ड के विनिश्चय या आदेश के विरुद्ध उच्च न्यायालय को आवेदन
(धारा 53 (1) नियम 91)

अभिन्यास डिजाइन सं. _____ के मामले में, रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नाम
_____ रजिस्टर में यथाप्रविष्ट पता _____

मैं/हमें _____ अभिन्यास डिजाइन अपील बोर्ड सं. के विनिश्चय/आदेश
तारीख _____ के विरुद्ध, प्रस्तुत करता हूँ /करते हैं।

अपील के आधार निम्नवत् हैं _____
आज तारीख _____ मास _____ 2000

हस्ताक्षर _____

सेवा में,

रजिस्ट्रार

_____ स्थित उच्च न्यायालय ²

1. जो लागू न हो उसे काट दें ।
2. समुचित उच्च न्यायालय के स्थान का नाम लिखें ।

प्ररूप अ.डि.अ. -1

अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन-पत्र
(नियम 97)
(तीन प्रतियों में भरा जाए)

मैं अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन अधिनियम, 2000 (2000 का 37) के अधीन अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रेशन के लिए आवेदन करता हूँ ।

_____ से चरित्र प्रमाणपत्र इससे संलग्न है ।

मैं घोषणा करता हूँ कि मैं अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन नियम, 2001 के नियम 95 के खण्ड (I), (ii), (iii), (iv), (v) और (vi) में बताई गई किसी नियोग्यता से ग्रस्त नहीं हूँ और यह कि नीचे दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार सही है ।

1. जिसके प्रारम्भ में उपनाम यदि कोई हो, पूरा नाम (स्पष्ट अक्षरों में) _____
2. निवास स्थान का पता _____
3. कारबार का मुख्य स्थान _____
4. पिता का नाम _____
5. राष्ट्रिकता _____
6. जन्म की तारीख और स्थान _____
7. उपजीविका पूर्ण रूप से _____
8. अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण के लिए अर्हताओं की विराष्टियाँ _____
9. क्या किसी समय अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ताओं के रजिस्टर से हटाया गया है और यदि हाँ, तो (इस प्रकार हटाए जाने का कारण) _____

हस्ताक्षर _____

सेवा में,

रजिस्ट्रार, अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ
अभिन्यास डिजाइन
अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास
डिजाइन रजिस्ट्री का कार्यालय

_____ में रजिस्ट्री अभ्यर्थी के चरित्र को प्रमाणित करने का वाला प्रमाण पत्र ऐसे व्यक्ति से होना चाहिए जो अभ्यर्थी का नातेदार न हो तथा जिला मजिस्ट्रेट, मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट या उस जिले का मुख्य प्रशासनिक अधिकारी से हो। जहाँ अभ्यर्थी प्राथमिक रूप से निवास करता है या किसी अन्य व्यक्ति से हो सकता है, जिसे रजिस्ट्रार उपयुक्त समझता है ।

दावा की गई अर्हताओं के समर्थन में मूल डिप्लोमा, प्रमाण पत्र और अन्य दस्तावेज, या किसी मजिस्ट्रेट या नोटरी पब्लिक द्वारा सम्यक रूप से सत्यापित उनकी प्रतियाँ आवेदन के साथ भेजी जानी चाहिए ।

विराष्टियाँ जैसे कि अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता या किसी प्रतिष्ठित वाणिज्यिक फर्म के कार्यालय में अर्जित अनुभव विनिर्दिष्ट किया जाए ।

1. अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम लिखें । नियम 4 देखिए ।

प्ररूप अ.डि.अ-2

अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रजिस्टर में किसी व्यक्ति के नाम के पुनः स्थापन के लिए आवेदन पत्र
(नियम 103)

(तीन प्रतियों में भरा जाए)

मैं _____ (नाम और पता) जो _____ का हूँ
_____ इसके द्वारा अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रजिस्टर में, आवेदन जिसमें मेरा नाम
_____ संख्या के अधीन प्रविष्ट किया गया था आवेदन कर रहा हूँ कि मेरा नाम पुनः स्थापित किया जाए।
अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन नियम, 2001 के नियम 101 (1) के खण्ड (ख) के अधीन हटाया गया था।

आज तारीख _____ मास _____ 20 _____

हस्ताक्षर _____

सेवा में,

रजिस्ट्रार, अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास, डिजाइन के रजिस्ट्रार,
_____ स्थित अर्द्धचालक एकीकृत
परिपथ अभिन्यास डिजाइन का कार्यालय

1. अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम लिखें। नियम 4 देखिए।

प्ररूप अ.डि.अ.-3

अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रजिस्टर में किसी प्रविष्टि के परिवर्तन के लिए आवेदन पत्र
(नियम 104)

(तीन प्रतियों में भरा जाए)

मैं _____ (नाम और पता) जो _____ का हूँ।
तथा एक रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता हूँ (जिसका रजिस्ट्रीकरण सं. _____ है) इसके होने के
नाते एतद्वारा अनुरोध करता हूँ कि अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रजिस्टर में प्रविष्टि किया गया मेरा नाम, निवास स्थान का पता,
व्यवसाय के मुख्य स्थान का पता या मेरी अर्हता में नीचे दिए अनुसार परिवर्तन किया जाए:-

आज तारीख _____ मास _____ 20 _____

हस्ताक्षर _____

सेवा में,

अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास, डिजाइन के रजिस्ट्रार,
_____ स्थित अर्द्धचालक एकीकृत
परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री का कार्यालय

1. जो शब्द लागू न हो उसे काट दें।
2. अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री के समुचित कार्यालय के स्थान का नाम लिखें। नियम 4 देखिए।

अनुसूची-III
रजिस्ट्रार द्वारा प्रयुक्त किए जाने वाले प्ररूप की सूची

प्ररूपों की सूची

प्ररूप सं.	धारा	शीर्ष
शा.अ.डि -1	13(3)	रजिस्ट्रीकरण के पूरा न किए जाने की सूचना
शा.अ.डि -2	13(2)	अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र
शा.अ.डि -3	40(3)	धारा 40(3) के अधीन अभिन्यास डिजाइन अपील बोर्ड को सूचना
शा.अ.डि -4	नियम 100	अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रूप में किसी व्यक्त के रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र
शा.अ.डि -5	25(3)	रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण की सूचना
शा.अ.डि -6	26(2)	रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण को रद्द करने की सूचना
शा.अ.डि -7	30(4)	अपील बोर्ड से रजिस्ट्रार को रजिस्टर के परिशोधन/शुद्धि की अधिसूचना
शा.अ.डि -8	41	अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण या उसके समनुदेशन या संबंधित पारेषण को रद्द करने की सूचना
शा.अ.डि -9	51(2)	रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन के उपयोग की अनुज्ञा देने के विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए सूचना

प्ररूप शा.अ.डि -1

अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री
रजिस्ट्रीकरण पूरा न किए जाने की सूचना
(धारा 13(3), नियम 43)
संख्या _____

जैसा अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन अधिनियम 2001 की धारा 13(1) द्वारा अपेक्षित है, सूचना दी जाती है कि अभिन्यास डिजाइन का रजिस्ट्रीकरण जिसकी बाबत उपर्युक्त संख्यांकित आवेदन तारीख _____ मास _____ 20 _____ को दिया गया था, आवेदक की ओर से व्यतिक्रम के कारण पूरा नहीं किया गया है। जब तक रजिस्ट्रीकरण इस सूचना की तारीख से 21 दिन के भीतर पूरा नहीं कर दिया जाता है, आवेदक को परित्यक्त रूप में माना जाएगा।

आज तारीख _____ मास _____ 20 _____

(रजिस्ट्रार अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन)

सेवा में

प्ररूप शा.अ.डि-2

भारत सरकार

अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र

(धारा 13(2) नियम 46(1))

अभिन्यास डिजाइन सं.....तारीख.....

प्रमाणित किया जाता है कि अभिन्यास डिजाइन 1....., जिसका एक रेखाचित्र/फोटो (पूर्णतः अथवा खण्डितः) इससे उपाबद्ध हैं.....तारीख को.....के नाम में रजिस्टर में रजिस्ट्रीकृत किया गया है।

आज तारीख.....मास.....को मेरे निर्देश पर मुद्रांकित किया गया था।

रजिस्ट्रार, अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्रीकरण इसमें ऊपर प्रथम उल्लिखित तारीख से 10 वर्ष के लिए है।

इस प्रमाणपत्र का उपयोग विधिक कार्यवाही या विदेश में रजिस्ट्रीकरण अभिप्राप्त करने के लिए नहीं है। टिप्पण: अभिन्यास डिजाइन के स्वामित्व में या कारबार के मुख्य स्थान के पते में या भारत में तामील के पते में कोई परिवर्तन होने पर आवेदक को परिवर्तन तुरंत रजिस्ट्रार करना चाहिए।

1. अभिन्यास डिजाइन रजिस्टर में यथाप्रविष्ट अभिन्यास डिजाइन का वर्णन।
2. जो लागू न हो, उसे काट दें।

प्ररूप शा.अ. डि-3

नियम 73 के अधीन अभिन्यास डिजाइन अपील बोर्ड को सूचना

(धारा 40(3), नियम 73(2))

अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन अधिनियम, 2001 की धारा 40(3) द्वारा अपेक्षित है, सूचना दी जाती है किने इस अपील बोर्ड के समक्ष एक आवेदन फाइल किया है, जिसकी एक प्रतिलिपि इसके साथ संलग्न है। आप इस सूचना की आप पर तामील किए जाने की तारीख से तीस दिन के भीतर अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन नियम, 2001 की अनुसूची-11 में विनिर्दिष्ट प्ररूप अ.डि-28 में इस आवेदन पर अपना विरोध फाइल कर सकते हैं।

आवेदन इस अपील बोर्ड के समक्ष तारीख.....मास.....20.....को प्रस्तुत किया जाएगा।

अपील बोर्ड द्वारा प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर

सेवा में,

1. आवेदक का नाम

प्ररूप शा.अ.डि -4

भारत सरकार

अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री
अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रजिस्ट्रीकरण का प्रमाणपत्र
(नियम 99)

संख्या.....

प्रमाणित किया जाता है कि.....के.....को अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन नियम, 2001 के नियम 96 के अधीन रखे गए अभिन्यास डिजाइन अभिकर्ता के रजिस्टर में तारीख.....मास.....20.....को रजिस्टर किया गया था ।

रजिस्ट्रार, अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री .

प्ररूप शा.अ.डि -5

अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन
रजिस्ट्री

रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रूप में रजिस्ट्रीकरण की सूचना
(धारा 25(3) नियम 57)

अभिन्यास डिजाइन सं.....के रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी तथा².....उसके प्रस्तावित रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता ने तारीख.....मास.....20.....को उक्त अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रूप में उक्त प्रस्तावित रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन किया है और 2.....प्रस्तावित रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन अधिनियम, 2000(2000 का 37) की धारा 25 की उपधारा (2) के अधीन रजिस्टर किया गया है ।

अतः यह सूचना.....2 के रजिस्ट्रीकरण के लिए उक्त अधिनियम की धारा 25 की उप धारा (3) के अधीन उक्त अभिन्यास डिजाइन के एक रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रूप में अन्य रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता को जारी की जाती है,

रजिस्ट्रार, अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री

3 सेवा में

1. रजिस्ट्रीकृत स्वत्वधारी का नाम और पता
2. प्रस्तावित रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता का नाम और पता
3. वह पता, जिस पर सूचना भेजी जाती है ।

प्ररूप शा.अ.डि- 6

अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन रजिस्ट्री
रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण को रद्द करने के लिए सूचना
(धारा 26(2) नियम 60)

सं.....

अभिन्यास डिजाइन सं.....तारीख.....

अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन अधिनियम, 2000 (2000 का 37) की धारा 26 की उपधारा (2) के अधीन अपेक्षित सूचना दी जाती है किने तारीखमास.....20..... को रजिस्ट्रीकृत उक्त अभिन्यास डिजाइन केरजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण को रद्द करने के लिए निम्नलिखित आधार पर आवेदन फाइल किया है :

रजिस्ट्रार, अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन

सेवा में,

* 4,5

1. रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता का पूरा नाम और पता
2. रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता के रजिस्ट्रीकरण की तारीख
3. आवेदक का नाम और पता
4. स्थत्वधारी का नाम और पता
5. रजिस्ट्रीकृत उपयोगकर्ता का नाम और पता

* जो लागू न हो उसे काट दें ।

प्ररूप शा.अ.डि- 7

भारत सरकार

अभिन्यास डिजाइन अपील बोर्ड
रजिस्टर के परिशोधन/शुद्धि के लिए सूचना
(धारा 30 (4) नियम 66)

अभिन्यास डिजाइन सं.....तारीख..... सं.....

जैसा अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन अधिनियम, 2000 (2000 का 37) की धारा 30(4) के अधीन अपेक्षित है, सूचना दी जाती है कि पूर्वोक्त अभिन्यास डिजाइन की बायत रजिस्टर में निम्नलिखित परिशोधन/शुद्धि की जाएगी :

1.
2.

हस्ताक्षर

सेवा में,

रजिस्ट्रार, अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन

1. रजिस्टर में किए जाने वाले परिशोधन/शुद्धि के ब्यौरे
2. अपील बोर्ड के प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर

प्ररूप शा.अ.डि -8

भारत सरकार

अभिन्यास डिजाइन अपील बोर्ड

अभिन्यास डिजाइन के रजिस्ट्रीकरण या समनुदेशन या उसके पारेषण को रद्द करने के लिए सूचना
(धारा 41 नियम 69(1))

जैसा अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन अधिनियम, 2000 (2000 का 37) की धारा 41(2) द्वारा अपेक्षित है, सूचना दी जाती है किने अपील बोर्ड के समक्ष एक आवेदन फाइल किया है जिसकी एक प्रति इसके साथ संलग्न है । आप उस तारीख से जिसको यह सूचना आप पर तामील की जाती है, तीस दिन के भीतर आवेदन का उत्तर, यदि कोई है, फाइल कर सकते हैं ।

आवेदन अपील बोर्ड के समक्ष तारीख.....मास20.....को प्रस्तुत किया जाएगा ।

.....अपील बोर्ड द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर

2 सेवा में,.....

1. आवेदक का नाम
2. विरोधी पक्षकार का नाम और पता

प्ररूप शा.अ.डि -9

अभिन्यास डिजाइन अपील बोर्ड

रजिस्ट्रीकृत अभिन्यास डिजाइन के उपयोग की अनुज्ञा देने वाले विनिश्चय के पुनर्विलोकन के लिए सूचना
(धारा 51 (3) नियम 72(2))

सं. _____

अभिन्यास डिजाइन संख्या.....के उपयोग की अनुज्ञा देने वाले विनिश्चय के पुनर्विलोकन की
घाबत जैसा अर्द्धचालक एकीकृत परिपथ अभिन्यास डिजाइन अधिनियम, 2000 (2000 का 37) के अधीन अपेक्षित है, निम्नलिखित
आधार पर सूचना दी जाती है, अर्थात्

इस मामले में बहस तारीख.....मास.....20.....को सुनी जाएगी ।

1.....

सेवा में,

2.....

1. अपील बोर्ड के प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर
2. अपील बोर्ड द्वारा अभिन्यास डिजाइन के उपयोग के लिए प्राधिकृत व्यक्ति का नाम और पता

MINISTRY OF INFORMATION TECHNOLOGY

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th December, 2001

G.S.R. 892(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) read with Sub-section (2) of Section 96 of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Act, 2000 (37 of 2000), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

CHAPTER I

PRELIMINARY

1. Short Title, extent and commencement.—(1) These rules may be called the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Rules, 2001.

(2) They extend to the whole of India.

(3) They shall come into force on the date of the commencement of the Act.

2. Definitions.—In these rules unless the context otherwise requires,—

(a) “Act” means the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Act, 2000 (37 of 2000),

(b) “Form” means a form set out in the Schedule II;

(c) “journal” means the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Journal published by the Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Designs;

(d) “layout-design no.” means the Registration number of the Layout-Design registered under the Act;

(e) “Registry” means the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry;

(f) “Schedule” means a Schedule to these rules;

(g) “Section” means a section of the Act.

3. Principal place of business in India.—“Principal place of business in India” means, —

(i) where a person carries on business of Semiconductor Integrated Circuits or Layout-Design, —

(a) if the business is carried on in India at only one place, that place;

(b) if the business is carried on in India at more places than one, the place mentioned by him as the principal place of business in India,

(ii) where a person is not carrying on a business of Semiconductor Integrated Circuits or Layout-Design, -

(a) if he is carrying on any other business in India at only one place, that place;

(b) if he is carrying on any other business in India at more places than one, the place mentioned by him as the principal place of the business in India; and

(iii) where a person does not carry on any business in India but has a place of residence in India, then, such place of residence in India.

4. Appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry.—The “appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry” for the purpose of making an application for registration of a layout-design shall be the office of the Registry as specified in section 8 and for giving notice of opposition under section 11 or for filing an application for rectification under section 30 or for any other proceedings under the Act and the rules shall be,

(a) in relation to a layout-design on the register, the office of the Registry within whose territorial limits—

(i) the principal place of business in India of the registered proprietor of the layout-design as entered in the register at such date is situate,

(ii) where there is no entry in the register as to the principal place of business in India of the registered proprietor, the place mentioned in the address for service in India as entered in the register at such date is situate,

(iii) in the case of jointly registered proprietors, the principal place of business in India of the proprietor whose name is entered first in the register as having such place of business in India at such date is situate;

- (iv) where none of the jointly registered proprietors is shown in the register as having a principal place of business in India, the place mentioned in the address for service in India of the joint proprietors as entered in the register at such date is situate;
- (v) if no principal place of business in India of the registered proprietor of the layout-design or in the case of joint registration, of any of the joint proprietors of the layout-design, is entered in the register, and the register does not contain any address for service in India, the place of the office of the Registry where the application for registration of the layout-design was made, is situate, and
- (b) in relation to a layout-design for which an application for registration is pending, the office of the Registry within whose territorial limits—
 - (i) the principal place of business in India of the applicant as disclosed in his application or, in the case of joint applicants, the principal place of business in India of the applicant whose name is first mentioned in the application, as having such place of business is situate;
 - (ii) where neither the applicant nor any of the joint applicants, as the case may be, has a principal place of business in India, the place mentioned in the address for service in India as specified in the application is situate.

5. Jurisdiction of appropriate office not altered by change in the principal place of business or address for service.—No change in the principal place of business in India or in the address for service in India, as the case may be—

- (a) of a registered proprietor or of any of the jointly registered proprietors in relation to any layout-design on the register, or
- (b) of an applicant for registration or of any of the joint applicants for registration in relation to any layout-design for which an application for registration is pending,

shall effect the jurisdiction of the appropriate office of the Registry.

6. Entry of the appropriate office in the register.—In respect of every layout-design on the register, the Registrar shall cause to be entered in the register the appropriate office of the Registry and the Registrar may, at any time, correct any error in the entry so made.

7. Leaving of documents etc.—(1) Save as otherwise provided in sub-rule (2), all applications, notices, statements or other documents or any fees authorised or required by the Act or the rules to be made, served, left or sent or paid at or to the Registry in relation to a layout-design on the register for which an application for registration is pending, shall be made, served, left or sent or paid to the appropriate office of the Registry.

(2) Documents or fees authorised or required by the Act or the rules to be sent or paid may be sent or paid at either to the appropriate office or the head office of the Registry in the following matters,—

- (a) communication and other documents including affidavits in relation to an application filed for registration of a layout-design;
- (b) application or request on forms LD-8, LD-9, LD-10, LD-11, LD-13, LD-14, LD-15, LD-16, LD-17, LD-18, LD-19, LD-20, LD-21, LD-22, LD-25, LD-31.

8. Documents, etc. filed or left not at the appropriate office.—Subject to the provisions of rule 7, where any application, notice, statement or other document or any fee authorised or required by the Act or the rules is made, served, left or sent or paid, at or to an office which is not the appropriate office of the Registry, the Registrar shall return such application, notice, statement or document or fee to the person concerned.

9. Issue of notices, etc.—Any notice or communication relating to any application, matter or proceeding under the Act or the rules shall ordinarily be issued from the appropriate office of the Registry but may, nevertheless, be issued from any office of the Registry.

10. Fees.—(1) The fees to be paid in respect of applications, oppositions, registration and other matters under the Act and the rules shall be those specified in Schedule I, hereinafter referred to as the “prescribed fee”.

- (2) Where in respect of any matter a fee is required to be paid under the rules, the form or the application or the request or the petition, therefor, shall be accompanied by the prescribed fee.
- (3) Fees may be paid in cash or sent by money order addressed to the Registrar or by postal order or by a bank draft issued by, or by a cheque drawn on and guaranteed, by a scheduled bank as defined in the Reserve Bank of India

Act, 1934 (2 of 1934) or at the discretion of the Registrar by a cheque drawn on such bank even though not so guaranteed, and if sent through post shall be deemed to have been paid at the time when the money order or the properly addressed and prepaid letter containing the postal order, or bank draft or cheque would be delivered in the ordinary course of post.

- (4) Postal orders shall be crossed and made payable to the Registrar at the appropriate office of the Registry and bank drafts and cheque shall also be similarly crossed and made payable to the Registrar but they shall be drawn on a scheduled bank at the place where the appropriate office of the Registry is situate.
- (5) Where a fee is payable in respect of the filing of a document, the date on which the entire fee is paid shall be deemed to be the date of filing of the document.
- (6) Where any fee paid by a party is ordered to be returned by the Registrar under any of the provisions of the Act or the rules the amount may be refunded by money order in which event money order commission shall be deductible from such amount.

11. Forms.—(1) The forms set forth in Schedules II and III shall be used in all cases to which they are applicable and may be modified as directed by the Registrar to meet other cases.

- (2) Any form, when filed at the Registry, shall be accompanied by prescribed fee.

12. Size, etc. of the documents.—(1) Subject to any other directions that may be given by the Registrar, all applications, notices, statements, or other documents, authorised or required by the Act or the rules to be made, served, left or sent, at or to the Registry or with or to the Registrar or the Appellate Board, shall be written, typewritten or printed in Hindi or in English in large and legible characters with deep permanent ink upon strong paper, and except in the case of affidavits, on one side only, of a size of approximately 33 centimeters by 20 centimeters and shall have on the left hand part thereof a margin of less than 4 centimeters

- (2) Duplicate documents including layout-designs shall be filed at the Registry, if at any time required by the Registrar.

13. Signing of documents.—(1) A document purporting to be signed by a partnership shall be signed by at least one of the partners and the document purporting to be signed by a body corporate shall be signed by a director or by the secretary or other principal officer of the body corporate. The capacity in which an individual signs a document on behalf of a partnership or a body corporate shall be stated below his signature.

- (2) Signature to any documents if written in letters other than Roman, or if not eligible shall be accompanied by a transliteration in English and in block capital letters.

14. Service of documents.—(1) All applications, notices, statements, papers having representations affixed thereto, or other documents authorised or required by the Act or the rules to be made, served, left or sent, at or to the Registry or with or to the Registrar or the Appellate Board, or any other person may be sent through the post by a pre-paid letter.

- (2) Any application or any document so sent shall be deemed to have been made, served, left or sent at the time when the letter containing the same would be delivered in the ordinary course of post.
- (3) In proving such sending it shall be sufficient to prove that the letter was properly addressed and put into the post.

15. Particulars of address, etc. of applicants and other persons.—(1) Names and addresses of the applicants and other persons shall be given in full, together with their nationality, calling, and such other particulars as are necessary for identification.

- (2) In the case of a firm the full name and nationality of every partner thereof shall be stated.
- (3) In the case of foreign applicants and persons having no principal place of business in India, their addresses in their home country shall be given in addition to their address for service in India.
- (4) In the case of a body corporate or firm, the country of incorporation or the nature of registration, if any, as the case may be, shall be given.

16. Statement of principal place of business in India in an application.—(1) Every application for registration of a layout-design shall state the principal place of business in India, if any, of the applicant or in the case of joint applicants, of such of the joint applicants as have a principal place of business in India.

- (2) Subject to the provisions of rules 17, 18 and 20 any written communication addressed to an applicant, or in the case of joint applicants to a joint applicant, in connection with the registration of a layout-design, at the address of his principal place of business in India given by him in the application shall be deemed to be properly addressed.

17. Address for service.—(1) An address for service in India shall be given, -

- (a) by every applicant for registration of a layout-design who has no principal place of business in India;
 - (b) in the case of joint applicants for registration of a layout-design if none of them has a principal place of business in India;
 - (c) by the proprietor of a layout-design who had his principal place of business in India at the date of making the application for registration but has subsequently ceased to have such place; and
 - (d) by every applicant in any proceeding under the Act or the rules and every person filing a notice of opposition, who does not have a principal place of business in India.
- (2) Any written communication addressed to a person as aforesaid at an address for service in India given by him shall be deemed to be properly addressed.
- (3) Unless an address for service in India as required in sub-rule (1) is given, the Registrar shall be under no obligation to send any notice that may be required by the Act or the rules and no subsequent order or decision in the proceedings shall be called in question on the ground of any lack or non-service of notice.

18. Address for service in application and opposition proceedings.—An applicant for registration of a layout-design or an opponent filing a notice of opposition may, notwithstanding that he has a principal place of business in India, if he so desires, furnish the Registrar with an address in India to which communications in relation to the application or opposition proceedings only may be sent. Such address of the applicant or the opponent shall be deemed, unless subsequently cancelled, to be the actual address of the applicant or the opponent, as the case may be, and all communications and documents in relation to the application or notice of opposition may be served by leaving them at, or sending them by post to such address of the applicant or the opponent, as the case may be.

19. Non-availability of an address for service.—The Registrar may, at any time when a doubt arises as to the continued availability of an address for service in India entered in the register, request the person for whom it is entered, by letter directed to any other address entered in the register or if no such address is entered in the register to the address at which the Registrar considers that the letter would reach him, to confirm the address for service in India and if within three months of making such a request the Registrar receives no such confirmation, he may strike the entry in the register of the address for service in India and require such person to furnish a fresh address for service in India, or his address at the principal place of business in India, if he has, any, at that time.

20. Agency.—(1) The authorisation of an agent for the purpose of Section 84 shall be executed on Form LD-32 or in such other written form as the Registrar may deem sufficient and proper

- (2) In the case of such authorisation, service upon the agent of any document relating to the proceeding or matter shall be deemed to be service upon the person so authorising him; all communications directed to be made to such person in respect of the proceeding or matter may be addressed to such agent, and all appearances before Registrar relating thereto may be made by or through such agent.
- (3) In any particular case the Registrar may require the personal signature or presence of an applicant, opponent, proprietor, registered user or other person.

21. Preliminary advice by Registrar as to originality of the layout-design.—An application for preliminary advice by the Registrar under Sub-section (1) of Section 78 shall be made on Form LD-21 accompanied by prescribed fee.

CHAPTER II

PROCEDURE FOR REGISTRATION OF LAYOUT-DESIGN

Application for Registration of Layout-Design

22. Form and signing of application.—(1) An application to the Registrar for the registration of a layout-design under Sub-section (1) of Section 8 shall be made on Form LD-1 accompanied by prescribed fee and shall be signed by the applicant or his agent.

- (2) Three sets of one of the following items, which clearly describe the layout-design, shall be attached. The size of the drawing or the photograph shall not be less than 20 times the size of the semiconductor integrated circuit fabricated using such layout-design, namely:—

- (a) three sets of drawings produced with a plotter which describes the layout-design applied for registration; or
 - (b) three sets of photographs of masks used for the fabrication of the semiconductor integrated circuit by using of the layout-design applied for registration, or drawings which describe the pattern of such masks.
- (3) In the case the applicant for registration of layout-design makes a request in writing for maintaining the secrecy of the layout-design, he may attach in place of the drawings or photographs specified in sub-rule (2), the three sets of partially blocked drawings or photographs of such layout-design to the satisfaction of the Registrar. The Registrar may inspect the complete drawing or photographs of such layout-design. The blocking of such drawing or photograph shall be to the satisfaction of the Registrar such that it does not hamper the identification of the applied-for layout-design. The blocked out area of such drawing or photograph shall not be greater than the area of the remaining portion of layout-design.

23. Application under reciprocal arrangements.—Every application claiming priority under section 93 by reason of an application to register the layout-design having been made in a convention country, so declared under this section, which country shall be named, shall state the date of that application and the applicant shall furnish a certificate by the registrar or other registering authority of that country or shall otherwise verify the application made therein to the satisfaction of the Registrar.

Procedure on receipt of application for registration

24. Acknowledgment or receipt of application.—Every application for the registration of a layout-design shall, on receipt, be acknowledged by the Registrar. The acknowledgement shall be by way of return of one copy of the application on Form LD-1 with the official number of the application duly entered thereon.

25. Objections to acceptance and hearing.—(1) If, on consideration of the application of any evidence of use or of originality or of any other matter which the applicant may or may, be required to, furnish, the Registrar has any objection to the acceptance of the application or proposes to accept it subject to such amendments or modifications as he may think right to impose, the Registrar shall communicate such objections or proposal in writing to the applicant.

- (2) If within three months from the date of the communication mentioned in sub-rule (1), the applicant does not amend the application according to the proposal aforesaid, or submit his observations to the Registrar or apply for a hearing, the application shall be deemed to have been abandoned.

26. Notice of withdrawal of the application for registration.—A notice of withdrawal of application for registration of a layout-design under sub-section (2) of section 78 for the purpose of obtaining repayment of any fee paid on the filing of the application, shall be given in writing within three months from the date of communication mentioned in sub-rule (1) of rule 25.

27. Decision of the Registrar.—(1) The decision of the Registrar under rule 25 or rule 29 after a hearing, or without a hearing if the applicant has duly communicated his observation in writing and has stated that he does not desire to be heard, shall be communicated to the applicant in writing, and if the applicant intends to appeal from such decision he may within one month from the date of such communication apply on Form LD-5 accompanied by prescribed fee to the Registrar requiring him to state in writing the grounds of, and materials used by him in arriving at, his decision.

- (2) In case where the Registrar makes any requirements to which the applicant does not object, the applicant shall comply therewith before the Registrar issues a statement in writing under sub-rule (1).
- (3) The date when the statement in writing under sub-rule (1) is received by the applicant shall be deemed to be the date of communication of the Registrar's decision for the purpose of appeal.

28. Correction and amendment of application.—An applicant for registration of a layout-design, may, whether before or after acceptance of his application but before the registration of the layout-design apply on Form LD-6 accompanied by prescribed fee for the correction of any error in or in connection with his application or any amendment of his application

29. Withdrawal of acceptance by the Registrar.—(1) If, after the acceptance of an application but before the registration of the layout-design, the Registrar has any objection to the acceptance of the application on the ground that it was accepted in error, or that the layout-design ought not to have been accepted in the circumstances of the case, or proposes that the layout-design should be registered only subject to, additional to or different from the amendments or modifications subject to which the application has been accepted, the Registrar shall communicate such objection in writing to the applicant.

- (2) Unless within two months from the date of the communication mentioned in sub-rule (1), the applicant amends his application to comply with the requirements of the Registrar or applies for a hearing, the acceptance of the application shall be deemed to be withdrawn by the Registrar, and the application shall proceed as if it has not been accepted.
- (3) Where the applicant intimates the Registrar within the period mentioned in sub-rule (2) that he desires to be heard, the Registrar shall give notice to the applicant of a date when he shall hear him. Such appointment shall be for a date at least fifteen days after the date of the notice, unless the applicant consents to a shorter notice. The applicant may state that he does not desire to be heard and submit such submission as he may consider desirable.
- (4) The Registrar may, after hearing the applicant, or considering the submissions, if any, of the applicant, pass such orders as he may deem fit.

Advertisement of application

30. Manner of advertisement.—An application for the registration of a layout-design required to be advertised under sub-section (1) of section 10 or to be re-advertised under sub-section (2) of that section shall be advertised in the journal. The following details shall be given in the advertisement, namely:—

- (i) application No;
- (ii) date of acceptance of application for registration of layout-design;
- (iii) name and address of the proprietor as given in the application;
- (iv) brief description of the layout-design;
- (v) whether the layout-design has been commercially exploited, if so the period of such exploitation;
- (vi) the address of the office of the Registry where the application is filed.

31. Notification of correction or amendment of application.—In the case of an application to which clause (b) of sub-section (2) of section 10 applies, the Registrar may, if he so decides, instead of causing the application to be advertised again, insert in the journal a notification setting out the application number, the name and address of the principal place of business in India, if any, of the applicant or address for service in India of the applicant or where the applicant has no principal place of business in India his address for service in India, and the correction or amendment made in the application.

32. Request to Registrar for particulars of advertisement of layout-design.—Any person may request the Registrar on Form LD-31 to be informed of the number, date and page of the journal in which a layout-design specified in the form was advertised and the Registrar shall furnish such particulars to the person making the request.

Opposition to Registration

33. Notice of opposition.—(1) A notice of opposition to the registration of a layout-design under sub-section (1) of section 11 shall be given in triplicate on Form LD-2 accompanied by prescribed fee within three months from the date of advertisement or re-advertisement, as the case may be, of the application for registration in the journal. The notice shall include a statement of the grounds on which the opponent objects to the registration.

- (2) An application for an extension of the period within which a notice of opposition to the registration of a layout-design may be given, shall be made on a Form LD-30 accompanied by the prescribed fee. Such period of extension shall not exceed one month in the aggregate.

34. Counter Statement.—The counter statement required by sub-section (2) of section 11 shall be sent in triplicate on Form LD-3 accompanied by the prescribed fee within two months from the receipt by applicant of the copy of the notice of opposition and shall set out what facts, if any, alleged in the notice of opposition, are admitted by the applicant. The Registrar, on the person giving notice of opposition, shall serve a copy of the counter-statement.

35. Evidence in support of opposition.—(1) Within two months from the service on him of a copy of the counter-statement by the Registrar, the opponent shall either leave with the Registrar such evidence by way of affidavit as he may desire to adduce in support of his opposition or shall intimate to the Registrar and to the applicant in writing that he does not desire to adduce evidence in support of his opposition but intends to rely on the facts in the notice of opposition. He shall deliver to the applicant copies of any evidence that he leaves with the Registrar under this sub-rule.

- (2) If an opponent takes no action under sub-rule (1) within the time therein prescribed, he shall, unless the Registrar otherwise directs, be deemed to have abandoned his opposition.

36. Evidence in support of application.—Within two months from the receipt by the applicant of the copies of affidavits in support of the opposition or of the intimation that the opponent does not desire to adduce any evidence in support of its

opposition, the applicant shall leave with the Registrar such evidence by way of affidavit as he desires to adduce in support of his application and shall deliver to the opponent copies thereof or shall intimate to the Registrar and the opponent that he does not desire to adduce any evidence but intends to rely on the facts stated in the counter statement and/or on the evidence already left by him in connection with the application in question. In case the applicant relies on any evidence already left by him in connection with the application, he shall deliver to the opponent copies thereof

37. Evidence in reply by opponent.—Within one month from the receipt by the opponent of the copies of the applicant's affidavits, the opponent may leave with the Registrar evidence by affidavit in reply and shall deliver to the applicant copies thereof. This evidence shall be confined to matters strictly in reply.

38. Further evidence.—No further evidence shall be left on either side, but in any proceedings before the Registrar, he may at any time, if he thinks fit, give leave to either the applicant or the opponent to leave any evidence upon such terms as to costs or otherwise as he may think fit.

39. Exhibits.—Where there are exhibits to affidavits filed in an opposition a copy of each exhibit shall be sent to the other party on his request and at his expenses, or, if such copies cannot conveniently be furnished the originals shall be left with the Registrar in order that they may be open to inspection. The original exhibits shall be produced at the hearing unless the Registrar otherwise directs.

40. Translation of documents.—Where a document in a language other than Hindi or English referred to in the notice of opposition, counter-statement or an affidavit filed in an opposition, an attested translation thereof in Hindi or English shall be furnished in duplicate.

41. Hearing and decision.—(1) Upon completion of the evidence (if any), the Registrar shall give notice to the parties of a date when he shall hear the arguments in the case. Such appointment shall be for a date at least one-month after the date of the notice, unless the parties consent to a shorter notice. Within fourteen days from the receipt of the notice, any party who intends to appear shall so notify the Registrar on Form LD-4 accompanied by the prescribed fee. Any party who does not so notify the Registrar within the time last aforesaid may be treated as not desiring to be heard and the Registrar may act accordingly.

(2) The decision of the Registrar shall be notified to the parties in writing.

42. Security for costs.—The security of costs which the Registrar may require under sub-section (6) of section 11 may be fixed at any amount which he may consider proper; any such amount may be further enhanced by him at any stage in the opposition proceeding.

Notice of non-completing of Registration

43. Procedure for giving notice.—The notice which the Registrar is required by sub-section (3) of section 13 to give to an applicant shall be sent on Form OLD-1 to the applicant at the address of his principal place of business in India or if he has no principal place of business in India at the address for service in India stated in the application but if the applicant has authorised an agent for the purpose of the application, the notice shall be sent to the agent and a duplicate thereof to the applicant. The notice shall specify twenty-one days' time from the date thereof or such further time as the Registrar may allow, for completion of the registration.

Registration

44. Entry in the Register.—(1) As soon as may be after the expiration of three months from the date of the advertisement or re-advertisement, as the case may be, in the journal of any application for the registration of a layout-design, the Registrar shall, subject to the provisions of sub-section (1) of section 13, enter the layout-design in the register.

(2) The entry of layout-design in the register shall specify the date of the registration of such layout-design, and all particulars required by sub-section (1) of section 6 including—

- (a) date of acceptance of application for registration of layout-design under sub-section (1) of section 10,
- (b) name, address and nationality of the registered proprietor;
- (c) in case the layout-design has been commercially exploited before date of registration under section 13, the period of such exploitation and the place of exploitation;
- (d) office of the Registry where the request for registration was filed;

- (e) the address of the principal place of business in India, if any, of the proprietor of the layout-design or in case of a jointly-owned layout-design, of such of the joint proprietors of the layout-design as have a principal place of business in India;
- (f) where the proprietor of the layout-design has no place of business in India his address for service in India as entered in the application for registration together with his address in his home country;
- (g) in case of a jointly owned layout-design, where none of the joint proprietors has a principal place of business in India, the address for service in India as given in the application together with the address of each of the joint proprietors in his home country;

45. Death of applicant before registration.—In case of death of any applicant for the registration of a layout-design after the date of his application and before the layout-design has been entered in the register, the Registrar may on proof of the applicant's death and on proof of the transmission of the interest of the deceased person, substitute in the application his successor in interest in place of the name of such deceased applicant and the application may proceed thereafter as so amended.

46. Certificate of registration.—(1) The Certificate of registration of a layout-design to be issued by the Registrar under sub-section (2) of 13 shall be on Form OLD-2 with such modifications as the circumstances of any case may require.

- (2) The Registrar may issue a duplicate or further copies of the certificate of registration to be copy of entry in register on request by the registered proprietor on Form LD-25 accompanied by prescribed fee.

CHAPTER III

ASSIGNMENT AND TRANSMISSION

47. Application for entry of assignment or transmission.—An application to register the title of a person who becomes entitled, by assignment or transmission, to a registered layout-design shall be made on Form LD-10 or Form LD-11 accompanied by prescribed fee according as it is made by such person alone or conjointly with the registered proprietor.

48. Particulars to be stated in application.—An application under rule 47 shall contain full particulars of the instrument, if any, under which the application or in case of a joint application, the person other than the registered proprietor claims to be entitled to the layout-design; and such instrument or a duly certified copy thereof shall be produced at the Registry for inspection at the time of application. The Registrar may require and retain an attested copy of any instrument produced for inspection in proof of title, but such copy shall not be open to public inspection.

49. Case accompanying application.—Where a person applying under rule 47 for registration of his title, does not establish his claim under any document or instrument which is capable in itself of furnishing proof of his title, he shall, unless the Registrar otherwise directs, either upon or with the application, state a case setting forth the full particulars of the facts upon which his claim to be proprietor of the layout-design is based, and showing that the layout-design has been assigned or transmitted to him. If the Registrar so requires, the case shall be verified by an affidavit on Form LD-7.

50. Proof of title.—The Registrar may call upon any person who applies to be registered as proprietor of a registered layout-design to furnish such proof or additional proof of title as he may require for his satisfaction.

51. Impounding of instruments.—If in the opinion of the Registrar any instrument produced in proof of title of a person is not properly or sufficiently stamped, the Registrar shall impound and deal with it in the manner provided by Chapter IV of the Indian Stamp Act, 1899.

52. Assignments involving transmission of moneys outside India.—If there is in force any law regulating the transmission of moneys outside India, the Registrar shall not register the title of a person who becomes entitled to a layout-design by an assignment which involves such transmission except on production of the permission of the authority specified in such law for such transmission.

53. Application for Registrar's direction as to advertisement of an assignment of a layout-design without goodwill of the business.—(1) An application for directions under section 22 shall be made on Form LD-8 accompanied by prescribed fee and shall state the date on which the assignment was made. The application shall give particulars of the registration of registered layout-design including user of the registered layout-design. The Registrar may call for any evidence or further information and if he is satisfied with regard to the various matters he shall issue directions in writing with respect to the advertisement of the assignment.

- (2) A request for an extension of the period within which the application mentioned in sub-rule (1) may be made shall be on Form LD-9 accompanied by prescribed fee.

54. Application for entry of assignment without goodwill.—An application under rule 47 relating to an assignment of a layout-design shall state—

- (a) whether the layout-design had been or was used in the business; and
- (b) whether the assignment was made otherwise than in connection with the goodwill of that business;

and if both those circumstances subsisted, then, the applicant shall leave at the Registry a copy of the directions to advertise the assignment, obtained upon application under rule 53, and such proof, including copies of advertisement or otherwise, as the Registrar may require, to show that his directions have been fulfilled and if the Registrar is not satisfied that the directions have been fulfilled, he shall not proceed with the application.

CHAPTER IV

REGISTERED USER

55. Application for registration as registered user.—(1) An application to Registrar for the registration under section 25 of a person as a registered user of a registered layout-design shall be made jointly by that person and the registered proprietor of the layout-design on Form LD-13 accompanied by prescribed fee and shall also be accompanied by the following documents—

- (a) the agreement in writing or a duly authenticated copy thereof, entered into between the registered proprietor and the proposed registered user with respect to the permitted use of the layout-design;
 - (b) the documents and correspondence, if any, mentioned in the agreement referred to in clause (a) or duly authenticated copies thereof;
 - (c) Agreement if any or duly authenticated copies thereof, entered into between the proposed registered user and the registered proprietor as regards the price at which the semiconductor integrated circuit incorporating registered layout-design or an article incorporating such a semiconductor integrated circuit should be sold or the maintenance of particular price for such semiconductor integrated circuits or articles
- (2) There shall also be filed along with the application an affidavit made by the registered proprietor or by some person authorised to the satisfaction of the Registrar to act on his behalf giving—
- (a) particulars and statements required by sub-clauses (i) to (iii) of clause (b) of Sub-section (1) of Section 25;
 - (b) a statement as to whether the layout-design which is the subject of the application has been used by him in the course of trade before the date of the application and if so the amount and duration of such use;
 - (c) a statement as to whether the registered proprietor has acquired title to the layout-design by way of assignment;
 - (d) a statement as to whether the registered proprietor had, before the date of the application for registration as registered user, allowed the use of the layout-design by any person and if so by whom;
 - (e) a statement whether or not the proposed permitted use is intended solely for export from India
- (3) The registered proprietor and the proposed registered user shall also produce and file such other documents and furnish such other evidence and information as may be required in that behalf by the Registrar.
- (4) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), where more than one application for registration as registered user is made by the same registered proprietor and the same proposed registered user in respect of layout-design covered by the same agreement, the documents mentioned in sub-rule (1) may be filed with any one of the applications and a cross reference to such documents given in other application or applications.

56. Entry in the Register.—(1) Where the requirements of rule 55 have been complied with, the Registrar shall register the proposed registered user.

(2) The entry of a registered user in the register shall state the date on which the application for registration of registered user was made and the date of registration of the registered user. The entry shall also state, in addition to the particulars and the statements mentioned in clause (b) of Sub-section (1) of Section 25, the name, description and principal place of business in India of the registered user and if he does not carry on business in India his address for service in India.

57. Notice of registration as registered user.—A notice in writing of the registration of the registered user of a layout-design shall be sent by the Registrar to the registered proprietor of the layout-design, to the registered user and to every other registered user whose name is entered in relation to same layout-design on Form OLD-5. This Form shall also be inserted in the journal.

58. Cancellation of the registration of the registered user.—An application for the cancellation of the registration of a registered user under clause (a) or clause (b) or clause (c) of Sub-section (1) of Section 26 shall be made on Form LD-14 or Form LD-15, as the case may be, accompanied by prescribed fee and shall be accompanied by a statement of grounds on which it is made.

59. Registrar to require information for enforcing of topographical dimensions of the layout-design.—(1) The Registrar may at any time or from time to time require the registered proprietor or the registered user of a layout-design to furnish him with such information as he may require for satisfying himself that the stipulations in the agreement between the registered proprietor and the registered user, regarding the topographical dimensions of the layout-design are being enforced or complied with.

- (2) Where any such information as is referred to in sub-rule (1) is not furnished within the stipulated time allowed by the Registrar, the Registrar may presume that the stipulation in the agreement regarding the topographical dimensions of the layout-design is not being enforced or is not complied with.

60. Notification for cancellation of Registration.—The notice required for in respect of every application under Sub-section (2) of Section 26 shall be made on Form OLD-6 and shall be sent to the registered proprietor and each registered user (not being the applicant) of the layout-design.

61. Procedure on application to cancel registration.—(1) The Registrar shall notify in writing applications under section 26 to the registered proprietor and each registered user (not being the applicant in either case) of the layout-design.

- (2) Any person notified under sub-rule (1) who intends to intervene in the proceedings, shall within one month of the receipt of such notification give notice to the Registrar on Form LD-16 accompanied by prescribed fee to the effect and shall send therewith a statement of the grounds of his intervention. The Registrar shall thereupon serve or cause to be served copies of such notice and statement on the other parties, namely, the applicant, the registered proprietor, the registered user whose registration is the subject-matter of the proceeding in question and any other registered user who intervenes.
- (3) The applicant and any person notified under sub-rule (1) may, within such time or times as the Registrar may appoint, leave evidence in support of his case, and the Registrar after giving the parties an opportunity of being heard, may accept or refuse the application.

62. Registered user's application under Sub-section (2) of Section 31.—Application under Sub-section (2) of Section 31 shall be made on Form LD-6 or Form LD-17 or Form LD-18 or Form LD-19 accompanied by prescribed fee as may be appropriate by a registered user of a layout-design and the Registrar may require such evidence by affidavit or otherwise as he may think fit as to the circumstances in which the application is made.

CHAPTER VI

RECTIFICATION AND CORRECTION OF REGISTER

Rectification of Register

63. Application to rectify the register.—An application to the Appellate Board or to the Registrar under section 30 or Sub-section (1) of Section 48 for making, expunging or varying of any entry relating to a layout-design in the register shall be made in duplicate on Form LD-12 accompanied by prescribed fee and shall be accompanied by a statement in duplicate setting out fully the nature of the applicant's interest and the facts upon which he bases his case. Where the application is made by a person who is not the registered proprietor of the layout-design in question, the application and the statement aforesaid shall be left at the Registry in triplicate. In case there are registered user, such application and statements shall be accompanied by as many copies thereof as there are registered users. A copy each of the application and statement shall be transmitted forthwith by the Registrar to the Registered proprietor and to each of the registered user and to any other person who appears from the register to have an interest in the layout-design.

64. Further procedure.—Within two months from the receipt by a registered proprietor of the copy of the application mentioned in rule 63, he shall send to the Registrar on Form LD-3 a counter statement in triplicate of the grounds on which the application is contested and if he does so the Registrar shall serve a copy of the counter-statement on the person making the application. The provisions of the rules 35 to 41 shall thereafter apply *mutatis mutandis* to the further proceedings.

on the application. The Appellate Board or the Registrar shall not, however, rectify the register merely because the registered proprietor has not filed a counter-statement. In any case of doubt, any party may apply to the Appellate Board or the Registrar, as the case may be, for the directions.

65. Rectification of the Register by Appellate Board or the Registrar of its own motion.—(1) The notice which the Appellate Board or the Registrar is required to give under sub-section (3) of section 30, shall be sent in writing to the registered proprietor, to each registered user, if any, to any other person who appears from the register to have any interest in the layout-design, and shall state the grounds on which the Appellate Board or the Registrar proposes to rectify the register and shall also specify the time, not being less than one month from the date of such notice, within which an application for a hearing shall be made.

- (2) Unless within the time specified in the notice aforesaid, any person so notified sends to the Appellate Board or the Registrar a statement in writing setting out fully the facts upon which he relies to meet the grounds stated in the notice or applies for a hearing, he may be treated as not desiring to take part in the proceedings and the Appellate Board or the Registrar may act accordingly.
- (3) If the Appellate Board or the Registrar decides to rectify the register it shall communicate the decision in writing to the registered proprietor and each registered user, if any.

66. Order of the Appellate Board to the Registrar.—Any order of the Appellate Board to the Registrar for rectification of the register shall indicate the details of making, expunging or varying an entry in the register. The Registrar upon receipt of the notice in Form OLD-7 from the Appellate Board shall rectify the register accordingly.

Change of Address

67. Alteration of Address in register.—(1) A registered proprietor or a registered user of a layout-design, the address or whose principal place of business in India or whose address in his home country, as the case may be, is changed so that the entry in the register is rendered incorrect, shall forthwith request the Registrar on Form LD-18 to make the appropriate change of the address in the register, and the Registrar shall alter the register accordingly, if he is satisfied in the matter.

- (2) A registered proprietor or a registered user of a layout-design, whose address for service in India entered in the register if changed, whether by discontinuance of the address or otherwise, so that the entry in the register is rendered incorrect, shall forthwith request the Registrar on Form LD-19 to make appropriate alteration of the address in the register, and the Registrar shall alter the register accordingly if he is satisfied in the matter.
- (3) A registered proprietor or a registered user of a layout-design the address of whose principal place of business in India or whose address for service in India is altered by a public authority, so that the changed address designates the same premises as entered in the register, may make the aforesaid request to the Registrar on Form LD-18 or Form LD-19, as the case may be, and if he does so he shall leave therewith a certificate of the alteration given by the said authority. If the Registrar is satisfied as to the facts of the case, he shall alter the register accordingly, but shall not require any fees to be paid on the form, notwithstanding the provisions of sub-rule (2) of rule 10 or sub-rule (2) of rule 11.
- (4) (i) Where a registered proprietor makes a request under sub-rules (1), (2) or (3), he shall serve a copy of the request on the registered user or users, if any, and inform the Registrar accordingly.
(ii) When the request aforesaid is made by a registered user, he shall serve a copy thereof on the registered proprietor and other registered users, if any, and inform the Registrar that he had done so.
- (5) In case of the alteration of the address of a person entered in the register as the address for service in India of more than one registered proprietor or registered user of layout-designs, the Registrar may, on proof that the said address is the address of the applicant and if satisfied that it is just to do so, accept an application from that person on Form LD-19 amended so as to suit the case, for appropriate alteration of the entries of his address as the address for service in the several registrations, particulars of which shall be given in such form and may alter entries accordingly.
- (6) All applications under this rule on Form LD-19 shall be signed by the registered proprietor or the registered user, as the case may be, or by an agent expressly authorised by him for the purpose of such an application unless in exceptional circumstances the Registrar otherwise allows.

Correction of Register

68. Application under sub-section (1) of section 31.—Where an application has been made by the registered proprietor under sub-section (1) of section 31 for the alteration of the register by correction or change of any entry relating to layout-design or cancellation of entry of layout-design in the register, the Registrar may require the applicant to furnish such

evidence by affidavit or otherwise as the Registrar may think fit, as to the circumstances in which the application is made. Such application shall be made on Form LD-6, LD-17, LD-18, LD-19 or LD-20 accompanied by prescribed fee as may be appropriate and a copy thereof shall be served by the applicant on the registered user or users, if any, under the registration of the layout-design in question and to any other person who appears from the register to have an interest in the layout-design.

CHAPTER VII

APPELLATE BOARD

69. **Cancellation of registration or of assignment or transmission of layout-design.**— (1) Any person may make application under sub-section (1) of section 41 to apply for the cancellation of the registration or of assignment or transmission of the layout-design to the Appellate Board on Form LD-33 accompanied by prescribed fee. The Board shall give notice on Form OLD-8 to the opposite parties.

- (2) The Appellate Board shall on receipt of replies, to the opposition to the application referred to in sub-rule (1) within the time specified in the notices or where no such reply is filed after the expiration of the period so specified, after giving opportunity of being heard to the applicant and the opposite parties dispose of the application.

70. **Board to permit certain uses of the registered layout-design.**—Subject to the provisions of section 51 of the Act, the Appellate Board may permit the Government or the person authorised by the Government to use the registered layout-design. The application for such permission shall be made on the Form LD-34 accompanied by prescribed fee.

71. **The time period for efforts under first proviso to the sub-section (1) of section 51.**— The person authorised under sub-section (1) of section 51 shall not be permitted under that sub-section the use of a registered layout-design unless the Appellate Board is satisfied that such person has made efforts to enter into agreement with the registered proprietor of such layout-design on reasonable commercial terms and conditions for permitted use of such layout-design and such efforts had not been successful within a period of six months.

72. **Review of the decision of the Appellate Board to permit use of Registered Layout-Design.**— (1) The registered proprietor of a layout-design may request the Appellate Board to review the permission granted under sub-section (1) of section 51, giving details of the reasons for such a review. The request shall be filed on Form LD-29 accompanied by prescribed fee.

- (2) The Appellate Board, on receiving application under sub-rule (1) for review of its decision, shall issue the notice to the person authorised to use the registered layout-design under sub-section (1) of section 51 on Form OLD-9. The date of hearing the arguments of the case shall also be indicated in the notice.
- (3) Appointment for hearing of the arguments in the case under sub-rule (2) shall be for a date at least one month after the date of the notice, unless the parties consent for a shorter notice. Within fourteen days from the receipt of the notice, any party who intends to appear shall notify the Appellate Board. Any party who does not so notify the Appellate Board within the time last aforesaid may be treated as not desiring to be heard and Appellate Board may act accordingly.
- (4) The decision of the Appellate Board shall be notified to the parties in writing.

73. **Application to the Appellate Board for determining of royalty.**— (1) The application under sub-section (1) of section 40 for determining royalty shall be made to the Appellate Board on Form LD-27. Such application shall be accompanied by an affidavit supporting the facts and grounds stated in the application and the copy of the document or other evidences in support of the benefit accrued by performing or directing to perform any of the acts referred to in clause (b) of sub-section (1) of section 18 in respect of the semiconductor integrated circuit or article, as the case may be, in respect of which the royalty is claimed and fee in respect of filing and for the service or execution of the processes amounting to two per cent of the royalty claimed.

- (2) On receipt of an application under sub-rule (1) the Appellate Board shall give notice to the opposite party on the Form OLD-3. The opposing party may file opposition within thirty days from the date on which such notice is served to him on Form LD-28.
- (3) The Appellate Board shall on receipt of opposition under sub-rule (2) or where no such opposition is filed after the expiration of the period of thirty days referred to in sub-rule (2), after giving opportunity of being heard to the applicant and the opposite party, dispose of the application.

74. Appeal to the Appellate Board.—An appeal to the Appellate Board under sub-section (1) of section 42 shall be preferred on Form LD-26 accompanied by prescribed fee and shall be verified by the person preferring the appeal in the manner specified in such form.

A copy of the order on decision against which such appeal is preferred shall be accompanied with such form.

CHAPTER VIII MISCELLANEOUS

75. Extension of time.—(1) An application for extension of time under section 76 not being a time expressly provided in the Act or a time for extension of which provision is made in these rules shall be made on Form LD-23 accompanied by prescribed fee.

- (2) Upon an application made under sub-rule (1) the Registrar, if satisfied that the circumstances are as to justify the extension of the time applied for, may, subject to the provisions of these rules where a maximum time limit is prescribed and subject to such conditions as he may think fit to impose, extend the time and notify the parties accordingly and the extension may be granted though the time for doing the act or taking the proceeding for which it is applied for has already expired or not.

76. Exercise of discretionary power of Registrar.—The time within which a person entitled under section 72 to an opportunity of being heard shall exercise his option of requiring to be heard shall, save as otherwise expressly provided in the Act or these rules, be one month from the date of a notice which the Registrar shall give to such person before determining the matter with reference to which such person is entitled to be heard. If within that month such person is required to be heard, the Registrar shall appoint a date for the hearing and shall give ten days' notice thereof.

77. Notification of decision.—The decision of the Registrar in the exercise of any discretionary power given to him by the Act or these rules shall be notified to the person affected.

78. Amendments and correction of irregularity in procedure.—(1) Any document or drawing or other representation of a layout-design may be amended, and any irregularity in procedure which, in the opinion of the Registrar may be obviated without detriment to the interests of any person, might be corrected, if the Registrar thinks fit on such terms as he may direct

- (2) The Registrar may require the amendment of any application or representation of a layout-design or any other document or the addition of any matter thereto in order to bring it in accordance with the formal requirements of the Act.

79. Directions not otherwise prescribed.—Where in the opinion of the Appellate Board or the Registrar, it is necessary for the proper prosecution or completion of any proceedings under the Act or these rules for a person to perform an act, file a document or produce evidence, which is not provided for by the Act or the rules, the Appellate Board or the Registrar may by notice in writing require the person to perform the act, file the document or produce the evidence, specified in the notice

Hearings

80. Hearings.—(1) In relation to a layout-design for which an application for registration is made, the application as well as any proceeding under the act and the rules shall, in the event of a hearing becoming necessary, be heard at the office of the Registry at which such application was made under sub-section (2) of section 8 or at such place within the territorial jurisdiction of that office as the Registrar may deem proper.

- (2) Where an officer exercising the powers of the Registrar who has heard any matter under the Act or these rules has reserved order thereon, is transferred from one office of the Registry to another office or reverts to another appointment before passing an order or rendering decision thereon, he may, if the Registrar so directs, pass the order or render the decision as if he had continued to be the officer in the office of the Registry where the matter was heard.

Award of costs

81. Costs in uncontested cases.—Where any opposition duly instituted under these rules is not contested by the applicant, the Registrar in deciding whether costs should be awarded to the opponent shall consider whether the proceedings might have been avoided if reasonable notice had been given by the opponent to the applicant before the notice of opposition was filed.

82. Exception to rule 81.—Notwithstanding the provisions of rule 81 costs in respect of fees specified under Forms LD-2, LD-3 and LD-4 and of all stamps used on and affixed to affidavit used in the proceedings shall follow the event.

83. Scale of costs.—Subject to the provisions of rules 81 and 82, in all proceedings before the Registrar, the Registrar may, save as otherwise expressly provided by the Act, award such costs, not exceeding the amount admissible thereof under Schedule I, as he considers reasonable having regard to all the circumstances of the cases.

Review of Decision by Registrar

84. Application for review of Registrar's decision.—An application to the Registrar for the review of his decision under clause (c) of section 72 shall be made on Form LD-24 accompanied by prescribed fee within one month from the date of such decision or within such further period not exceeding one month thereafter as the Registrar may on request allow, and shall be accompanied by the statement setting forth the grounds on which the review is sought. Where the decision in question concern any other person in addition to the applicant, such application and statement shall be left in triplicate and the Registrar shall forthwith transmit a copy each of the application and statement to the other person concerned. The Registrar may, after giving the parties an opportunity of being heard, reject or grant the application, either unconditionally or subject to any conditions or limitations, as he thinks fit.

Affidavits

85. Form, etc. of affidavits.—(1) The affidavits required by the Act and these rules to be filed at the Registry or furnished to the Appellate Board or the Registrar, unless otherwise provided in Schedule II, shall be headed in the matter or matters to which they relate, shall be drawn up in the first person, and shall be divided into paragraphs consecutively numbered; and each paragraph shall, as far as practicable, be confine to one subject. Every affidavit shall state the description and the true place of abode of the person making the same, shall bear the name and address of the person filing it and shall state on whose behalf it is filed.

- (2) Where two or more persons join in an affidavit, each of them shall depose separately to such facts which are within his personal knowledge and those facts shall be stated in separate paragraphs.
- (3) Affidavits shall be taken -
 - (a) in India before any court or person having by law authority to receive evidence, or before any officer empowered by such court as aforesaid to administer oaths or to take affidavits;
 - (b) in any country or place outside India - before a diplomatic or counsellor officer, within the meaning of the Diplomatic and Counsellor Officers (Oath and Fees) Act, 1948, of such country, or place or before the Notary Public, or before a Judge or Magistrate, of the country or place.
- (4) The person before whom affidavit is taken shall state the date on which and the place where the same is taken and shall affix his seal, if any, or the seal of the court to which he is attached thereto and sign his name and description at the end thereof.
- (5) Any affidavit purporting to have affixed, impressed or subscribed thereto or thereon the seal or signature of any person authorised by sub-rule (3) to take an affidavit, in testimony of the affidavit having been taken before him, may be admitted by the Registrar without proof of the genuineness of the seal or signature, or of the official character of that person.
- (6) Alterations and interlineations shall, before an affidavit is sworn or affirmed, be authenticated by the initials of the person before whom the affidavit is taken.
- (7) Where the deponent is unacquainted with the language in which the affidavit is written, a certificate by the person taking the affidavit that the affidavit was translated in his presence to the deponent, that the deponent seemed perfectly to understand it and that the deponent made his signature in his presence, shall appear in the jurat.
- (8) Every affidavit filed before the Registrar in connection with any of the proceedings under the Act or these rules shall be duly stamped under the law for the time being in force.

Inspection of Documents by the Public

86. Inspection of documents.—The documents mentioned in sub-section (1) of section 87 shall be available for inspection at the head office of the Registry. A copy of the register and such of the other documents mentioned in section 87, and as the Central Government may by notification in the Official Gazette, specify, shall be available for inspection at each branch office of the Registry. The inspection shall be made at such times on all the days on which the offices of the Registry are not closed to the public, as may be fixed by the Registrar.

87. Distribution of copies of journal and other documents.—The Central Government may direct the Registrar to distribute the journal and any other document which it may consider necessary, to such places as may be fixed by the Central Government in consultation with the State Governments and notified by the Central Government from time to time in the Official Gazette.

Certificates

88. Certified copies of documents.—The Registrar may furnish certified copies of any entry in the register or certified copies of any document referred to in sub-section (1) of section 87 or of any decision or order of the Registrar, or give a certificate other than a certificate under sub-section (2) of section 13, as to any entry, matter or thing which he is authorised or required by the Act or these rules to make or do, upon receipt from any person of an application therefor on Form LD-22 accompanied by prescribed fee.

89. Certificate for use in obtaining registration abroad.—Where a certificate relating to the registration of a layout-design is desired for use in obtaining registration in any territory outside India, Registrar may furnish the same. The Registrar may state in the certificate such particulars concerning the registration of the layout-design as may seem fit to him. The purpose for which the certificate is issued shall be stated therein.

90. Destruction of records.—Where an application for the registration of a layout-design has been withdrawn, abandoned or refused or a layout-design has been removed from the register, the Registrar may, at the expiration of five years after the application is withdrawn or is abandoned or is refused or after the layout-design is removed from the register, as the case may be, destroy all or any of the records relating to the application of the layout-design concerned.

Appeals to High Court

91. Time for appeal.—An appeal to a High Court from any decision or order of the Appellate Board under the Act shall be made within three months from the date of such decision or order, as the case may be, or within such further time as the High Court may allow. The appeal shall be made on Form LD-35 accompanied by prescribed fee. The appeal shall contain a copy of the decision or order against which the appeal is preferred and grounds on which the appeal is preferred along with evidences, if any.

Application to High Courts

92. Application made to the High Court to be served on the Appellate Board.—A copy of every appeal to the High Court under the Act shall be served on the Appellate Board.

CHAPTER X

REGISTRATION OF LAYOUT-DESIGNS AGENTS

93. Register of layout-design agents.—The Registrar shall maintain a register of layout-design agents wherein shall be entered the name, address of the place of residence, address of the principal place of business, the nationality, qualifications and date of registration of every registered layout-design agent.

94. Qualifications for registrations.—Subject to the provisions of rule 95, a person shall be qualified to be registered as a layout-design agent if he—

- (i) is a citizen of India;
- (ii) is not less than 21 years of age;
- (iii) has passed the examination prescribed in rule 98;
- (iv) is a graduate of any university in India or possesses an equivalent qualification; and
- (v) is considered by the Central Government as a fit and proper person to be registered as a layout-designs agent.

95. Persons debarred from registration.—A person shall not be eligible for registration as a layout-design agent if he—

- (i) has been adjudged by a competent court to be of unsound mind;
- (ii) is an undischarged insolvent;

- (iii) being a discharged insolvent has not obtained from the court a certificate to the effect that his insolvency was caused by misfortune without any misconduct on his part;
- (iv) has been convicted by a competent court, whether within or without India of an offence punishable with imprisonment, unless the offence of which he has been convicted has been pardoned or unless on an application made by him, the Central Government has, by order in this behalf, removed the disability;
- (v) being a legal practitioner has been held guilty of professional misconduct by any High Court in India or by any court beyond the limits of India; or
- (vi) being a chartered accountant, has been held guilty of negligence or misconduct by a High Court.

96. Manner of making application.—All applications under the provisions of this Part shall be made in triplicate, shall be sent to or left at that office of the Registry within whose territorial limits the principal place of business of the applicant is situate.

97. Application for registration as a layout-design agent.—(1) Every person desiring to be registered as a layout-design agent shall make an application on Form LDA-1 accompanied by prescribed fee.

- (2) The applicant shall furnish such further information bearing on his applications as may be required of him at any time by the Registrar.

98. Procedure on application and qualifying requirements.—(1) On receipt of an application for the registration of a person as a layout-design agent, the Registrar, if satisfied that the applicant fulfils the prescribed qualifications, under the fore-going rules shall appoint a date in due course on which the candidate shall appear before him for a written examination in the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Law and practice followed by an interview. The candidate shall be expected to possess a detailed knowledge of the provisions of the Act and rules and a knowledge of the elements of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Law.

- (2) The qualifying marks for the written examination and for interview shall be 40 per cent and 60 per cent respectively and a candidate shall be declared to have passed the examination only if he obtains an aggregate of 50 per cent of the total marks.

99. Certificate of registration.— After a candidate has been interviewed and any further information bearing on his application, which the Registrar may consider necessary has been obtained and if the Registrar considers the applicant eligible and qualified for registration as a layout-design agent, he shall send an intimation to that effect to the applicant and any person so intimated may inform in writing for his registration as a layout-design agent. Upon receipt of the information the Registrar shall cause the applicant's name to be entered in the register of layout-design agents and shall issue to him a certificate on Form OLD-4 of his registration as a layout-design agent on payment of prescribed fee.

100. Continuance of a name in the register of layout-design agents.—The continuance of a person's name in the register of layout-design agents shall be subject to his payment of the fees prescribed in that behalf.

101. Removal of agent's name from the register of layout-design agents.—(1) The Registrar shall remove from the register of layout-designs agents the name of any registered layout-design agent —

- (a) from whom a request has been received to that effect; or
 - (b) from whom the annual fee has not been received on the expiry of three months from the date on which it became due
- (2) The Registrar shall remove from the register of layout-design agents the name of any registered layout-design agent —
- (a) who is found to have been subject at the time of his registration or thereafter has become subject, to any of the disabilities stated in clauses (i) to (vi) of rule 95; or
 - (b) whom the Registrar has declared not be a fit and proper person to remain in the register by reason of any act of negligence, misconduct or dishonesty committed in his professional capacity,
 - (c) whose name has been entered in the register by an error or on account of misrepresentation or suppression of material fact.

Provided that before making such declaration under clause (b), the Registrar shall call upon the person concerned to show cause why his registration should not be cancelled and shall make such further enquiry, if any, as he may consider necessary.

- (3) The Registrar shall remove from the register of layout-design agents, the name of any registered layout-designs agent who is dead.
- (4) The removal of the name of any person from the register of layout-design agents shall be notified in the Official Gazette and in the journal and shall, wherever possible be communicated to the person concerned.

102. Power of Registrar to refuse to deal with certain agents.—(1) The Registrar may refuse to recognise—

- (a) any individual whose name has been removed from, and not restored to the register of layout-design agents;
- (b) any person, not being registered as a layout-design agent, who in the opinion of the Registrar is engaged wholly or mainly in acting as agent in applying for layout-designs in India or elsewhere in the name or for the benefit of the person by whom he is employed;
- (c) any company or firm, if any person whom the Registrar could refuse to recognise as layout-design agent in respect of any business under these rules, is acting as a director or manager of the company or is a partner in the firm.

- (2) The Registrar shall also refuse to recognise as layout-design agent in respect of any business under this rule any person who neither resides nor has a place of business in India.

103. Restoration of removed names.—(1) The Registrar may on an application made on Form LDA-2 accompanied by prescribed fee within six months from the date of removal of his name from the register of layout-design agents from a person whose name has been removed under clause (b) of sub-rule (1) of rule 101, restore his name to the register of layout-design agents and continue his name therein.

- (2) The restoration of a name to the register of layout-designs agents shall be notified in the Official Gazette and in the journal and shall be communicated to the person concerned.

104. Alteration in the register of layout-design agents.—(1) A registered layout-designs agent may apply on Form LDA-3 accompanied by prescribed fee for alteration of his name, address of the place of residence, address of the principal place of business or qualifications entered in the register of layout-design agents. On receipt of such application, the Registrar shall cause the necessary alteration to be made in the register of layout-design agents.

- (2) Every alteration made in the register of layout-design agents shall be notified in the Official Gazette and in the journal.

105. Publication of the register of layout-design agents.—The register of layout-design agents shall be published from time to time, as the Registrar may deem fit, the entries being arranged in the alphabetical order of the surnames of the registered layout-designs agents and, copies thereof shall be placed on sale.

[No. 12 (31)/99-IPC (Pt) Vol -IV]

S. LAKSHMINARAYANAN, Jt. Secy

SCHEDULE I

(Rule 10)

No. of entry	On what payable	Amount Rs. P.	Corresponding Form Number
1	2	3	4
1.	On application to register a layout-design	5000	LD-1
2.	On a notice of opposition under section 11(1)	500	LD-2
3.	On a counter statement in answer to a notice of opposition under section 11(2) or in answer to an application under section 30	500	LD-3
4.	On notice of intention to attend hearing under sections 11 and 30	500	LD-4
5.	On a request under rule 27(1) to state grounds of decision	500	LD-5
6.	On a request for correction of error or for amendment	300	LD-6
7.	On application under section 22 for directions of the Registrar for advertisement of an assignment of layout-design otherwise than in connection with the goodwill of the business	2000	LD-8
8.	On application for extension of time for applying for directions under section 22 for advertisement of assignment of a layout-design otherwise than in connection with the goodwill of the business	500	LD-9

1	2	3	4
9	On Application under section 23 to register a subsequent proprietor in case of assignment or transmission of a layout-design	1500	LD-11 or LD-10
10.	On application under section 30 for rectification of register or removal of layout-design form register	2000	LD-12
11	On application under section 25 to register a registered user of a registered layout-design	3000	LD-13
12.	On application under clause (a) of section 26(a) for cancellation of the entry of a registered user of registered layout-design	1000	LD-14
13	On application under clause (b) or (c) of section 26(1) to cancel the entry of a registered user of a registered layout-design	1000	LD-15
14	On notice under rule 61(2) of intention to intervene in one proceeding for cancellation of entries of a registered user of a registered layout-design	1000	LD-16
15.	On application under section 31 to change the name or description of a registered proprietor or a registered user of a layout-design where there has been no change in the proprietorship or in the identity of a registered user	1000	LD-17
16.	On application under section 31(2) to alter an entry of the address of a registered proprietor or a registered user of a layout-design unless exempted from fee under rule 67(3).	1000	LD-18
17	On application to make an entry of an address for service in India of a registered proprietor or a registered user of a layout-design unless exempted from fee under rule 67(3)	1000	LD-19
18.	On application under clause (c) of section 31(1) for cancelling the entry of a layout-design from the register	1500	LD-20
19.	On request for the Registrar's preliminary advice under section 78 for a layout-design	500	LD-21
20.	On request for certificate of the Registrar under section 80 or 86 [other than a certificate under section 13(2)]	1000	LD-22
21.	On application for extension of time for a month or part thereof under section 76 [not being a time expressly provided in the Act]	1000	LD-23
22.	On application for review of Registrar's decision under section 72(c)	1500	LD-24
23	On a request for a duplicate or further copy of the certificate of registration	2000	LD-25
24.	On application for appeal under section 42(1)	1500	LD-26
25	On application to Appellate Board to review its decision granting permission to use layout-design by Government or a person authorised by the Government	2000	LD-29
26	On application for extension of time for giving notice of opposition	500	LD-30
27	On application for cancellation of registration of a layout-design or of assignment or transmission relating thereto	2000	LD-33
28	On application to Appellate Board for permission to use layout-design by the Government or a person authorised by the Government	2000	LD-34
29.	On appeal to High Court	2000	LD-35
30.	On application for registration of a Layout-Design Agent under rule 97	2000	LDA-1
31	For continuance of the name of a person in the register of Layout-Design Agents under rule 100	1000	
	For every year (excluding the first year) to be paid on the 1st of April, in each year	500	
	For the first year to be paid along with the fee for registration	1500	
	NB : A year for this purpose will commence on the 1st day of April and end on the 31st day of March following.		
32	On application for restoration of the name of a person to the Register of Layout-Design Agents under rule 103	1000	LDA-2
33	On application for an alteration of any entry in the Register of Layout-Design Agents under rule 104	500	LDA-3

SCHEDULE II

FORMS

[LIST OF FORMS]

Form No.	Section of the Act	Title
1	2	3
LD-1	8(1)	Application for registration of layout-design
LD-2	11(1)	Notice of Opposition to Application for Registration of Layout-Design
LD-3	11(2)	Form of Counter-Statement
LD-4	11, 30	Notice of intention to attend hearing
LD-5		Request for statement of grounds of decision under rule 27(1)
LD-6	8(3), 12 & 31	Request for clerical error or for amendment
LD-7		Affidavit (only to be furnished when required by registrar in support of a request under Rule 49)
LD-8	22	Application for directions for the advertisement of an assignment of layout-design otherwise than in connection with the goodwill of the business
LD-9	22	Application for extension of time in which to apply for the registrar's direction for the advertisement of an assignment of layout-design otherwise than in connection with the goodwill of the business
LD-10	23	Request to register a subsequent proprietor of a layout-design upon the same devolution of title
LD-11	23	Joint request by registered proprietor and transferee to register the transferee as subsequent proprietor of layout-design upon the same devolution of title
LD-12	30 & 48(1)	Application for the rectification of the register
LD-13	25	Application for registration of registered user
LD-14	26(1)(a)	Application by registered proprietor of a layout-design or by any of the registered user of the layout-design for the cancellation of the registered user thereof
LD-15	26(1)(b) or (c)	Application for cancellation of entry of a registered user of a layout-design
LD-16		Notice of intention to intervene in proceedings for the cancellation of an entry of a registered user of a layout-design [rule 61(2)]
LD-17	31	Request to enter change of name or description of registered proprietor (or registered user) of the layout-design upon the register
LD-18	31	Application under section 31(2) to alter an entry of the address of a registered proprietor or a registered user of a layout-design unless exempted from fee under rule 67(3)
LD-19		Form for request by a registered proprietor or a registered user of a layout-design who has no principal place of business in India, to enter, alter or substitute an address for service in India as part of his registration
LD-20	31(1)(c)	Application by registered proprietor of layout-design for the cancellation of entry thereof in the register
LD-21	78	Request for registrar's preliminary advice as to on the originality or distinctiveness of the layout-design by a person proposing to apply for the registration of layout-design
LD-22	80 and 87	Request for certificate of the registrar

1	2	3
LD-23	76	Application for extension of time [not being a time expressly provided in the Act or a time for the extension of which provision is made in the rule
LD-24	72(c)	Application for review of registrar's decision
LD-25		Request for duplicate or further copy of the certificate of registration [rule 46(3)]
LD-26	42	Appeal to the Appellate Board under sub-section (1) of section 41
LD-27	40	Application to Appellate Board to determine royalty (rule 73)
LD-28	40(3)	Opposition under section 40(3) before the Appellate Board
LD-29	51(2)	Request for review of decision of Appellate Board to permit use of registered layout-design
LD-30	11(1)	Application for extension of time for giving notice of opposition
LD-31		Request to registrar for particulars of advertisement of a layout-design rule 32
LD-32	84	Form of authorisation of agent in a matter or proceeding under the Act
LD-33	41	Notice of cancellation of registration of a layout-design or of assignment or transmission relating thereto
LD-34	51	Request for the permission to use the registered layout-design without authorisation of the proprietor
LDA-1		Application for registration as a layout-designs agent (rule 97)
LDA-2		Application for the restoration of the name of a person to the register of layout-designs agents (rule 103)
LDA-3		Application for an alteration of an entry in the register of trade marks agents (rule 104)

FORM LD-1**APPLICATION FOR REGISTRATION OF LAYOUT-DESIGN***[Section 8(1), Rule 22]**(to be filed in triplicate)*

Application is hereby made for the registration of layout-design¹ _____ in the name(s)² of _____
 — whose address(s)³ _____ is claim(s) to be the proprietor thereof in respect of the said layout-design.

Endorsed herewith is the duly completed Statement of Particulars relating to the layout-design

The particulars set forth in the enclosed Statement of Particulars are true to the best of my/our knowledge, information and belief.

Dated this _____ day of _____ 20—.

To

The Registrar Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design, Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at⁴ _____.

¹ Title of the layout-design.

² Insert legibly the full name, description and nationality of the applicant. In the case of a body corporate or firm the country of incorporation or the names and description of the partners composing the firm and the nature of registration, if any, as the case may be, should be stated. See rule 15.

³ The applicant must state the address of his principal place of business in India, if any. See rules 3 and 16.

⁴ Signature of the applicant or his agent (legal practitioner or registered layout-design agent or person in the sole and regular employment of the applicants. See section 84).

⁵ State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry. See rule 4.

⁶ Layout-design drawings should be preferably on a paper of size 33-centimeter by 20-centimeter.

Statement of Particulars*(Refer Form LD-1)*

1. Application No. (to be filled in by the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry):
2. Title of the layout-design
3. Classification of the semiconductor integrated circuit which can be manufactured using the layout-design
 - (i) Structure¹
 - (ii) Technique²
 - (iii) Function³
4. Brief description of the layout-design
5. Whether the layout-design has been commercially exploited [Yes /No]
 If yes, then in Place / Country _____ on Dated this _____ day of _____ Year —
6. Documents enclosed
 - (i) Drawings/ photograph (three sets)
 - (ii) Semiconductor integrated circuits (4 pieces)
 [Where an Integrated Circuit (IC) has been made using layout-design applied for registration]
 - (iii) Details of the fees deposited
 - (iv) Others
7. Name and address of the agent
8. Others, if any

Place: _____

Date: _____

1. Structure implies giving structure details like Bipolar, MOS, Bi-MOS, Optical IC, Other (specify)
2. Technique implies giving technique details like TTL, DTL, CMOS, NMOS, PMOS, Other (specify).
3. Function implies giving functional details like Logic, Memory, Linear, Microcomputer, Other (specify)
4. Signature of the applicant or his agent (legal practitioner or registered layout-design agent or person in the sole and regular employment of the applicant. See section 84)

FORM LD-2**NOTICE OF OPPOSITION TO APPLICATION FOR REGISTRATION OF A LAYOUT-DESIGN***[Section 11(1), Rule 33]**(To be filled in triplicate)*

In the matter of Application No. _____ by _____ I (we)¹ _____ hereby give notice of my (our) intention to oppose the registration of the semiconductor integrated circuit layout-design advertised under the above number in the semiconductor integrated circuits layout-design Journal dated the _____ day of _____ 20—, No. _____ page _____.

The grounds of opposition are as follows^{2, 3}:

All communication in relation to these proceedings may be sent to the following address in India⁴.

Dated this _____ day of _____ 20—

⁵ _____

To

The Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at^o —.

1. State full name and address. An address for service in India should be given if the opponent has no place of business or residence in India
2. Give proof/details if opposition is on the ground that the layout-design applied-for registration is not original.
3. Give proof if the opposition is on the ground that the layout-design has been commercially exploited for a period more than two years on the date on which the application is applied for registration
4. To be stated only by an opponent who has given the address of his principal place of business or of residence in India but who desires to give for the purposes of the opposition proceedings address in India different from that address.
5. Signature of the applicant or his agent (legal practitioner or registered layout-design agent or person in the sole and regular employment of the applicant. See section 84)
6. State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry.

FORM LD-3

FORM OF COUNTER-STATEMENT

[Section 11(2) , Rules 34, 64]

(To be filled in triplicate)

In the matter of an 'opposition/cancellation no. ——— to application no. ——— for the registration of a semiconductor integrated circuit layout-design.

I/ we¹ ——— the applicant(s) for registration/registered proprietor of the above semiconductor integrated circuit layout-design, here by give notice that the following are the grounds on which I/we rely for my/our application:

I / we admit the following allegations in the notice of 'opposition / cancellation :

All communication in relation to these proceedings may be sent to the following address in India².

—————Dated this —————day of ————— 20——

—————

³To

—————

1. State full name and address. An address for service in India should be given if the opponent has no place of business or residence in India
2. To be stated only by an applicant who has given the address of his principal place of business or of residence in India but who desires to give for the purposes of the opposition proceedings address in India different from that address.
3. Signature of the applicant or his agent (legal practitioner or registered layout-design agent or person in the sole and regular employment of the applicant - see section 84)
4. Strike out whichever is not applicable
5. Counter statement shall be addressed to Layout-Design Appellate Board in the case of cancellation of Registration or of assignment or transmission of a layout-design (see rule 69) and shall be addressed to the Registrar of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design in the case of opposition to registration [see rule 33(2)].

FORM LD-4

NOTICE OF INTENTION TO ATTEND HEARING

[Section 11, 30; Rule 41(1), 64]

In the matter of ¹ ————— I/ we² ————— hereby give notice that the hearing in reference to the above matter, which by the official notice to mc / us dated the ————— day ————— of ————— 20—— is fixed for ————— A.M. or P.M at ————— the³ ————— on the day of ————— 20—— will be attended by mc / us or by some person on my / our behalf.

Dated this —————day of ————— 20——.

⁴ —————

To _____

1. Insert particulars as in the official notice.
2. Insert name and address
3. Insert the Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry or place at which hearing will take place according to the office notice.
4. Signature of the person giving notice or his agent (legal practitioner or registered layout-design agent or person in the sole and regular employment of the applicant. See section 84)
5. State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry. See rule 4.
6. Notice of Intention to attend hearing shall be addressed to Layout-Design Appellate Board in the case of cancellation of Registration or of assignment or transmission of a layout-design (see rule 69) and shall be addressed to the Registrar of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design in case of opposition to registration.

FORM LD-5

REQUEST FOR STATEMENT OF GROUNDS OF DECISION

[Rule 27(1)]

In the matter of¹ _____ the Registrar is hereby requested to state in writing the grounds of his decision dated the _____ day of _____ 20__ after hearing on the _____ day of _____ 20__ and the materials used by him in arriving at the decision

Dated this _____ day of _____ 20__.

2 _____

To

The Registrar of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design, Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at³ _____

1. Insert particulars identifying the application.
2. Signature of the applicant or his agent (legal practitioner or registered layout-design agent or person in the sole and regular employment of the applicant - see section 84)
3. State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry. See rule 4.

FORM LD-6

REQUEST FOR CORRECTION OF CLERICAL ERROR OR FOR AMENDMENT

[Sections 8(3), 12 and 31 Rules 28, 62, 68]

In matters of¹ _____ I / we _____ being the² applicant(s) in the above matter hereby
 opponent(s)
 registered proprietor(s)
 registered user(s)
 request that _____

³A copy of the request has been served on the registered proprietor(s) / registered user(s).

Dated this _____ day of _____ 20__.

4 _____

To

The Registrar of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design, Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at⁴ _____

1. Insert words and reference number identifying the entry or application or opposition.
2. Strike out words which are not applicable.
3. Strike out if not applicable.
4. Signature
5. State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry. See Rule 4

FORM LD-7**AFFIDAVIT (ONLY TO BE FURNISHED WHEN REQUIRED BY REGISTRAR IN SUPPORT OF A REQUEST UNDER RULE 49)***(Rule 49)*

I¹, _____ of _____ do hereby solemnly and sincerely declare that the particulars set out in the statement of case and left by me in connection with² _____ in respect of the layout-design no. _____ are true and comprise every material fact and document affecting the present proprietorship of the layout-design, to the best of my knowledge, information and belief.

Dated this _____ day of _____ 20— Before me⁴ _____

1 Insert full name, address and nationality of deponent.

2 Insert particulars of the proceedings concerned

3 To be signed here by the person making the declaration.

4 Signature and title of authority before whom affidavit is taken. In India affidavit may be taken before any court or person having by law authority to receive evidence or before an officer empowered by a court to administer oath. Outside India affidavit may be taken before a diplomatic or consular officer within the meaning of the Diplomatic and Consular Officers (Oath and Fees) Act, 1948, (41 of 1948) of such country or place or before a notary of the place if the notarial acts done by notaries of the place have been recognised by Central Government under section 14 of the Notaries Act, 1952 (53 of 1952).

FORM LD-8**APPLICATION FOR DIRECTIONS FOR THE ADVERTISEMENT OF AN ASSIGNMENT OF LAYOUT-DESIGN OTHERWISE THAN IN CONNECTION WITH THE GOODWILL OF THE BUSINESS***[Section 22 Rule 53(1)]**(To be filed in duplicate)*

Application is hereby made by¹ _____ for the Registrar's direction with respect to the advertisement of an assignment of the following layout-design otherwise than in-connection with the goodwill of the business in which it had been/was⁴ used namely :—

Layout-design No. _____

The date of assignment was the _____ day of _____ 20—.

The instrument effecting the assignment is sent herewith, together with a copy thereof.

It is suggested that the advertisement shall be directed on the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Journal _____

All communication relating to this application may be sent to the following address in India _____

Dated this _____ day of _____ 20—.

² _____

To

The Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design,

The Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at¹ _____

1 Insert the name, nationality and address of the assignee (applicant).

2 Signature of the applicant or his agent (legal practitioner or registered layout-design agent or person in the sole and regular employment of the applicant - see section 84)

3 State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry. See rule 4

4. Strike out whichever is not applicable.

FORM LD-9**APPLICATION FOR EXTENSION OF TIME IN WHICH TO APPLY FOR THE REGISTRAR'S DIRECTION FOR THE ADVERTISEMENT OF AN ASSIGNMENT OF LAYOUT-DESIGN OTHERWISE THAN IN CONNECTION WITH THE GOODWILL OF THE BUSINESS***[Section 22 Rule 53(2)]*

Application is hereby made by¹ ——— for extension of time of² ——— month(s) in which to apply for Registrar's directions for the advertisement of an assignment of the following layout-design otherwise than in connection with the goodwill of the business in which it³ has been/was used, namely .—

Layout-design number ———

The date of assignment was the ——— day of ——— 20—

All communication relating to this application may be sent to the following address in India ———

Dated this ——— day of ——— 20—.

4 ———

To

The Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design,

The Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at⁵ ———

1. Insert the name and address of the assignee (applicant).
2. Insert "one", "two" or "three".
3. Strike out words not applicable.
4. Signature of the applicant or his agent (legal practitioner or registered layout-design agent or person in the sole and regular employment of the applicant. See section 84)
5. State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry. See rule 4.

FORM LD-10**REQUEST TO REGISTER A SUBSEQUENT PROPRIETOR OF A LAYOUT-DESIGN UPON THE SAME DEVOLUTION OF TITLE***(Section 23 Rule 47)*

I/ we¹ ——— hereby request that my/our name may be entered in the register of layout-designs as proprietor of layout-design No. ——— as from the² ———.

I am (or we are) entitled to layout-design by virtue of³ ——— of which the original and an attested copy are enclosed herewith.

The assignment of the layout-design was⁴ (not) made otherwise than in connection with the goodwill of the business in which layout-design⁴ (had been)/(was)⁴ used (and there is sent herewith a copy of the Registrar's direction to advertise the assignment, a copy of each of the advertisement complying therewith).

I / we declare that the facts and matters stated herein are true to the best of my/our knowledge, information and belief

Dated this ——— day of ——— 20—.

5 ———

To

The Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design,

The Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at⁶ ———

1. Insert full name, address of the principal place of business in India, if any, nationality and description of the applicant. If there is no place of business in India, state the address of the place of residence in India, if any. If there is not even a place of residence in India, state the address in the home country abroad and an address for service in India
2. State the date of acquisition of proprietorship.
3. Insert full particulars of the instrument of assignment or transmission, if any, or statement of case.
4. Strike out any words not applicable.
5. Signature of the applicant.
6. State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry. See rule 4

FORM LD-11**JOINT REQUEST BY REGISTERED PROPRIETOR AND TRANSFEREE TO REGISTER THE TRANSFEREE AS SUBSEQUENT PROPRIETOR OF LAYOUT-DESIGN UPON THE SAME DEVOLUTION OF TITLE***(Section 23 Rule 47)*

We¹ _____ and² _____ hereby request, under rule 47, that the name of³ _____ carrying on business as⁴ _____ at⁵ _____ may be entered in the register of layout-design as proprietor of the layout-design no _____ as from the⁶ _____ by virtue of⁷ _____ of which the original and an attested copy are enclosed herewith.

The assignment of the layout-design was⁸ (not) made otherwise than in connection with the goodwill of the business in which the layout-design (has been)/was used⁸ (and there is sent herewith copy of the Registrar's direction to advertise the assignment, a copy of each of the advertisement, complying therewith and a statement of the dates of the issue of any publications containing them).

We declare that the facts and matters stated herein are true to the best of our knowledge, information and belief.

Dated this _____ day of _____ 20—.

(Signature of the applicants)

To

The Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design,

The Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at⁹ _____

1. Full name, address, and nationality of registered proprietor, or other assignor or transmitter.
2. Full name, address and nationality of transferee.
3. Name of transferee.
4. Description of transferee (calling or profession).
5. Address of the principal place of business in India, if any, of the transferee. If there is no place of business in India state the address of the place of residence in India. If there is not even place of residence in India, state the address in the home country abroad and an address for service in India.
6. Date of acquisition of proprietorship.
7. Full particulars of the instrument of assignment or transmission, if any, or statement of case.
8. Strike out words not applicable.
9. State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry. See rule 4.

FORM LD-12**APPLICATION FOR THE RECTIFICATION OF THE REGISTER***[Sections 30 and 48(1) Rule 63]*

(to be filed in duplicate along with the statement of case in duplicate and accompanied by as many copies of each of them as there are registered users under the registration)

In the matter of layout-design no. _____ in the name of _____

I/we¹ _____ hereby apply that the entry in the register in respect of the above mentioned layout-design may be (removed)² / (rectified) in the following manner :—

The grounds of my/our application are as follows :—

The³ _____ office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry has been entered in the register as the appropriate office in relation to this layout-design.

No action concerning the layout-design in question is pending in court.

All communications relating to these proceedings may be sent to the following address in India⁴ :—

Dated this _____ day of _____ 20—

Signature _____

To

The Layout-Design Appellate Board,

Or

To

The Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design,

The Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at⁵ _____

1. State full name, address and nationality. An address for service in India should be stated if the applicant has no place of business or of residence in India - see rule 17.
2. Strike out whichever is not applicable.
3. State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry. See rule 4.
4. To be stated only by an applicant who has given the address of the principal place of business or of residence in India but who desires to give for the purpose of these proceedings an address in India different from that address.
5. State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry. See rule 4.

FORM LD-13**APPLICATION FOR REGISTRATION OF REGISTERED USER**

[Section 25 Rule 55]

(To be filed in triplicate accompanied by the agreement in writing between the registered proprietor and the proposed registered user or a duly authenticated copy thereof, the other documents mentioned in rule 55(1), an affidavit setting forth particulars and statement as required by rule 55(2) and by two copies of each of the aforesaid document)

Application is hereby made by¹ _____ who is (or are) the registered proprietor (s) of the layout-design no. _____ in respect of² _____ and by³ _____ that the said⁴ _____ may be registered as a registered user of the above mentioned registered layout-design subject to the following conditions and restrictions⁵ :—

⁶(The proposed permitted use is to end on the _____ day of _____ 20____) /

(The proposed permitted use is without limit of period)

Dated this _____ day of _____ 20____.

7

8

To

The Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design,

The Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at⁹ _____

1. State full name, address and nationality of the registered proprietor.
2. Insert specifications as in the register
3. Insert full name, address of the principal place of business in India, if any, nationality and description of the proposed registered user. If there is no place of business in India, state the address of the place of residence in India, if any. If there is not even a place of residence in India, state the address in the home country abroad and an address for service in India.
4. Insert name of the proposed registered user
5. Write none if there are no conditions or restrictions.
6. Strike out the words that are not applicable.
7. Signature of the registered proprietor or his agent.
8. Signature of the proposed registered user or of his agent.
9. State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry. See rule 4.

FORM LD-14

**APPLICATION BY REGISTERED PROPRIETOR OF A LAYOUT-DESIGN OR BY ANY OF THE
REGISTERED USER OF THE LAYOUT-DESIGN FOR THE CANCELLATION OF THE
REGISTERED USER THERE OF**

[Section 26(1)(a) Rule 58]

(To be filed in triplicate accompanied by a statement in triplicate of the grounds for the application)

Application is hereby made by¹ _____ being (the registered proprietor)² (a registered user) of layout-design no. _____ in respect of³ _____ for the cancellation of the entry under the above mentioned registration of⁴ _____ as a registered user of the layout-design.

The grounds for this application are set forth in the accompanying statement.

Dated this _____ day of _____ 20—.

Signature _____

To

The Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design,

The Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at⁵ _____

- 1 Insert full name and address of the applicant or of the applicants.
2. Strike out the words which are not applicable.
- 3 Insert the specifications as in the register.
- 4 Insert the full name and address of the registered user whose entry is sought to be cancelled.
5. State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry. See rule 4

FORM LD-15

APPLICATION FOR CANCELLATION OF ENTRY OF A REGISTERED USER OF A LAYOUT-DESIGN

[Section 26(1)(b) or (c) Rule 58]

(To be filed in triplicate accompanied by a statement in triplicate of the grounds for the application)

In the matter of the layout-design no. _____ registered in the name of¹ _____

Application is hereby made by² _____ for the cancellation of the entry under the above mentioned registration of³ _____ as the registered user thereof.

The grounds of this application, particulars of which are given in detail in the accompanying statement of case are⁴ _____

All communications relating to these proceedings may be sent to the following address in India⁵ :—

Dated this _____ day of _____ 20—.

Signature _____

To

The Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design,

The Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at⁶ _____

- 1 Insert the name of the registered proprietor
- 2 Insert the name, address and nationality of the applicant for the cancellation.
- 3 Insert the name, address and description of the registered user as entered in the register.
4. Insert one or more of the sub-clauses of (b) of section 26(1).
- 5 To be stated only by an applicant who has given the address of the place of business or of residence in India but who desires to give for purposes of these proceedings address different from that address.
- 6 State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry. See rule 4

FORM LD-16**NOTICE OF INTENTION TO INTERVENE IN PROCEEDINGS FOR THE CANCELLATION OF AN ENTRY OF A REGISTERED USER OF A LAYOUT-DESIGN***[Rule 61 (2)]**(To be filed in triplicate accompanied by a statement in triplicate of the grounds of intervention)*In the matter of layout-design no. _____ registered in the name of¹ _____

And

In the matter of registration of² _____ thereunder as a registered user of the layout-design. I / we³ _____ hereby give notice of my/our intention to intervene in the proceedings in the above matter.All communications relating to these proceedings may be sent to the following address in India :—

Dated this _____ day of _____ 20____.

4 _____

To

The Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design,

The Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at⁵ _____

1. Insert the name of the registered proprietor
2. Insert the name, address of the registered user
3. Insert full name, address and nationality of the person giving notice.
4. Signature of the person giving notice or his agent.
5. State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry. See rule 4.

FORM LD-17**REQUEST TO ENTER CHANGE OF NAME OR DESCRIPTION OF REGISTERED PROPRIETOR (OR REGISTERED USER) OF THE LAYOUT-DESIGN UPON THE REGISTER***[Section 31 Rule 62, 68]*I / we¹ _____ hereby request that my/our name(s) and description may be entered in the Register of Layout-Designs as² proprietor(s)/registered user(s) of the layout-design no. _____.

I am/we are entitled to said layout-design as

_____ to use the said layout-design.

There has been no change in the actual proprietorship³/identity of registered user(s) of the said layout-design, but⁴ _____The entry at present standing in the register gives my/our name(s) and description as follows:—

_____⁴A copy of this request has been served upon the registered user(s)/proprietor(s).

Dated this _____ day of _____ 20____.

5 _____

To

The Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design,

The Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at⁶ _____

1. Insert present name and address of the registered proprietor or registered user
2. Strike out the words that are not applicable.
3. State the circumstances under which the change of name took place.
4. Strike out if not applicable.
5. Signature of the applicant or his agent.
6. State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry. See rule 4.

FORM LD-18**REQUEST TO ENTER CHANGE OF NAME OR DESCRIPTION OF REGISTERED PROPRIETOR
(OR REGISTERED USER) OF LAYOUT-DESIGN UPON THE REGISTER***(Section 31, Rules 62, 67, 68)*

In the matter of layout-design no. _____.

I / we _____ of _____ being the registered proprietor/user¹ of the layout-design numbered as above.²Address of my/our principal place of business/or residence in India or address in my/our home country abroad in the Register of Layout-Designs be altered to _____.³The change of address was ordered by⁴ _____ on the _____ day of _____ 20____. An officially certified copy of the order is enclosed herewith.A copy of this request has been served on the registered proprietor/user².

Dated this _____ day of _____ 20____.

5 _____

To

The Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design,

The Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at⁶ _____

1. Strike out whichever is not applicable.
2. Strike out word(s) not applicable.
3. Strike out if not applicable.
4. Insert the name of the public authority ordering the change and date thereof.
5. Signature of the registered proprietor/user or of his agent.
6. State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry. See rule 4.

FORM LD-19**FORM OF REQUEST BY A REGISTERED PROPRIETOR OR A REGISTERED USER OF A LAYOUT-DESIGN
WHO HAS NO PRINCIPAL PLACE OF BUSINESS IN INDIA, TO ENTER, ALTER OR SUBSTITUTE AN
ADDRESS FOR SERVICE IN INDIA AS PART OF HIS REGISTRATION***(Rules 62, 67, 68)*Request is made by¹ _____ who is registered ²proprietor/user of layout-design no _____ for the ³addition, alteration or substitution of an address for service in India in or to the entry thereof so that the address for service in India may read⁴ _____.

Dated this _____ day of _____ 20____.

Signature _____

To

The Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design,

The Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at⁵ _____**Note:** A registered proprietor or a registered user whose address for service in India has been altered by a public authority so that the changed address designates the same premises as before may also make the statement for which there is provision on the back of this Form in order to avoid payment of fees.

(To appear on the back of this form)

(For use only in case an address for service in India is changed by a public authority, without change of premises).The change of address for service in India for the entry of which application is made on the otherside of this Form was ordered by⁶ _____ on the _____ day of _____ 20____. An officially certified copy of the order is enclosed herewith.

Dated this _____ day of _____ 20____.

Signature _____

Note : If the above statement be made and an officially certified copy of the order by the named authority necessitating the alteration be supplied, the Registrar if satisfied as to the facts of the case will not require any fee to be paid on Form LD-19.

1. Here insert the full name and address of the person making the request
2. Strike out one of the word "proprietor" or "user" as the case may be
3. Strike out the words that are not applicable
4. State here the precise entry or changed entry desired.
5. State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry. See rule 4.
6. Here insert the name of the public authority ordering the change and date thereof.

FORM LD-20**(APPLICATION BY REGISTERED PROPRIETOR OF LAYOUT-DESIGN FOR THE CANCELLATION OF ENTRY THEREOF IN THE REGISTER)***[Section 31(1)(c) Rule 68]*

In the matter of Layout-Design No. _____ name of the registered proprietor _____
address as entered in the register _____.

Application is hereby made by the aforesaid registered proprietor that the entry in the Register of layout-design No. _____ may be cancelled.

¹A copy of the application has been served on the registered user(s).

Dated this _____ day of _____ 20____.

To

The Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design,

The Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at³ _____

-
1. Strike if not applicable.
 2. Signature of the registered proprietor or of his agent.
 3. State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry. See rule 4.

FORM LD-21**REQUEST FOR REGISTRAR'S PRELIMINARY ADVICE AS TO THE ORIGINALITY OR DISTINCTIVENESS OF THE LAYOUT-DESIGN BY A PERSON PROPOSING TO APPLY FOR THE REGISTRATION OF LAYOUT-DESIGN***(Section 78 Rule 21)*

I / we¹ _____ hereby request the Registrar to advise me/us whether the accompanying layout-design appears to him

prima facie original so as comply with the requirements of clause (a) of sub-section (1) of section 7 of the Act for registration in the Register of Layout-Design.

The Registrar's advice may be sent to the following address in India² _____

Dated this _____ day of _____ 20____.

To

The Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design,

The Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at⁴ _____

-
1. State the name and address in full.
 2. State only if the address given at 1 is not of a place in India.
 3. Signature.
 4. State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry. See rule 4.

FORM LD-22

REQUEST FOR CERTIFICATE OF THE REGISTRAR

[Sections 80 and 87 Rules 88, 89]

In the matter¹ of layout-design No. _____.

I / we² _____ hereby request the Registrar to furnish me / us with³ his certificate to the effect that⁴ / a certified copy⁵ _____ a certificate of the registration of layout-design for use in obtaining registration in⁶ _____

³The certificate / certified copy may be sent to the following address in India⁷ : _____

Dated this _____ day of _____ 20____.

Signature _____

To

The Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design,

The Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at⁸ _____

1. These words may be varied to suit other cases.
2. Insert the name, address and nationality of the person making the request.
3. Strike out words that are not applicable
4. Set out the particulars which the registrar is required to certify or state particulars of the document of which a certified copy is required.
5. Strike out words that are not applicable.
6. Insert the name of the country.
7. To be stated only where the address given is not an address in India.
8. State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry. See rule 4.

FORM LD-23

APPLICATION FOR EXTENSION OF TIME [NOT BEING A TIME EXPRESSLY PROVIDED IN THE ACT OR A TIME FOR THE EXTENSION OF WHICH PROVISION IS MADE IN THE RULE]

(Section 76 Rule 75)

In matter of¹ _____

I / we² _____ being the _____ in the above matter hereby apply for an extension of time³ _____ for⁴ _____ on the following grounds: _____

Dated this _____ day of _____ 20____.

To

The Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design,

The Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at⁶ _____

1. Insert words and reference number identifying the matter in respect of which the application is made
2. State full name and address.
3. Insert the period of extension
4. State the purpose for which extension of time is required.
5. Signature.
6. State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry. See rule 4

FORM LD-24**APPLICATION FOR REVIEW OF REGISTRAR'S DECISION***[Section 72(c) rule 84]**(To be filed in triplicate together with a statement in triplicate - vide rule 84)*In the matter of¹ _____

I / we² _____ being the _____ in the above matter hereby apply to the Registrar for the review of this decision date the _____ day of _____ 20___ in the above matter.

The grounds for making this application are set forth in the accompanying statement.

Dated this _____ day of _____ 20___

3 _____

To

The Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design,

The Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at⁴ _____

1 Insert words and reference number identifying the matter in respect of which the application is made

2 State full name and address.

3 Signature.

4 State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry. See rule 4

FORM LD-25**REQUEST FOR DUPLICATE OR FURTHER COPY OF THE CERTIFICATE OF REGISTRATION***[rule 46(2)]*

I / we¹ _____ request the Registrar to furnish me/us with duplicate/further copy² of the certificate of registration issued to me/us under sub-section (2) of section 13 in respect of my/our layout-design No _____

The duplicate /further copy of the certificate may be sent to my/our following address in India .—

Dated this _____ day of _____ 20___.

(signature of the applicant or of his agent)

To

The Registrar of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry,

The office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at³ _____

1 Insert the name and address of the registered proprietor.

2 Strike out whichever is not applicable

3 State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry- see rule 4

FORM LD-26**APPEAL TO THE APPELLATE BOARD UNDER SUB-SECTION (3) OF SECTION 42***[Section 42(3) Rule 74]*

Name and address of the appellant _____

Name and address of the respondent _____

Particulars of order and decision against which the appeal is preferred _____

Grounds of appeal _____

Signature of the appellant

Verification

I, the above named appellant, do hereby verify that the contents of the grounds _____
 _____ are true to my personal knowledge and belief And the contents of the
 grounds _____ are based on the legal advice
 tendered to me. Nothing is concealed herein. Verified on _____ day of _____ 20____.

Signature of the appellant

To

The Layout-Design Appellate Board

FORM LD-27**APPLICATION FOR DETERMINING ROYALTY***[section 40(2) rule 73(1)]*

Layout-design No in respect of which application is filed _____

Name and address of the applicant _____

Name and address of the opposite party _____

Brief facts and grounds in support of royalty _____

Benefit accrued by performing or directing to be performed the acts referred to in clause (b) of sub-section (1) of section 18
 in respect of above mentioned layout-design _____

Signature of the applicant

To

The Layout-Design Appellate Board

FORM LD-28**OPPOSITION UNDER SECTION 40(3) OF THE SEMICONDUCTOR INTEGRATED CIRCUITS LAYOUT-DESIGN ACT, 2000 BEFORE THE LAYOUT-DESIGN APPELLATE BOARD***[Section 40(3) Rule 73(2)]*

Particulars of the application against which the application is filed _____

Name and address of the applicant _____

Name and address of the opposite party _____

Grounds of opposition _____

Signature of opposite party

To

The Layout-Design Appellate Board

FORM LD-29**REQUEST FOR REVIEW OF DECISION OF APPELLATE BOARD TO PERMIT USE OF REGISTERED LAYOUT-DESIGN***[section 51(3) rule 72]*

Layout-design No. _____

I/we¹ _____ registered proprietor of the layout-design hereby request for review of the decision of the Appellate Board dated _____ day of _____ 20____ permitting use of aforesaid layout-design under sub-section (1) of section 51, on the following grounds, namely .

Dated this _____ day of _____ 20____

2 _____

To

The Layout-Design Appellate Board

- 1 Name and address as mentioned in the register
2. Signature of the registered proprietor or his agent

FORM LD-30**APPLICATION FOR EXTENSION OF TIME FOR GIVING NOTICE OF OPPOSITION***[section 11(1) rule 33(2)]*

In the matter of Application No. _____

I/we¹ _____ hereby apply for extension of time² _____ for giving notice of opposition to the registration of the semiconductor integrated circuit layout-design advertised under the above number in the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Journal dated the _____ day of _____ 20____

The reasons for making this application are as follow :—

All communication relating to this application may be sent to the following address in India³:—

Dated this _____ day of _____ 20____.

Signature _____

To

The Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry.

The Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at⁴ _____.

1. State the full name and address.
2. Insert the period of extension required which shall not exceed one month beyond three months from the date of advertisement or re-advertisement, as the case may be, of the application in the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Journal
3. To be stated if the address given is not the address in India.
4. State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry. See rule 4

FORM LD-31**REQUEST TO REGISTRAR FOR PARTICULARS OF ADVERTISEMENT OF A LAYOUT-DESIGN***(rule 32)*

I / we¹ _____ hereby request that I / we may be informed of the date on which the layout-design sought to be registered under application no. _____ in name of _____ is advertised in the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Journal.

This information may be sent to the following address in India²

Dated this _____ day of _____ 20—.

(signature of the applicant or of his agent)

To

The Registrar of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry,

The office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at³ _____.

1. State full name and address.
2. State only if the address given in 1 is not of a place in India.
3. State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry - see rule 4

FORM LD-32**FORM OF AUTHORISATION OF AGENT IN A MATTER OR PROCEEDING UNDER THE ACT***[section 84, rule 20]**(To be stamped under the law for the time being in force)*

I / we¹ _____ hereby authorise² _____ of _____ to act as my / our agent for³ _____ and request that all notices, requisitions and communications relating thereto may be sent to such agent at the above address.

I / we hereby revoke all previous authorisation, if any, in respect of the proceeding.

Dated this _____ day of _____ 20—.

⁴

To

The Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design,

The Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at⁵ _____.

1. Insert full name, address and nationality.
2. Insert full name and address of agent (legal practitioner, registered layout-design agent or a person in the sole and regular employment of the person appointing the agent).
3. State the particular matter or proceeding for which the agent is appointed, giving the reference number if known.
4. To be signed by the person appointing the agent.
5. State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry. See rule 4

FORM LD-33**APPLICATION FOR CANCELLATION OF REGISTRATION OF A LAYOUT-DESIGN OR OF ASSIGNMENT OR TRANSMISSION RELATING THERETO***[section 41 rule 69]*

In the matter of Layout-Design No. _____ name of registered proprietor _____

_____ address as entered in the register _____

I / we¹ _____ hereby give notice of cancellation of ²registration / assignment / transmission of above layout-design.The grounds of cancellation are as follows^{3,4} _____

Dated this _____ day of _____ 20____.

Signature _____

To

The Layout-Design Appellate Board

1. Give full name, address and nationality
2. Strike out whichever is not applicable
3. Give proof/details if cancellation of registration is on the ground that the layout-design is not original or it has been commercially exploited for a period of more than two years from the date on which application for its registration was filed (see section 7)
4. Give proof/detail that the assignment or transmission is contrary to any provision of the law [see clause (b) of sub-section (1) of section 41]

FORM LD-34**APPLICATION UNDER SECTION 51 FOR THE PERMISSION TO USE THE REGISTERED LAYOUT-DESIGN***(section 51 rule 70)*

Name and address of the applicant _____

Name and address of the registered proprietor of the layout-design in respect of which the application is made _____

Layout-design No. (referred above) _____

Whether the permission is sought for the use of layout-design by the Central Government or by the State Government or by any other person authorised by such Government. _____

If permission is sought for the use of the layout-design by the person authorised by the Government, the name and address of such person _____

Signature of the applicant _____

Verification

I, the above-mentioned applicant, do hereby verify that the contents of the grounds _____
 _____ are true to ¹my personal knowledge and belief / on the basis of Government record. And the
 contents of the grounds _____ are based on the legal advice tendered to me. Nothing
 is concealed herein. Verified on _____ day of _____ 20____.

Signature of the applicant _____

1. Strike out whichever is not applicable

In the matter of layout-design No. _____ name of registered proprietor _____

_____ address as entered in the register _____

I / we¹ _____, ²having authorised by the Government, hereby give notice to use the above layout-design on the grounds^{3,4}

(a) for non-commercial public purposes

(b) for the purposes relating to national emergency or extreme public urgency

I / we¹ _____ hereby give notice to use the above layout-design on the grounds³

to remedy anti-competitive practice

I/we have tried to enter into agreement with the registered proprietor of layout-design on reasonable terms and conditions and such efforts have not been successful⁵.

Dated this _____ day of _____ 20—

Signature _____

To

Layout-Design Appellate Board,

1. Give full name, address and nationality
2. Give details and proof of the Government authorisation
3. Strike whichever is not applicable
4. Provide the details of grounds
5. Provide details of the efforts made including copies of the correspondence
6. Strike out whichever is not applicable

FORM LD-35

APPLICATION TO HIGH COURT AGAINST DECISION OR ORDER OF APPELLATE BOARD

[section 53(1) rule 91]

In the matter of layout-design No. _____ name of registered proprietor _____

_____ address as entered in the register _____

I / we¹ _____ hereby prefer appeal against the decision / order of the Layout-Design Appellate Board no _____ dated this _____ day of _____ 20—.

The grounds of appeal are as follows _____

Dated this _____ day of _____ 20—.

Signature _____

To

The Registrar,

High Court at ²_____

1. Strike out whichever is not applicable
2. State the name of the place of the appropriate High Court.

FORM LDA-1

APPLICATION FOR REGISTRATION AS A LAYOUT-DESIGNS AGENT

[rule 97]

(To be filled in triplicate)

I beg to apply for registration as a layout-designs agent under the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Act, 2000 (37 of 2000).

A certificate of character from _____ is enclosed herewith

I hereby declare that I am not subject to any of the disabilities state in clauses (i), (ii), (iii), (iv), (v) and (vi) of rule 95 of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Rules, 2001 and that the information given below is true to the best of my knowledge and belief.

- 1 Name in full beginning with surname if any (in capital letters) - _____
- 2 Address of the place of residence _____
- 3 Principal place of business _____
- 4 Father's name _____
- 5 Nationality _____
- 6 Date and place of birth _____
- 7 Occupation in full _____
- 8 Particulars of qualifications for registration as a layout-designs agent _____
- 9 Whether at any time removed from the Register of Layout-Designs Agents and if so the reasons for such removal _____

Signature _____

To

The Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design,

The Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at¹ _____

The certificate testifying to the character of the candidate should be from a person not related to the candidate and being a District Magistrate, A Chief Presidency Magistrate or the Chief Administrative Officer of the district where the candidate usually resides, or from any other person whom the Registrar may consider it.

Either original diplomas, certificates and other documents in support of qualifications claimed, or copies thereof duly attested by a Magistrate or a Notary Public must be sent with the application

Particulars such as the amount of experience in layout-designs agent's office or with a commercial firm of repute, may be specified.

¹ State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry See rule 4

3781/21/2001 - 17

FORM LDA-2**APPLICATION FOR THE RESTORATION OF THE NAME OF A PERSON TO THE REGISTER OF LAYOUT-DESIGNS AGENTS***[rule 103]**(To be filled in triplicate)*

I _____ (name and address) _____ of _____ hereby apply for the restoration of my name to the Register of layout-designs agents in which my name was entered under No _____ My name was removed on _____ under clause (b) of rule 101(1) of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Rules, 2001

Dated this _____ day of _____ 20—

Signature _____

To

The Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design,

The Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at¹ _____

1 State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry See rule 4

FORM LDA-3**APPLICATION FOR AN ALTERATION OF AN ENTRY IN THE REGISTER OF LAYOUT DESIGN AGENTS***[rule 104]**(To be filled in triplicate)*

I _____ (name and address) _____ of _____ being a registered layout-designs agent (Registration No _____) hereby request that my name, address of the place of residence, address of the principal place of business or qualifications entered in the register of layout-designs agents may be altered as follows —

Dated this _____ day of _____ 20—

Signature _____

To

The Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design,

The Office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry at² _____

1 Strike out words not applicable

2 State the name of the place of the appropriate office of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry See rule 4

SCHEDULE III**List of the forms to be used by the Registrar****LIST OF FORMS**

Form No.	Section	Title
OLD-1	13(3)	Notice of non-completion of registration.
OLD-2	13(2)	Certificate of registration of layout-design
OLD-3	40(3)	Layout-Design Appellate Board Notice under section 40(3).
OLD-4	Rule 100	Certificate of registration of a person as Layout-Design Agent
OLD-5	25(3)	Notice of registration as registered user.
OLD-6	26(2)	Notice of cancellation of registration of registered user
OLD-7	30(4)	Notification of rectification/ correction of the register to Registrar from Appellate Board.
OLD-8	41	Notice of cancellation of registration of a layout-design or of assignment or transmission relating to.
OLD-9	51(2)	Notice for review of decision permitting use of registered layout-design

FORM OLD-1**SEMICONDUCTOR INTEGRATED CIRCUITS LAYOUT-DESIGN REGISTRY****NOTICE OF NON-COMPLETION OF REGISTRATION***[Section 13(3), rule 43]*

No. _____

Notice is hereby given as required by section 13(1) of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Act, 2001 that the registration of the layout-design, in respect of which application numbered as above was made on the _____ day of _____ 20____, has not been completed by reason of default on the part of the applicant. Unless registration is completed within twenty-one days from the date of this notice, the application will be treated as abandoned.

Dated this _____ day of _____ 20____.

(Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design)To
_____**FORM OLD-2****GOVERNMENT OF INDIA****THE SEMICONDUCTOR INTEGRATED CIRCUITS LAYOUT-DESIGN REGISTRY****CERTIFICATE OF REGISTRATION***[Section 13(2) rule 46(1)]*

Layout-design no. _____

Dated _____

Certified that the layout-design¹ _____, of which a drawing/photograph (²complete or blocked out) is annexed herewith, has been registered in the register in the name of _____ as of date _____

Sealed at my direction this _____ day of _____ 20____.

Registrar of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design

Registration is for 10 years from the date first above mentioned.

This certificate is not for use in legal proceedings or for obtaining registration abroad.

Note : Upon any change of ownership of the layout-design or change in address of the principal place of business or address of service in India, applicant should at once be made to register the change.

-
1. Description of the Layout-Design as entered in the Register of Layout-Designs
 2. Strike out whichever is not applicable

FORM OLD-3

LAYOUT-DESIGN APPELLATE BOARD

NOTICE UNDER RULE 73

[Section 40(3) rule 73(2)]

Notice is hereby given as required by section 40(3) of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Act, 2001, that¹ _____ has filed an application before this Appellate Board, a copy of which is enclosed herewith. You may file opposition to the application within thirty days from the date on which this notice is served on you on Form LD-28 specified in schedule II to the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Rules, 2001.

The application will come up before this Appellate Board on _____ day of _____ 20—

Signature of the Officer authorised by the Appellate board

To _____

1 Name of the applicant

FORM OLD-4

GOVERNMENT OF INDIA

THE SEMICONDUCTOR INTEGRATED CIRCUITS LAYOUT-DESIGN REGISTRY

CERTIFICATE OF REGISTRATION TO A LAYOUT-DESIGNS AGENT

[Rule 99]

No. _____

This is to certify that _____ of _____ was registered on this _____ day of _____ 20— in the Register of Layout-Designs Agent maintained under rule 96 of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Rules, 2001

Registrar of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry

FORM OLD-5

SEMICONDUCTOR INTEGRATED CIRCUITS LAYOUT-DESIGN REGISTRY

NOTICE OF REGISTRATION AS REGISTERED USER

[Section 25(3) rule 57]

Whereas¹ _____ the registered proprietor of the layout-design No. _____ and ² _____ proposed registered user made the application on _____ day of _____ 20— for the registration of the said proposed registered user as a registered user of the said layout-design and ² _____ the proposed registered user has been registered under sub-section (2) of section 25 of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Act, 2000 (37 of 2000).

Therefore, this notice is issued under sub-section (3) of section 25 of the said Act of the registration of² _____
 _____ as registered user to the other registered user of the said layout-design, namely:—

Registrar of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Registry

To _____

1. Name and address of the registered proprietor
2. Name and address of the proposed registered user
3. Address to whom the notice is sent

FORM OLD-6

SEMICONDUCTOR INTEGRATED CIRCUITS LAYOUT-DESIGN REGISTRY NOTICE OF CANCELLATION OF REGISTRATION OF REGISTERED USER

[Section 26(2) rule 60]

No. _____

Layout-design No. _____

Dated _____

Notice is hereby given, as required under sub-section (2) of section 26 of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Act, 2000 (37 of 2000), that³ _____ has filed an application to cancel the registration of the registered user¹ _____ of the above said layout-design registered on the² _____ day of _____ 20____ on the following grounds :

Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design

To _____

* 4 *

1. Full name and address of the registered user
2. Date of registration of the registered user
3. Name and address of the applicant
4. Name and address of the proprietor
5. Name and address of the registered user
- * Strike out whichever is not applicable

FORM OLD-7

LAYOUT-DESIGN APPELLATE BOARD NOTICE OF RECTIFICATION/CORRECTION OF THE REGISTER

[Section 30(4) rule 66]

No. _____

Layout-design No. _____

Dated _____

Notice is hereby given, as required under section 30(4) of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design

Act, 2000 (37 of 2000), that the following rectification / corrections shall be done in the register with respect to the aforesaid layout-design :

1 _____
2 _____

Signature

To

The Registrar of Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design

1. Details of the rectification/corrections to be carried out in the register
2. Signature of the authorised officer of the Appellate Board

FORM OLD-8

LAYOUT-DESIGN APPELLATE BOARD

NOTICE OF CANCELLATION OF REGISTRATION OF A LAYOUT-DESIGN OR OF ASSIGNMENT OR TRANSMISSION RELATING THERETO

[Section 41 rule 69(1)]

Notice is hereby given as required by section 41(2) of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Act, 2000 (37 of 2000) that¹ _____ has filed an application before the Appellate Board a copy of which is enclosed herewith. You may file reply to the application, if any, within thirty days from the date on which this notice is served on you.

The application will come up before this Appellate Board on _____ day of _____ 20__

Signature of the person authorised by the Appellate Board

²To

- 1 Name of the applicant
- 2 Name and address of the opposite party

FORM OLD-9

LAYOUT-DESIGN APPELLATE BOARD

NOTICE FOR REVIEW OF DECISION PERMITTING USE OF REGISTERED LAYOUT-DESIGN

[Section 51(3) rule 72(2)]

No. _____

Notice is hereby given as required under section 51(3) of the Semiconductor Integrated Circuits Layout-Design Act, 2000 (37 of 2000), in respect of the review of the decision to permit use of layout-design No. _____ on the following grounds, namely :

The arguments in the case shall be heard on this _____ day of _____ 20__.

To

2 _____

1. Signature of the authorised officer of the Appellate Board
2. Name and address of the person authorised to use the layout-design by the Appellate Board.